महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

वर्ष : 16 अंक : 335 | उज्जैन, रविवार 17 मई 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

सुविचार

'विचारों' को पढ़कर 'छोड़' देने से 'जीवन' में कोई 'बदलाव' नहीं आता, 'विचार' तभी 'बदलाव' लाते हैं, जब 'विचारों' को 'जीवन' में उतारा जाता है

न्यूज ब्रीफ

अब हाईवे पर पहले ही मिलेगा खतरे का अलर्ट, ब्लैक स्पॉट और ब्लाइंड कर्व की जानकारी देगा गूगल मैप

नई दिल्ली/ जीएनएस। कहीं रोड इंजीनियरिंग की खामियां, कहीं तेज रफ्तार तो कहीं वाहन चालकों की बेफिक्री..। कारण कई हैं, लेकिन परिणाम यही एक कि देश में नेशनल हाईवे और एक्सप्रेसवे नेटवर्क के विस्तार के साथ-साथ सड़क दुर्घटनाएं बढ़ती जा रही हैं, जिनमें हर साल लगभग 1.80 लाख लोगों की जान चली जाती है। दुर्घटनाओं को कम करने के तमाम प्रयासों के बीच भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने अब यात्री सुरक्षा के कुछ तकनीकी उपायों पर काम तेज किया है। इसके तहत लांच किए गए प्राधिकरण के पोर्टल डाटालेक का तीसरा संस्करण तैयार किया है, जिसमें न सिर्फ ब्लैक स्पाट, बल्कि कैटल स्पाट, ब्लाइंड कर्व सहित राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क के उन सभी स्थलों का डाटा है, जहां दुर्घटना की आशंका अधिक रहती है। यह डाटा जल्द ही गूगल मैप और मैप माइ इंडिया पर दिखेगा। साथ ही यात्रा के दौरान मोबाइल मैसेज के माध्यम से यात्रियों को रीयल टाइम जानकारी भी प्राप्त होगी, ताकि वह पहले से सतर्क हो जाएं। देशभर में नेशनल हाईवे की लंबाई लगभग 80 हजार किलोमीटर है। इन पर भारी वाहनों के साथ ही यात्री वाहन, निजी वाहन आदि चलते हैं। तमाम कारणों से सड़क हादसे होते हैं और लाखों लोगों की जान चली जाती है। यह सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के प्रयासों और कार्य का स्याह पक्ष है कि हादसों की संख्या प्रतिवर्ष बढ़ती जा रही है। बहरहाल, अब एनएचएआइ सुरक्षा के लिए कुछ नए तरीके अपनाने जा रहा है। एनएचएआइ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि प्राधिकरण ने आवारा पशुओं की समस्या को भी अपने एजेंडे में शामिल किया है। पूरे हाईवे नेटवर्क पर सर्वे कराने पर 424 ऐसे स्थान हैं, जहां आवारा पशु अधिक बैठते हैं। इन्हें कैटल स्पाट के रूप में चिन्हित किया है। इसके साथ ही मैपिंग की गई है कि कहां-कहां ब्लैक स्पाट, डायवर्जन, ब्लाइंड कर्व सहित ऐसे बिंदु हैं, जहां हादसों की आशंका अधिक रहती है। दुर्घटना संभावित सभी स्थलों की जानकारी को एक स्थान पर उपलब्ध कराने के लिए डाटालेक का तीसरा संस्करण तैयार किया गया है।

महिला वकील पर तलवार से हमले पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, दिल्ली पुलिस को जल्द जांच पूरी करने के आदेश

नई दिल्ली/ जीएनएस। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को निर्देश दिया है कि वह एक महिला वकील पर उनके पति द्वारा किए गए जानलेवा हमले के मामले की जांच जल्द से जल्द पूरी करे। इसके साथ ही कोर्ट ने पीड़िता और उनके बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के भी आदेश दिए हैं। चीफ जस्टिस (सीजेआई) सूर्यकांत और जस्टिस जोयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि पुलिस यह सुनिश्चित करे कि जांच निष्पक्ष और तटस्थ तरीके से हो। यह मामला कड़कड़डूमा जिला अदालत की एक महिला वकील से जुड़ा है, जिन पर 22 अप्रैल को सोनिया विहार में उनके पति मनोज कुमार ने तलवार से हमला किया था। एडवोकेट स्नेहा कलिता द्वारा सीजेआइ को पत्र लिखकर इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप और राष्ट्रीय कानूनी सेवा प्राधिकरण (नालसा) योजना के तहत मुआवजे की मांग के बाद सुप्रीम कोर्ट ने इस पर स्वत- संज्ञान लिया था। बच्चों की कस्टडी मां को और मुफ्त शिक्षा का आदेश सुनवाई के दौरान पीठ ने निर्देश दिया कि अब चूंकि पीड़िता अस्पताल से डिस्चार्ज हो चुकी हैं, इसलिए उनकी चार और एक साल की दोनों बेटियों की कस्टडी उन्हें सौंप दी जाए। कोर्ट ने दिल्ली सरकार को निर्देश दिया कि वह दोनों बच्चियों को प्लेस्कूल और नियमित स्कूल सहित सभी सुविधाएं मुफ्त में उपलब्ध कराए। स्कूल की फीस, यूनिफार्म, किताबें और परिवहन का पूरा खर्च दिल्ली सरकार का शिक्षा विभाग उठाएगा। साथ ही, दिल्ली सरकार की नीति के अनुसार बच्चियों को वित्तीय सहायता या वजीफा भी दिया जाएगा।

न्यायपालिका को अस्पतालों की तरह 24X7 कार्य करना होगा: भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत

न्याय व्यवस्था के डिजिटली सशक्त होने से आम नागरिकों को मिलेगा त्वरित न्याय - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री सूर्यकांत ने कहा है कि अमरकंटक से निकलने वाली मां नर्मदा, छोटी-छोटी नदियों के मिलने से विशाल स्वरूप प्राप्त करती है। इसी प्रकार नई तकनीक की धाराओं के माध्यम से कोर्ट, पुलिस, प्रिजन, फॉरेंसिक और मेडिको लीगल की शाखाएं यूनाइटेड डिजिटल प्लेटफॉर्म में एकाकार होते हुए न्याय पाने में आमजन के लिए सहायक सिद्ध होंगी। आम नागरिक को त्वरित रूप से न्याय देने के लिये न्यायपालिका को अस्पतालों की तरह 24ङ्क7 कार्य करना होगा। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय द्वारा नागरिकों के लिए डिजिटल सेवाओं का विकास कर न्याय प्रक्रिया को तेज और सरल बनाना सराहनीय और अनुकरणीय है। उच्च न्यायालय के डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से समय पर बंदियों को मुक्त करने, अर्जेंट हियरिंग, कोर्ट ऑर्डर के डिजिटलीकरण जैसी अनेक सुविधाएं मिलेंगी। भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री सूर्यकांत ने मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह व्यवस्था देश के सभी न्यायालयों में लागू की जाए। भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री सूर्यकांत जबलपुर में आयोजित फ्रेगमेंटेशन ऑफ फ्यूजन- एम्पावरिंग जस्टिस वाया-यूनाइटेड डिजिटल प्लेटफार्म इंटीग्रेशन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। न्यायमूर्ति श्री सूर्यकांत ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल, मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री संजीव सचदेवा के साथ दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश तथा मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन कानूनविद एवं न्यायविद उपस्थित थे।

मध्यप्रदेश पुलिस के सहयोग से वॉर्ड स्तर पर स्थापित संकेत समाधान मध्यस्थता केंद्रों का हुआ शुभारंभ- मुख्यमंत्री डॉ. यादव की उपस्थिति में वंदे मातरम और जन गण मन के साथ कार्यक्रम आरंभ हुआ। पुष्पगुच्छ और प्रतीक चिन्ह भेंट कर अतिथियों का स्वागत किया गया। इस अवसर पर हाईकोर्ट के डिजिटल प्लेटफॉर्म्स की लॉन्चिंग की गई। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने लाइव वीडियो स्ट्रीमिंग के लिए अपना नया छ्रस्स् (कोर्टरूम लाइव ऑडियो-विजुअल स्ट्रीमिंग सिस्टम) लॉन्च किया। यह एक ओटीटी स्टाइल में तैयार किया गया डिजिटल सिस्टम है, जिससे थर्ड पार्टी सिस्टम पर निर्भरता खत्म होगी और लाइव स्ट्रीमिंग का पूरा कंट्रोल हाईकोर्ट अथॉरिटी के पास होगा। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट का नया पोर्टल भी लॉन्च किया गया। यहां जज, वकील और फरियादियों के लिए कोर्ट के ऑर्डर, बेल एप्लिकेशन सहित अन्य जरूरी दस्तावेज आसानी से उपलब्ध होंगे। यह फ्यूचर रेडी ज्यूडिशियल सिस्टम की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने डिजिटल डेटा मैनेजमेंट सिस्टम %प्रथम% भी लॉन्च किया है। यह सिस्टम आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस से लैस है। यह पारदर्शिता और प्रक्रियाओं को सरल बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। इस अवसर पर हाईकोर्ट की डिजिटल क्रांति के अंतर्गत कॉपीइंग ऑटोमेशन एंड ज्यूडीशियल इन्फॉर्मेशन डिसएमीनेशन सिस्टम की शुरुआत भी की गई। इससे फरियादियों, वकीलों और जजों को आसानी से ऑर्डर्स की प्रमाणित प्रतियां मिल सकेंगी। इसके साथ ही प्रिजनर रिलीज के लिए ऑनलाइन क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम की शुरुआत की गई। इस अवसर पर मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की वार्षिक रिपोर्ट 2025 का विमोचन किया गया। मध्यप्रदेश पुलिस के सहयोग से वॉर्ड स्तर पर स्थापित संकेत समाधान मध्यस्थता केंद्रों का शुभारंभ किया गया। सीजेआई ने वाक एवं श्रवण बाधित नागरिकों की सहायता के लिए मोबाइल एप्लीकेशन संकेत वाणी भी लॉन्च किया। मध्यप्रदेश ज्यूडीशियल एकेडमी द्वारा निर्मित ज्योति जर्नल 2.0 सॉफ्टवेयर की लॉन्चिंग भी की गई।

डिजिटल तकनीक से नागरिकों को त्वरित, किफायती, भेदभाव रहित न्याय सुलभ कराने में मदद मिलेगी- न्यायमूर्ति श्री सूर्यकांत ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा न्याय प्रक्रिया में एआई के सदुपयोग पर गठित कमेटी ने अद्भुत कार्य किया है। जल्द ही कमेटी के सुझावों को देश में लागू किया जाएगा। भारत आदिकाल से नवीन तकनीक को अपनाने में अग्रणी रहा है। कोविड महामारी के दौर में भारतीय न्याय व्यवस्था ने नई तकनीक को अंगीकार किया और उस कठिन दौर में न्यायपालिका ने अपनी संवैधानिक जिम्मेदारियों को बखूबी निभाया। कोविड के दौर में भी अदालतों में कामकाज बंद नहीं हुआ। इसके लिए दुनियाभर की न्यायपालिकाओं ने भारतीय व्यवस्था की सराहना की थी। उन्होंने कहा कि भविष्य में आम आदमी को तेजी से न्याय दिलवाने में एआई महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। डिजिटल तकनीक को न्याय व्यवस्था के साथ जोड़ने से कोर्ट का समय बचेगा और न्याय प्रक्रिया को गति मिलेगी और जस्टिस डिलीवरी सिस्टम ज्यादा पारदर्शी बनेगा।

सिक्किम के 51वें राज्यत्व दिवस समारोह में शामिल हुए उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन

नई दिल्ली/ जीएनएस। सिक्किम राज्यत्व के 51वें वर्षगांठ समारोह में भारत के उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने शनिवार को राजधानी गंगटोक स्थित मनन केंद्र से राज्यवासियों और देश को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने सिक्किम की विकास यात्रा, राष्ट्रीय एकता, पर्यावरण संरक्षण और लोकतांत्रिक मूल्यों की सराहना करते हुए राज्य को देश के लिए आदर्श माडल बताया।

उपराष्ट्रपति नई दिल्ली से विमान द्वारा पश्चिम बंगाल के बागडोगरा एयरपोर्ट पहुंचे थे, जहां से उन्हें हेलीकाप्टर से सिक्किम जाना था। हालांकि खराब मौसम के कारण हेलीकाप्टर सेवा उपलब्ध नहीं हो सकी, जिसके बाद उन्होंने सिलीगुड़ी होते हुए सड़क मार्ग से सिक्किम की यात्रा की। उपराष्ट्रपति की यह पहली सड़क यात्रा रही, जिसे उन्होंने ऐतिहासिक और यादगार अनुभव बताया।

गंगटोक पहुंचने पर उपराष्ट्रपति का पारंपरिक तरीके से भव्य स्वागत किया गया। लोक भवन में उन्हें गार्ड आफ आनर प्रदान किया गया। इस दौरान सिक्किम के राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर और मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तामांग ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

विशेष भोज का हुआ आयोजन- राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर ने उपराष्ट्रपति के सम्मान में लोक भवन में विशेष दिवा-भोज का आयोजन किया। समारोह में केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, लोकसभा सांसद इंद्रहांग सुब्बा, राज्य मंत्रिमंडल के सदस्य, विधायकगण तथा वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

मनन केंद्र में आयोजित राज्यत्व दिवस समारोह के दौरान उपराष्ट्रपति ने सिक्किम के प्रथम मुख्यमंत्री काजी लेंडुप दोर्जी को श्रद्धांजलि अर्पित की और राज्य की लोकतांत्रिक एवं प्रगतिशील नींव को याद किया। उन्होंने कहा कि काजी लेंडुप दोर्जी के नेतृत्व ने आधुनिक सिक्किम की मजबूत आधारशिला रखी। समारोह के दौरान राज्य में कई महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं का वर्चुअल उद्घाटन भी किया गया।

सिक्किम को प्रकृति, संस्कृति और सुशासन का अद्भुत संगम बताते हुए कहा कि सिक्किम केवल कृषि से नहीं, बल्कि चरित्र से भी आर्गेनिक है। उन्होंने सिक्किम के लोगों की सादगी, अनुशासन और मानवीय मूल्यों की सराहना की।

भारत में कब शामिल हुआ सिक्किम- उपराष्ट्रपति ने कहा कि 1971 में छात्र जीवन के दौरान सिक्किम के भारत में विलय का समाचार पढ़कर उन्हें अत्यंत गर्व हुआ था। उन्होंने कहा कि 1962 के युद्ध के बाद सिक्किम का भारत में शामिल होना राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण था।

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर बिहार के एक ही परिवार के 5 की मौत, कंटेनर में पीछे से घुसी कार

पटना/ जीएनएस। उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर शनिवार को हुए भीषण सड़क हादसे ने बिहार के भोजपुर जिले को गहरे सदमे में डाल दिया। तेज रफ्तार स्विफ्ट डिजायर कार आगे चल रहे कंटेनर में पीछे से जा घुसी, जिससे कार में सवार पांच लोगों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। मृतकों में पति-पत्नी, उनका बेटा, बेटी और कार चालक शामिल हैं। सभी लोग बिहार के भोजपुर जिले के रहने वाले बताए जा रहे हैं और हरियाणा के फरीदाबाद जा रहे थे। हादसा आजमगढ़ जिले के कंधरापुर थाना क्षेत्र स्थित सियरहा गांव के पास पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर हुआ। जानकारी के अनुसार शाम करीब चार बजे कार गाजीपुर की ओर से लखनऊ की तरफ जा रही थी। इसी दौरान माइलस्टोन 238 के पास तेज रफ्तार कार आगे चल रहे कंटेनर में पीछे से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह चकनाचूर हो गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक हादसे के बाद एक्सप्रेस-वे पर अफरा-तफरी मच गई। कार पूरी तरह कंटेनर में फंस गई थी और अंदर बैठे लोग बाहर नहीं निकल सके।

महाराष्ट्र में बाइक टैक्सी के खिलाफ सरकार सख्त, एप स्टोर से Uber, Ola और Rapido हटाने के निर्देश

नई दिल्ली/ जीएनएस। महाराष्ट्र सरकार ने राज्य में बैन की गई बाइक टैक्सियों पर सख्ती बरतते हुए गूगल और एप्पल को चिट्ठी लिखी है और उबर, ओला और रेपिडो जैसे एप्स को अपने एप स्टोर से हटाने को कहा है।

महाराष्ट्र साइबर डिपार्टमेंट का कहना है कि बिना मंजूरी वाले बाइक टैक्सी ऑपरेशन पैसेंजर की सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा हैं।

बिना इजाजत चल रहीं बाइक टैक्सी - महाराष्ट्र साइबर के एडिशनल डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस ने इन टेक दिग्गज कंपनियों को चिट्ठी में लिखा, यह देखा गया है कि कुछ एप-बेस्ड प्लेटफॉर्म बिना सही परमिशन, सरकारी मंजूरी या ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट के तय नियमों और मोटर व्हीकल्स एक्ट के प्रावधानों का पालन किए बिना, बाइक टैक्सी ऑपरेशन के जरिए बड़े पैमाने पर पैसेंजर ट्रांसपोर्ट सर्विस चला रहे हैं।

महाराष्ट्र साइबर का कहना है, ऐसी रिपोर्ट्स मिली हैं कि ड्राइवर वेरिफिकेशन के तरीके, इंश्योरेंस सुरक्षा, महिलाओं की सुरक्षा के उपाय और इमरजेंसी रिस्पॉन्स सिस्टम काफी नही हैं।

नाथुला मार्ग से कैलाश मानसरोवर यात्रा की तैयारी तेज, 42 करोड़ रुपये की परियोजना तैयार

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारत-चीन अंतर्राष्ट्रिय सीमा क्षेत्र नाथुला के रासते होने वाली कैलाश मानसरोवर यात्रा को लेकर तैयारियां तेजी से चल रही है। यह यात्रा जून महीने में शुरू होने वाली है। इसे लेकर राज्य पर्यटन एवं नागरिक उड्डयन विभाग द्वारा निर्मित कैलाश मानसरोवर यात्री अनुकूलन केंद्र-1 का शुक्रवार को 18वें माइल क्षेत्र में निरीक्षण किया गया। निरीक्षण विभाग के पीसीई-सह-सचिव नीरज प्रधान और अन्य अधिकारियों ने की।

करीब 10 हजार फीट की ऊंचाई पर 2.02 हेक्टेयर क्षेत्र में विकसित इस परियोजना की कुल लागत 42.23 करोड़ रुपये है। परियोजना को भारत सरकार के पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय (डोनार) द्वारा वित्तपोषित किया गया है, जबकि इसका कार्यान्वयन सिक्किम सरकार के पर्यटन एवं नागरिक उड्डयन विभाग द्वारा किया गया।

कब शुरू हुई थी परियोजना- परियोजना का निर्माण कार्य 14 फरवरी 2018 को शुरू हुआ था और 28 फरवरी 2026 को पूरा हुआ। केंद्र में चार दो-बेड वाले यूनिट, दो पांच-बेड वाले यूनिट, इंफर्मरी, डाइनिंग-कम-किचन सुविधा तथा कार्यालय-सह-चिकित्सा इकाई की व्यवस्था की गई है। यहां कुल 126 यात्रियों के ठहरने की क्षमता उपलब्ध है।

पेट्रोल-डीजल पर पीएम मोदी की अपील, लॉकडाउन पर किरेन रिजिजू ने कह दी बड़ी बात

नई दिल्ली/ जीएनएस। क्या भारत में लॉकडाउन लगने वाला है? इसको लेकर मोदी सरकार के मंत्री का बड़ा बयान आया है। संसदीय मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने इस पर अपडेट दी है। उन्होंने कहाकि अभी भारत में हालात इतने नहीं बिगड़े हैं कि ऐसा कदम उठाना पड़े।

लेकिन खराब समय के लिए अभी से सतर्कता जरूरी है। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में देश के नागरिकों से तेल बचाने और अनावश्यक खर्च से बचने की सलाह दी थी। पीएम मोदी ने ईरान और अमेरिका के बीच चल रहे युद्ध के बीच लोगों को और पैनिक बाइंग से बचने के लिए भी कहा था। केंद्रीय मंत्री रिजिजू प्रधानमंत्री के इसी बयान के संदर्भ में अपनी बात रख रहे थे। किरेण रिजिजू ने कहाकि भारत में इतनी क्राइसिस की हालत नहीं हैं।

टाइम्स नाऊ पर बोलते हुए उन्होंने कहाकि पश्चिम एशिया में समस्या काफी ज्यादा है। इसके चलते दुनिया भर में एनर्जी क्राइसिस चल रही है। व्यापार के रास्तों पर भी असर पड़ा है। रिजिजू ने कहाकि भारत ने पश्चिम एशिया में तनाव पैदा नहीं किया है। लेकिन दुर्भाग्य से हमें इस संकट में घसीटा जा रहा है।

ऐसे में हमें खुद के स्तर पर तैयारी करनी पड़ेगी। उन्होंने कहाकि हमें बाहरी दया पर निर्भर नहीं रह सकते। इन सबको देखते हुए ही प्रधानमंत्री ने एक आह्वान किया है। हमें पेट्रोल-डीजल बचाने के साथ अन्य चीजों पर भी ध्यान देना होगा। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहाकि पिछले 12 साल से पीएम मोदी, लगातार घरेलू उत्पादन बढ़ाने पर जोर दे रहे हैं। साथ ही वह विदेशी आयत पर निर्भरता कम करने की कोशिशों में भी जुटे हैं। उन्होंने कहाकि पीएम मोदी ने इस दिशा में कई कदम उठाए हैं।

धर्मेंद्र प्रधान का तुरंत इस्तीफा लें पीएम मोदी या बर्खास्त करें, नीट पेपर लीक पर भड़के राहुल गांधी

नई दिल्ली/ जीएनएस। पेपर लीक के चलते नीट परीक्षा रद होने के बाद छात्रों के बीच बढ़ती हताशा की घटनाओं को देखते हुए कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने जवाबदेही तय करने के लिए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे का सरकार पर दबाव बढ़ा दिया है।

लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने शिक्षण संस्थानों में सत्ता संरक्षित लोगों द्वारा गठजोड़ कर नीट पेपर लीक को पैसे कमाने का जरिया बनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि दो साल से रात दिन परिश्रम करने वाले 22 लाख छात्रों की मेहनत पर पानी फेरा गया है। 2 करोड़ युवाओं का भविष्य खराब हुआ खराब

पेपर लीक पर सरकार को लगातर घेर रहे राहुल गांधी ने शनिवार को एक वीडियो बयान में कहा कि पूरा देश जानता है कि परीक्षा से दो दिन पहले व्हाट्सएप पर नीट का पेपर बांटा जा रहा था मगर शिक्षा मंत्री धमेंद्र प्रधान कहते हैं कि इससे मेरा कोई लेना-देना नहीं। संसदीय समिति ने सुधार की सिफारिशें की थी मगर शिक्षा मंत्री ने यह कहते हुए इसे कचरे में डाल दिया कि इसमें विपक्षी दलों के सदस्य बैठे हैं।

राहुल गांधी ने आरोप लगाते हुए कहा, सच्चाई यह है कि देश के सबसे अहम शिक्षा क्षेत्र को आरएसएस, भाजपा और हमारे विश्वविद्यालयों में कुलपति, प्रोफेसर बनाए गए इनके लोगों के बीच पैसे बनाने का एक नेक्सस है। इस गठजोड़ ने देश की पूरी शिक्षा व्यवस्था को खत्म कर दिया है और देश जानता है कि आरएसएस से हैं तो बिना विषय ज्ञान तथा अनुभव के भी आप कुलपति बन सकते हैं। कांग्रेस नेता ने आगे कहा, यदि नहीं हैं तो कितना भी काबिल हों वीसी नहीं बन सकते। यही है कारण कि 80 बार पेपर लीक हुआ है और दो करोड़ युवाओं का भविष्य खराब हुआ है।

नेता विपक्ष ने कहा, प्रधानमंत्री को धर्मेंद्र प्रधान को तुरंत इस्तीफे देने का आदेश देना चाहिए या बर्खास्त करना चाहिए और पेपर लीक के दोषियों को तत्काल गिरफ्तार कर जेल भेजना चाहिए।

सुपारी देकर कराए गए जानलेवा हमले का खुलासा, एमजी रोड पुलिस ने चार आरोपियों को किया गिरफ्तार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के एमजी रोड थाना क्षेत्र में फरियादी पर चाकू से जानलेवा हमला करने के मामले का पुलिस ने खुलासा करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि पैसों के लेनदेन के विवाद के चलते फरियादी की हत्या कराने के उद्देश्य से सुपारी देकर हमला करवाया गया था।

पुलिस के अनुसार 13 मई 2026 को फरियादी ने थाना एमजी रोड पर रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि दो अज्ञात बाइक सवार बदमाशों ने उस पर चाकू से हमला कर सिर में गंभीर चोट पहुंचाई और मौके से फरार हो गए। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर संतोष कुमार सिंह के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जोन-3 तथा सहायक पुलिस आयुक्त के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी एमजी रोड द्वारा विशेष टीम गठित कर जांच शुरू की गई।

जांच के दौरान पुलिस टीम ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में संदिग्धों की तलाश करते हुए आरोपी गौरव चक्रवर्ती को हिरासत में लिया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि जीएसटी निपटारे को लेकर उसका फरियादी से पैसों का लेनदेन हुआ था और फरियादी लगातार पैसे वापस मांग रहा था। इसी विवाद के चलते उसने अपने दोस्त रितेश मुछाल के माध्यम से पुष्प वैष्णव और उमेश वैष्णव को 30 हजार रुपये की सुपारी देकर फरियादी को सबक सिखाने की योजना बनाई।

योजना के तहत पुष्प और उमेश बिना नंबर की मोटरसाइकिल पर मास्क पहनकर आए और फरियादी पर चाकू से हमला कर फरार हो गए। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और जांच के आधार पर तीनों अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया। सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश किया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक आरोपी आपराधिक प्रवृत्ति के हैं और उनके विरुद्ध पूर्व से विभिन्न गंभीर धाराओं में कई मामले दर्ज हैं।

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी विजय सिंह सिसौदिया, उपनिरीक्षक सचिन त्रिपाठी सहित एमजी रोड थाना पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका रही।

इंदौर भाजपा सोशल मीडिया विभाग की नई टीम घोषित, पूजा मंडोवरा बनीं जिला संयोजक

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी इंदौर ग्रामीण में संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के उद्देश्य से सोशल मीडिया विभाग में नई नियुक्तियों की घोषणा की गई है। प्रदेश संगठन के निर्देश एवं वरिष्ठ नेताओं की सहमति के बाद जिला अध्यक्ष श्रवण सिंह चावड़ा ने सोशल मीडिया विभाग की नई टीम को अंतिम रूप दिया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल तथा प्रदेश सोशल मीडिया संयोजक सुयश त्यागी की अनुमति के उपरांत जिला संगठन प्रभारी शैलेन्द्र डागा की सहमति से यह नियुक्तियां घोषित की गईं। जारी सूची के अनुसार पूजा मंडोवरा को इंदौर जिला सोशल मीडिया संयोजक की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। जिला अध्यक्ष श्रवण सिंह चावड़ा ने विश्वास व्यक्त किया कि नई टीम सोशल मीडिया के माध्यम से पार्टी की विचारधारा, संगठन की गतिविधियों और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रभावी ढंग से आमजन तक पहुंचाने का कार्य करेगी। उन्होंने कहा कि डिजिटल माध्यम आज संगठन और जनता के बीच संवाद का सशक्त मंच बन चुका है, ऐसे में सोशल मीडिया टीम की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। भाजपा कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने पूजा मंडोवरा को नई जिम्मेदारी मिलने पर शुभकामनाएं दी हैं।

नेहरू स्टेडियम में बना आईपीएल मैचों का फैन पार्क, एंट्री निःशुल्क, रोमांच दोगुना

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंडियन प्रीमियर लीग अर्थात आईपीएल का रोमांच देश भर में शुरू हो चुका है। हालांकि इंदौर शहर में इस बार आईपीएल के मुकाबले लाइव नहीं खेले जाएंगे लेकिन इसके बावजूद इंदौर की खेलप्रेमी जनता के लिए इन मैचों के लाइव शो विशेष रूप से तैयार किए जा रहे हैं।

इंदौर के नेहरू स्टेडियम में आईपीएल मैचों की तरह ही एक बेहद भव्य और आकर्षक सेटअप तैयार किया जा रहा है। यहां पर बहुत बड़ी स्क्रीन्स लगाने के साथ-साथ मैच के दीवानों के लिए पूरे स्टेडियम का सजीव और लाइव माहौल तैयार किया जा रहा है। इस विशेष आयोजन स्थल को क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड द्वारा फैन पार्क का नाम दिया गया है। इस पूरे आयोजन के लिए प्रवेश बिल्कुल मुफ्त रखा गया है।

देश के इस सबसे भव्य क्रिकेट आयोजन के तमाम प्रशंसक यहां पर एक साथ एकत्रित होंगे और आईपीएल के शानदार व ऊर्जावान माहौल का भरपूर आनंद उठाएंगे। मैदान पर लगने वाली विशाल स्क्रीन पर दिखाए जाने वाले हर रोमांचक पल के साथ, हर मुख्य स्थान से लाइव मैच का सीधा प्रसारण किया जाएगा, जिससे यहां आने वाले प्रशंसकों को बिल्कुल मुख्य खेल मैदान जैसा ही वास्तविक अनुभव प्राप्त होगा। शहर का कोई भी क्रिकेट प्रशंसक इस बड़े उत्सव से वंचित नहीं रहेगा क्योंकि इस फैन पार्क में प्रवेश की व्यवस्था पूरी तरह से निःशुल्क रखी गई है। इसके साथ ही, आईपीएल के आधिकारिक प्रायोजकों के विशेष गीत संगीत, खाने-पीने के स्वादिष्ट इंदौरी स्टाल, विभिन्न प्रकार के शीतल पेय और कई अन्य मनोरंजक गतिविधियां दर्शकों के इस अनुभव को और भी ज्यादा रोमांचक बना देंगी। इन तमाम तरह की विविध गतिविधियों के साथ, वहां मौजूद प्रशंसकों को ऐसा महसूस होगा जैसे वे अपने पसंदीदा अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों और टीमों का समर्थन करते हुए सीधे मुख्य स्टेडियम में ही मौजूद हैं। दर्शकों के उत्साह को और अधिक बढ़ाने के लिए, इस फैन पार्क में आने वाले सभी प्रशंसकों को अपनी पसंदीदा टीम, स्टार खिलाड़ी या क्रिकेट खेल के प्रति अपने अटूट जुनून को खुलकर व्यक्त करने और अपने खास फैन मोमेंट्स को कैमरे में कैद करने का बेहतरीन मौका मिलेगा।

रिकॉर्ड दर्शकों के आने की उम्मीद- क्रिकेट विश्लेषकों का मानना है कि आईपीएल का हर नया सीजन अपने पिछले सीजन से काफी बड़ा होता जा रहा है, और इसी क्रम में इस बार कुल मिलाकर 10 लाख से अधिक क्रिकेट प्रेमियों के आने की उम्मीद जताई जा रही है, जिससे इस बार फैन पार्क में दर्शकों का उत्साह और भी ज्यादा देखने को मिलेगा।

इंदौर के नेहरू स्टेडियम में होने वाले इन तीनों धमाकेदार मैचेस के लाइव स्क्रीनिंग्स का कार्यक्रम कुछ इस प्रकार तय किया गया है-

शनिवार, 16 मई- दोपहर 3-30 बजे से दर्शकों के लिए एंट्री शुरू कर दी जाएगी। इस दिन का मुख्य मुकाबला कोलकाता नाइट राइडर्स वि. गुजरात टाइटन्स के बीच खेला जाएगा।

रविवार, 17 मई- शाम 6-30 बजे से स्टेडियम में एंट्री शुरू होगी। इस दिन दो बड़े मुकाबले दिखाए जाएंगे जिनमें पहला मुकाबला पंजाब किंग्स वि. रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु और दूसरा मुकाबला दिल्ली कैपिटल्स वि. राजस्थान रायल्स के बीच होगा।

इंदौर क्राइम ब्रांच ने ऑनलाइन आईपीएल सट्टा गिरोह का किया भंडाफोड़, दो आरोपी गिरफ्तार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए इंदौर पुलिस की क्राइम ब्रांच लगातार कार्रवाई कर रही है। पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर संतोष कुमार सिंह के निर्देश एवं अतिरिक्त पुलिस आयुक्त तथा पुलिस उपायुक्त क्राइम ब्रांच के मार्गदर्शन में गठित टीमों द्वारा गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए आईपीएल क्रिकेट मैच पर ऑनलाइन सट्टा संचालित करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया गया है।

क्राइम ब्रांच टीम ने 15 मई 2026 की रात करीब 11-50 बजे राऊ क्षेत्र के रंगवासा स्थित लाभम पार्क के एक मकान पर दबिश दी। मौके पर पुलिस ने दो व्यक्तियों को मोबाइल फोन, टैबलेट और लैपटॉप के माध्यम से चेन्नई सुपर किंग्स और लखनऊ के बीच चल रहे आईपीएल मैच पर हार-जीत का दांव लगाते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी 'जगदंबा बुक समूह' से जुड़े हुए हैं और विशेष सॉफ्टवेयर एवं एप्लीकेशन के जरिए ऑनलाइन सट्टे का अवैध कारोबार संचालित कर रहे थे। पुलिस जांच में यह भी पता चला कि आरोपी लैपटॉप में सट्टे का हिसाब-किताब रखने के लिए पासवर्ड प्रोटेक्टेड ACC32 एप्लीकेशन का उपयोग करते थे, जबकि ऑनलाइन भाव देखने और दांव लगाने के लिए टैबलेट में 'स्वास्तिक सॉफ्टवेयर' संचालित किया जा रहा था। पुलिस के अनुसार आरोपी संगठित नेटवर्क के रूप में काम कर रहे थे और लोगों से ऑनलाइन हार-जीत का दांव लगवाकर अवैध लाभ कमा रहे थे। गिरफ्तार आरोपियों में रोहित भंडारी निवासी लोकनायक नगर एयरपोर्ट रोड तथा अर्जुन गुप्ता निवासी विधुर नगर हवा बंगला शामिल हैं। आरोपियों के कब्जे से तीन मोबाइल फोन, एक एसर कंपनी का लैपटॉप, एक सैमसंग टैबलेट, एक सनडिस्क पेनड्राइव, एयरटेल कंपनी का वाई-फाई राउटर तथा हिसाब-किताब की डायरी जब्त की गई है। जब्त सामग्री की अनुमानित कीमत करीब तीन लाख रुपये बताई गई है।

पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 112(1), पब्लिक गेम्बलिंग एक्ट 1976 की धारा 4(क) तथा सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 66 के तहत प्रकरण दर्ज कर उन्हें विधिवत गिरफ्तार किया है। मामले की विस्तृत विवेचना एवं अन्य आरोपियों की तलाश क्राइम ब्रांच द्वारा की जा रही है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी अपराध शाखा एवं उनकी टीम की सराहनीय भूमिका रही।

बॉयज हॉस्टल में पानी लेने गई छात्रा से छेड़छाड़, ABVP कार्यकर्ता और परिजन पहुंचे

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राजेंद्र नगर क्षेत्र के एक प्रतिष्ठित स्कूल में आयोजित समर कैंप के दौरान 13 वर्षीय नाबालिग छात्रा के साथ छेड़छाड़ की घटना सामने आई है। इस मामले की जानकारी मिलने के बाद गुरुवार देर रात स्कूल परिसर में भारी हंगामे और तनाव की स्थिति निर्मित हो गई। घटना की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस बल तुरंत हॉस्टल पहुंचा और महिला पुलिस अधिकारियों की उपस्थिति में पीड़ित छात्रा के साथ-साथ हॉस्टल के अन्य स्टाफ से भी विस्तृत पूछताछ की। इस पूरे मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने बॉयज हॉस्टल के वॉर्डन विनोद शर्मा को अपनी हिरासत में ले लिया है। राजेंद्र नगर थाना पुलिस ने आरोपी वॉर्डन के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की सुसंगत धाराओं सहित पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, गुरुवार देर रात जब पुलिस की टीम दबिश देने हॉस्टल पहुंची थी, तब आरोपी वॉर्डन वहां से भागने में सफल रहा था, लेकिन पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए शुक्रवार सुबह उसे धरदबोचा। पुलिस ने बताया कि पीड़ित छात्रा मूल रूप से रतलाम की रहने वाली है और वह इस समर कैंप में भाग लेने के लिए इंदौर आई थी। वॉर्डन द्वारा की गई इस घिनौनी और आपत्तिजनक हरकत के बाद डरी हुई छात्रा ने अपने परिजनों को फोन पर पूरी आपबीती सुनाई।

जल संसाधन मंत्री ने कृषि रथ का वर्चुवली शुभारंभ किया

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने इंदौर जिले के विकासखण्ड सांवेर में कृषि रथ का वर्चुवली शुभारंभ किया। इस कृषि रथ का उद्देश्य किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकी एवं वैज्ञानिक सलाह देना है। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने कृषकों को वर्चुवली संबोधित करते हुए कहा कि किसानों के हित में यह बड़ा अभियान है, इससे किसानों को कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त करने में मदद मिलेगी। साथ ही उन्होंने हाल ही में केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा किसानों के हित में लिये गये निर्णयों की जानकारी भी दी।

कार्यक्रम की शुरूआत में किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के उप संचालक श्री सी.एल. केवडा ने बताया कि राज्य शासन किसान कल्याण तथा कृषि विकास के निर्देश पर आगामी 10 दिनों के लिये कृषि रथ जिले की सभी ग्राम पंचायतों में आयोजित किया जायेगा। अभियान के तहत किसानों को खरीफ मौसम की क्षेत्रीय फसलों के लिये उन्नत कृषि तकनीक, उर्वरक वितरण की ई-विकास प्रणाली, जैविक एवं प्राकृतिक खेती, मृदा स्वास्थ्य कार्ड के प्रभावी उपयोग, एकीकृत पोषक तत्व, कीट एवं रोग प्रबंधन, कृषि योजनाओं का प्रचार-प्रसार, प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना, पराली प्रबंधन, कृषि नवाचारों आदि की जानकारी कृषकों को दी जायेगी। साथ ही किसानों से फीडबेक लेकर अनुसंधान को और उपयोगी बनाने की दिशा में कार्य किया जायेगा। श्री केवडा ने बताया कि अभियान के तहत कृषि विज्ञान केन्द्र, आईसीएआर और कृषि महाविद्यालयों के वैज्ञानिक तथा विभागीय अधिकारी गांवों में जाकर किसानों से सीधा संवाद करेंगे। इस दौरान कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन, एवं कृषि अभियांत्रीकी के मैदानी अधिकारी भी सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

इंदौर में 14 शातिर बदमाशों पर पुलिस कमिश्नर की बड़ी कार्रवाई, 9 जिलाबदर और 5 पर निर्बंधन आदेश जारी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में अपराध और आपराधिक गतिविधियों पर नियंत्रण तथा कानून व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से इंदौर पुलिस द्वारा लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर संतोष कुमार सिंह के निर्देशन में 14 आदतन बदमाशों के विरुद्ध प्रतिबंधात्मक कार्रवाई करते हुए 9 कुख्यात बदमाशों को जिलाबदर तथा 5 अन्य बदमाशों के विरुद्ध निर्बंधन आदेश जारी किए गए हैं।

पुलिस अधिकारियों से प्राप्त प्रतिवेदनों के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस कमिश्नर ने इन बदमाशों को मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 के तहत दंडित किया है। पुलिस के अनुसार संबंधित बदमाश लंबे समय से हत्या, मारपीट, अवैध वसूली, धमकी और अन्य गंभीर अपराधों में संलिप्त रहे हैं तथा इनके विरुद्ध शहर के विभिन्न थानों में कई आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। प्रतिबंधात्मक कार्रवाई के बाद भी इनके द्वारा लगातार क्षेत्र में अपराध कर लोक शांति भंग की जा रही थी।

कार्रवाई के तहत साहिल उर्फ जाहिद उर्फ बच्चा, अमर उर्फ अमान उर्फ टिलटिल, हर्ष मालवीय, देवेंद्र सरोज, लोकेश उर्फ भांजा, आकाश बौरासी, जीवन कौशल, विनोद जाधव और जीवांशु उर्फ ध्रुव को निर्धारित अवधि के लिए जिला इंदौर एवं सीमावर्ती जिलों की राजस्व सीमा से निष्कासित करते हुए जिलाबदर आदेश जारी किए गए हैं।

इसके अलावा गोलू उर्फ शाहरुख, साजिद उर्फ चेतन लाला, अरुण बोवनिया, राजा वर्मा तथा कमल उर्फ कम्मू यादव के विरुद्ध निर्बंधन आदेश जारी कर उन्हें निर्धारित अवधि तक संबंधित थानों में नियमित हाजिरी देने के लिए पाबंद किया गया है। आदेश की शर्तों के अनुसार इन बदमाशों को किसी भी प्रकार की अवैधानिक गतिविधियों में शामिल नहीं होने तथा शहर की लोकशांति भंग नहीं करने की सख्त हिदायत दी गई है।

पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि यदि संबंधित बदमाशों द्वारा निर्बंधन आदेश की शर्तों का उल्लंघन किया जाता है तो उनके विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। इन प्रकरणों में शासन की ओर से पैरवी एडीपीओ अजय प्रताप बुंदेला द्वारा की गई।

एमपीपीएससी ने जारी किया नया परीक्षा शेड्यूल

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) ने आगामी परीक्षाओं को लेकर शेड्यूल में बदलाव किया है। शुक्रवार को आयोग ने परीक्षाओं की संशोधित समय सारणी जारी की है, जिसमें दिसंबर तक होने वाली सभी परीक्षाओं की तारीख तय कर दी।

17 मई को सहायक कुल सचिव भर्ती परीक्षा आयोजित की जाएगी। 12 में से 4 पद सामान्य वर्ग, 3 ओबीसी, 2 एससी, 2 एसटी और 1 ईडब्ल्यूएस वर्ग के लिए आरक्षित है। इन पदों के लिए 12 हजार उम्मीदवार सम्मिलित होंगे। इसके लिए प्रदेशभर के चार शहरों में केंद्र बनाए गए हैं। इंदौर, भोपाल, जबलपुर और ग्वालियर में उम्मीदवार परीक्षा दे सकेंगे। ऑफलाइन पद्धति से ओएमआर शीट पर परीक्षा करवाई जाएगी। दो पेपर रखे गए हैं और गलत उत्तर देने पर नेगेटिव मार्किंग भी लागू रहेगी।

आयोग ने उम्मीदवारों को परीक्षा से जुड़े दिशा-निर्देशों का पालन करने की सलाह दी है। अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र पर निर्धारित समय से कम से कम एक घंटा पहले पहुंचना होगा। देर से आने वाले उम्मीदवारों को प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

सुरक्षा मानकों में कमियां पाए जाने पर तीन पटाखा फैक्ट्रियां हुई सील, इंदौर प्रशासन का एक्शन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देवास जिले में पटाखा फैक्ट्री में हुई दुर्घटना तथा वर्तमान में पड़ रही भीषण गर्मी को देखते हुए कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देश पर सभी एसडीएम ने अपने-अपने क्षेत्र में संचालित पटाखा गोदामों की जांच की।

इसके अलावा एसिड अथवा अग्नि से संबंधित इकाइयों वाली संवेदनशील फैक्ट्रियों की भी जांच की जा रही है। जिला प्रशासन के अमले द्वारा शुक्रवार को निरीक्षण के दौरान सुरक्षा में कमियां पाए जाने पर तीन पटाखा फैक्ट्रियों को सील किया गया।

खजुरिया में फैक्ट्री सील, संचालकों को कड़े निर्देश- हातोद तहसील के ग्राम खजुरिया स्थित पटाखा फैक्ट्री में सुरक्षा मानकों में कमी पाए जाने पर फैक्ट्री को सील किया गया है। इसके संचालक विनोद पिता रूपाजी हैं। धतुरिया एवं पंचडेरिया क्षेत्र में स्थित पटाखा संस्थानों में निरीक्षण के दौरान सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए आवश्यक सुधार करवाए गए तथा सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित संचालकों को दिए।

बिचौली और राजधरा में प्रशासन की बड़ी कार्रवाई- बिचौली क्षेत्र में भी पटाखा फैक्ट्री और गोदामों की जांच की गई। जांच में ग्राम राजधरा स्थित शाना फायर वर्क्स (संचालक अकरम मंसूरी) एवं बाबा फायर वर्क्स (संचालक सलीम मंसूरी) की पटाखा फैक्ट्री को सील किया गया। भीषण गर्मी और संभावित खतरों को देखते हुए प्रशासन ने यह स्पष्ट किया है कि सुरक्षा मानकों में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

जान है तो जहान है... गीत के माध्यम से डीसीपी यातायात ने किया सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान के तहत इंदौर यातायात पुलिस द्वारा आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के लिए लगातार अभियान चलाए जा रहे हैं। पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर संतोष कुमार सिंह के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध/मुख्यालय) आर.के. सिंह के मार्गदर्शन में यह अभियान संचालित किया जा रहा है।

इसी क्रम में पुलिस उपायुक्त यातायात राजेश कुमार त्रिपाठी ने शुक्रवार को विजयनगर चौराहा पर यातायात व्यवस्था का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने यातायात संचालन, वाहन आवागमन एवं सड़क सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा ड्यूटी पर तैनात यातायात पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

इस दौरान डीसीपी यातायात श्री त्रिपाठी ने आमजन और वाहन चालकों को जागरूक करने के उद्देश्य से जान है तो जहान है, नियमों को मानो तो सम्मान है... जैसे सड़क सुरक्षा गीत प्रस्तुत किए। सड़क सुरक्षा को लेकर जागरूकता फैलाने का यह अनोखा प्रयास लोगों को काफी पसंद आया। वाहन चालकों और उपस्थित नागरिकों ने तालियां बजाकर इस पहल का स्वागत किया तथा यातायात नियमों का पालन करने का संकल्प भी लिया।

डीसीपी यातायात ने कहा कि सड़क सुरक्षा नियमों का पालन प्रत्येक व्यक्ति और उसके परिवार की सुरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है। हेलमेट एवं सीट बेल्ट का उपयोग, निर्धारित गति सीमा का पालन तथा यातायात संकेतों का सम्मान सड़क दुर्घटनाओं को कम करने का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने आमजन से बेहतर यातायात व्यवस्था और सड़क सुरक्षा अभियान में सहयोग करने की अपील की।

इस अवसर पर सहायक पुलिस आयुक्त जोन-2 लाल बहादुर सिंह बौद्ध, थाना प्रभारी यातायात अरविंद दांगी, यातायात पुलिस बल एवं ट्रैफिक प्रहरी की टीम मौजूद रही।

व्यापारी संगठनों के साथ महापौर का स्वच्छता संवाद, शहर विकास के लिए मिले अहम सुझाव

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वच्छता संवाद अभियान के अंतर्गत महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने शनिवार को शहर के विभिन्न व्यापारी संगठनों और व्यापारिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ विस्तृत संवाद किया। बैठक में व्यापारियों ने स्वच्छता, यातायात, जल संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण, बाजार क्षेत्रों के विकास एवं बुनियादी सुविधाओं को लेकर कई महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए। इस अवसर पर स्वच्छता प्रभारी एवं एमआईसी सदस्य अश्विनी शुक्ला तथा भाजपा नगर उपाध्यक्ष भारत पारख भी मौजूद रहे।

बैठक की शुरुआत पिछले साढ़े तीन वर्षों में नगर निगम द्वारा किए गए विकास कार्यों की वीडियो प्रस्तुति से हुई। संवाद में इंदौर पेट्रोल डीलर एसोसिएशन, सराफा बाजार एसोसिएशन, छप्पन दुकान एसोसिएशन, सियागंज व्यापारी एसोसिएशन, एमपी टिम्बर एसोसिएशन सहित कई प्रमुख व्यापारी संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए।

व्यापारियों ने शहर के समग्र विकास को लेकर कई रचनात्मक सुझाव रखे। इनमें सांवेर रोड औद्योगिक क्षेत्र से अतिक्रमण हटाने, पेयजल समस्या के समाधान, प्रदूषण नियंत्रण के लिए पीयूसी प्रमाणपत्र नवीनीकरण संदेश व्यवस्था, नए वाहन चालकों के लिए ट्रैफिक प्रशिक्षण कार्यक्रम, तालाबों के गहरीकरण एवं चौड़ीकरण, सार्वजनिक स्थानों पर अतिरिक्त डस्टबिन लगाने तथा बाजार क्षेत्रों में सफाई और बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने जैसे सुझाव प्रमुख रहे।

बैठक में छोटा सराफा, मोरसली गली और शक्कर बाजार क्षेत्र में प्रस्तावित सड़क कार्य शीघ्र शुरू करने तथा अतिरिक्त सार्वजनिक शौचालय निर्माण की मांग भी उठाई गई। वहीं टिम्बर मार्केट में पानी की टंकी निर्माण के लिए व्यापारियों द्वारा भूमि उपलब्ध कराने की पेशकश की गई। व्यापारियों ने सब्जी मंडियों में फल और सब्जियों की गुणवत्ता जांच नियमित करने तथा निर्माण स्थलों पर परियोजना संबंधी जानकारी प्रदर्शित करने का सुझाव भी दिया।

महापौर श्री भार्गव ने कहा कि स्वच्छता संवाद के माध्यम से डॉक्टरों, सीए, वकीलों, शिक्षकों, विद्यार्थियों और विभिन्न सामाजिक वर्गों से चर्चा की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि व्यापारी वर्ग शहर के विकास के लिए व्यावहारिक और दूरदर्शी सुझाव देता है, जो नगर विकास योजनाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

स्वच्छ सर्वेक्षण तैयारियों का जायजा लेने देपालपुर पहुंचे आयुक्त क्षितिज सिंघल, शेष व्यवस्थाएं शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वच्छ शहर जोड़ी अभियान के अंतर्गत इंदौर नगर निगम द्वारा मेंटर सिटी के रूप में देपालपुर नगर परिषद को स्वच्छता एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन में लगातार तकनीकी सहयोग प्रदान किया जा रहा है। इसी क्रम में नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने देपालपुर नगर परिषद क्षेत्र का निरीक्षण कर आगामी स्वच्छ सर्वेक्षण की तैयारियों का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को शेष व्यवस्थाएं शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त प्रखर सिंह, मुख्य नगर पालिका अधिकारी देपालपुर, इंजीनियर नीरज गुप्ता, शेलेंद्र मिश्रा, सीटी/पीटी प्रभारी शिवम वर्मा एवं एनजीओ टीम के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

आयुक्त श्री सिंघल ने शहर के रेजिडेंशियल एवं कमर्शियल क्षेत्र, ट्रेंचिंग ग्राउंड, स्कूल, गार्डन, कम्युनिटी टॉयलेट, पब्लिक टॉयलेट, डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण वाहन, स्रोत पर कचरा पृथक्करण व्यवस्था, टूरिस्ट एरिया, आरआरआर सेंटर एवं जल स्रोतों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान स्वच्छ सर्वेक्षण प्रोटोकॉल के अनुरूप जिन व्यवस्थाओं को अभी पूर्ण किया जाना शेष है, उन्हें निर्धारित समय सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए गए।

आयुक्त ने कहा कि स्वच्छ शहर जोड़ी पहल के अंतर्गत देपालपुर में उल्लेखनीय सुधार दिखाई दे रहे हैं। नागरिकों द्वारा कचरे के पृथक्करण, डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण, बाजार क्षेत्रों में स्वच्छता और आरआरआर गतिविधियों में सकारात्मक सहभागिता देखने को मिली है।

देश की अनोखी नीमच हर्बल मंडी- फूल, कांटे, पत्ती, छिलके, बीज, छाल, जड़ सब के मिलते अच्छे दाम

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश के नीमच जिले की हर्बल मंडी प्रदेश के औषधीय फसलों के उत्पादक किसानों के लिए वरदान साबित हुई है। यह देश की एक मात्र मंडी है जहां कांटे, फूल, पत्ती, छिल्के, बीज, छाल, जड़ सब बिकते हैं। किसानों को विभिन्न औषधीय फसलों के 500 रूपये से लेकर 2 लाख रूपये प्रति क्विंटल तक भाव मिल जाते हैं। नीमच मंडी की प्रसिद्धि? देखते हुए गुजरात, कर्नाटक, राजस्थान, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ के किसान अपनी फसलें लेकर यहां आ रहे हैं।

अप्रैल माह तक मंडी की भरपूर आवक बनी रहती है जो मई के आखरी सप्ताह तक कम होने लगती है। किसानों को निराश नहीं होना पड़ता। हर प्रकार की जड़ी-बूटी बिक जाती है।

मुख्य मंडी प्रांगण में 16 शेड हैं। यह एक मात्र मंडी है जहां 40-50 प्रकार के औषधीय पौधों की खरीदी बोली लगाकर होती है। मसाला फसलों की खरीदी करने वाली देश की एक मात्र सबसे बड़ी मंडी है।

श्री नीलेश पाटीदार नीमच के बड़े काश्तकार हैं। उनकी 45 एकड जमीन है। परिवार में 12 सदस्य हैं। वे पिछले दो-तीन सालों से मसाला फसलों की खेती कर रहे हैं। वे बताते हैं कि इसबगोल, इरानी अकरकारा, चिरायता, आजवाइन, किनोवा, चियासीड, तुलसी बीज जैसी फसलों के बहुत अच्छे दाम मिल जाते हैं। लहसून के भी अच्छे दाम मिलते हैं। नीलेश को इस बात की प्रसन्नता है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव औषधीय फसलों के उत्पादन के लिये प्रोत्साहित कर रहे हैं। वे कहते हैं कि सरकार जड़ी-बूटी की खेती के तौर-तरीकों के संबंध में अच्छी ट्रेनिंग दिलवायेगी तो अच्छे परिणाम मिलेंगे। फिलहाल सरकार की ओर से हर जरूरी सहूलियतें मिल रही हैं। मदद सरकार की और मेहनत हमारी। जड़ी-बूटी उगाने वाले किसानों के लिये नीमच मंडी एक बड़ा सहारा है।

श्री प्रहलाद सिंह रतलाम जिले के आजमपुर डोडिया गांव में रहते हैं। उन्हें अश्वगंधा और अकरकारा बीज बेचने के अच्छे दाम मिले हें। मंडी में समय पर बोली लग जाती है और आसानी से फसल बिक जाती है। किसानों को जरा सी भी परेशानी नहीं होती। मंडी के सब लोगों का व्यवहार बहुत अच्छा है। सरकार ने हमारे जैसे छोटे और मझौले किसानों के लिए मंडी में अच्छी व्यवस्थाएं करा दी हैं।

श्री पंचम सिंह भी इसी गांव के किसान है और आजवाइन, अश्वगंधा लेकर आते हैं। उन्हें तत्काल भुगतान हो जाता है। मंडी की व्यवस्थाएं बहुत अच्छी हो गई हैं। वे बताते हैं कि अब मंडी की प्रसिद्धि? दूर-दूर तक फैल गई है। गुजरात, कर्नाटक, राजस्थान, महाराष्ट्र , उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ के किसान लंबी दूर तय कर यहां माल जाते हैं। अच्छी तुलाई और अच्छे दाम और तत्काल भुगतान के कारण सब यहां आना पसंद करते हैं। इसबगोल, अश्वगंधा, कलौंजी, सतावारी, सफ़ेद मूसली, केसर, सर्पगंधा, अकलकारा जड, जैसी फसलों के दाम ज्यादा है और मांग भी हमेशा बनी रहती है।

मंडी की विशेषताओं की चर्चा करते हुए मंडी सचिव श्री उमेश बसेडिया शर्मा बताते हैं कि समय पर नीलामी, गुणवत्तापूर्ण तुलाई और भुगतान की व्यवस्था किसानों के लिए वरदान साबित हुई है। किसानों के हित में निरंतर सुविधाएं बढाई जा रही हैं। वित्तीय प्रबंधन निरंतर सुधरा है। वर्ष 2024-25 में 64.16 लाख क्विंटल और 2025-26 में 72.40 क्विंटल आवक हुई थी। वे बताते हैं कि मंडी ने किसानों के हित की सभी व्यवस्थाओं को चुस्त-दुरूस्त कर दिया है। राष्ट्रीय पादप बोर्ड ने साढे पांच करोड़ रूपये का अनुदान भी मंडी की अधोसंरचनात्मक गतिविधियों के लिये उपलब्ध कराया है। इलेक्ट्रानिक नाप-तौल और सीधे व्यापारियों के गोडाउन में पहुंचाने की व्यवस्था की गई है। यह मंडी प्रांगण 10.9 हेक्टेयर में फैला है। करीब 1100 लाइसेंसधारी व्यापारी इससे जुडे हैं और 150 से ज्यादा तुलावटी उपलब्ध रहते हैं।

औषधीय फसलों के उत्पादन में देश में आगे मप्र- मध्यप्रदेश औषधीय फसलों के उत्पादन में देश का अग्रणी राज्य है। प्रदेश में 46 हजार 837 हैक्टेयर क्षेत्र में औषधीय फसलों ईसबगोल, सफेद मूसली, कोलियस व अन्य फसलों की खेती की जा रही है। वर्ष 2024-25 में प्रदेश में लगभग सवा लाख मीट्रिक टन औषधीय फसलों का उत्पादन हुआ है। देश और विदेश में औषधीय फसलों की बढ़ती मांग से किसान इन फसलों की ओर आकर्षित हुए हैं।

देश में औषधीय फसलों का 44 प्रतिशत हिस्सा मध्यप्रदेश में उत्पादित होता है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर औषधीय पौधों की खेती को बढ़ावा देने के साथ किसानों को अनुदान और अन्य सहूलियतें दी जा रही है। औषधीय पौधों की खेती से किसानों की आय बढ़ाने और रोजगार के अवसर पैदा करने के प्रयास किए जा रहे हैं। राज्य सरकार किसानों को औषधीय पौधों की खेती के लिए 20 प्रतिशत से 50 प्रतिशत तक का अनुदान देती है। औषधीय पौधों की खेती और संग्रह से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर पैदा हो रहे हैं। प्रदेश में प्रमुख रूप से अश्वगंधा, सफेद मूसली, गिलोय, तुलसी और कोलियस जैसी कई औषधीय फसलों का उत्पादन होता है।

नीमच शहर के बीच से गुजरने वाला निर्माणाधीन फोर लाइन सड़क बनी मौत और दुर्घटनाओं का गलियारा

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नीमच निर्माणाधीन फोरलाइन को ठेकेदार ने दुर्घटनाओं का क्षेत्र बना कर रखदिया ! और जिम्मेंदार मूक दर्शक बनकर कर बैठे हैं ! डाक्टर जाजू ने कहा कि विगत वर्षों से नीमच शहर के मध्य से गुजरने वाले मार्ग का फोर लाइन सड़क मार्ग का निर्माण कार्य चल रहा है ! डाक्टर जाजू ने फोर लाइन सड़क बनने स्वागत किया है साथ में कहा कि यह दुर्भाग्य पूर्ण है कि सड़क का निर्माण नियम और फोरलाइन सड़क निर्माण के माप दंड के अनुसार और समय सीमा नहीं हो पा रहा है , जिसके परिणाम स्वरूप विगत लंबे समय से यह सड़क दुर्घटनाओ का स्थल बन गई है ! डाक्टर जाजू ने कहा कि इस निर्माणाधीन फोरलाइन पर विगत एक वर्ष में कई मौते हो चुकी है और सैकड़ो दुर्घटनाये हो गई है कई दुर्घटना से पीड़ित विकलांग बन गए !अभी भी नित्यप्रतिदिन हादसे / दुर्घटनाएं निरंतर हो रही है।

डाक्टर जाजू ने कहा कि स्थानीय प्रशासन और जिम्मेदार जनप्रतिनिधियो पर यह कहावत सटीक बैठती है रोम जल रहा था और नीरो मस्त होकर बांसुरी बजा रहा था।

स्थानीय प्रशासन और जनप्रतिनिधियों द्वारा कोई ऐसी ठोस कार्यवाही नहीं की गई जिससे दुर्घटना पर अंकुश लगे ठेकेदार निरंकुश होकर मनमाने तरीके से सड़क निर्माण का कार्य कर रहा है ! डाक्टर जाजू का आरोप है कि प्रशासन और जनप्रतिनिधि केवल दिखावटी निरीक्षण कर समाचार पत्रों और मीडिया में समाचार प्रकाशित करवा कर अपना तथाकथित कर्तव्य और दायित्व निर्वहन करते हैं।

सड़क स्वीकृत करवाने के श्रेय के साफ़े बँधवाने वाले लोग अब कुंभकर्णी नींद में है और सड़क हादसे निरंतर हो रहे है।

डाक्टर जाजू ने कहा कि सड़क निर्माण की गुणवत्ता पर भी प्रश्न लग रहे है! उम्मीद है प्रशासन और जिम्मेदार लोग त्वरित ठोस कार्यवाही कर जनता को राहत दिलवायेंगे।

वॉलमार्ट सीईओ ने दिल्ली में आयोजित ग्रोथ समिट में मंदसौर के आनंद के कार्य को सराहा

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मंदसौर के युवा इंजीनियर आनंद कश्यप ने अपनी मेहनत से जिले का नाम पूरे देश में रोशन किया है। हाल ही में दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित 'वॉलमार्ट ग्रोथ समिट 2026' में उन्हें विशेष तौर पर आमंत्रित किया गया। पूरे भारत से चुने गए 6 उद्यमियों में आनंद मध्य प्रदेश और सेंट्रल इंडिया के इकलौते प्रतिनिधि थे। उनकी सफलता को देखते हुए वॉलमार्ट के ग्लोबल सीईओ जॉन फर्नर ने उनसे मुलाकात की, उनके काम को सराहा और भविष्य के लिए बधाई दी।

आनंद कश्यप एक मध्यमवर्गीय परिवार से हैं और उनके पिता मंदसौर के मशहूर एडवोकेट श्री कृष्णनारायण कश्यप हैं। आनंद ने इंदौर के जीएसआईटीएस गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज से सिविल इंजीनियरिंग की और 12 साल तक बड़ी कंपनियों में 30 लाख के पैकेज पर नौकरी की। लेकिन उनका मन हमेशा आयुर्वेद और शुद्ध देसी खाद्य वस्तुओं से आमजन को जोड़ने में था। अपनी जड़ों से जुड़ने के लिए उन्होंने लाखों की नौकरी छोड़ दी और मंदसौर आकर 'ऑर्गेनिक आनंद' नाम से स्टार्टअप शुरू किया। अपनी माँ के हाथों बने अचार के स्वाद और पत्नी के सहयोग से शुरू हुआ यह सफर आज एक बड़े ब्रांड का रूप ले चुका है। आनंद ने ऑनलाइन ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के जरिए अपने शुद्ध और बिना केमिकल वाले उत्पादों को घर-घर पहुँचाया। आज उनकी सफलता ने यह साबित कर दिया है कि अगर लगन सच्ची हो, तो छोटे शहर से निकलकर भी ग्लोबल पहचान बनाई जा सकती है। आनन्द की इस उपलब्धि पर स्नेहीजनों, इष्ट मित्रों ने हर्ष व्यक्त किया है।

अवैध पटाखों से भरे 18 कार्टून जब्त, आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नाहरगढ़ थाना पुलिस ने अवैध रूप से पटाखों का भंडारण करने के मामले में कार्रवाई करते हुए एक आरोपी के कब्जे से 18 कार्टून पटाखे जब्त किए हैं। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ विस्फोटक अधिनियम एवं बीएनएस की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार थाना नाहरगढ़ में पदस्थ उपनिरीक्षक भानुप्रतापसिंह राजावत को मुखबिर से सूचना मिली कि अंबिका गार्डन के पीछे स्थित बालकृष्ण उर्फ बालू गुप्ता के गोदाम में अवैध रूप से पटाखे रखे हुए हैं। सूचना पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। गोदाम बालकृष्ण उर्फ बालू पिता कचरमल गुप्ता उम्र 48 वर्ष निवासी नाहरगढ़ का था। आरोपी ने गोदाम में पटाखे रखे होना स्वीकार किया।

इसके बाद गोदाम का ताला खुलवाया गया, जहां से अवैध पटाखों से भरे 18 कार्टून बरामद हुए। पटाखों के संबंध में परमिट एवं लाइसेंस पूछने पर आरोपी कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका।

इस पर पुलिस ने विस्फोटक अधिनियम 1884 की धारा 9 बी (1) (बी) एवं धारा 288 बीएनएस के तहत कार्रवाई करते हुए पटाखों को विधिवत जब्त किया । जब्त माल को थाना लाकर मालखाने में जमा कराया है।

बेटे ने CBSE में किया टॉप तो परिवार पहुंचा सांवलिया सेठ के दरबार, 5 पन्नों की चांदी की किताब चढ़ाकर जताया आभार

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मेहनत, विश्वास और आस्था का एक अनोखा संगम शुक्रवार को सांवलियाजी मंदिर में देखने को मिला। बेटे के शानदार परीक्षा परिणाम के बाद एक व्यापारी परिवार भगवान सांवलिया सेठ के दरबार में विशेष भेंट लेकर पहुंचा। यहां परिवार ने मन्नत पूरी होने पर चांदी से बनी अनोखी किताब भगवान को अर्पित कर आभार व्यक्त किया।

राजस्थान के चितौड़गढ़ स्थित प्रतापनगर निवासी बर्तन व्यवसायी सुनील काबरा अपने बेटे चिन्मय काबरा, पत्नी डिंपल काबरा और बेटी चार्वी काबरा के साथ सांवलियाजी मंदिर पहुंचे। राजभोग आरती के दौरान परिवार ने भगवान सांवलिया सेठ को विशेष रूप से तैयार करवाई गई चांदी की किताब भेंट की। मंदिर में यह अनोखी भेंट श्रद्धालुओं के बीच आकर्षण का केंद्र बनी रही।

परिवार ने बताया कि बेटे चिन्मय के अच्छे परीक्षा परिणाम को लेकर उन्होंने सांवलिया सेठ से मन्नत मांगी थी। हाल ही में

घोषित परिणाम में चिन्मय ने 12वीं कॉमर्स परीक्षा में 97 प्रतिशत अंक हासिल करते हुए स्कूल में पहला स्थान प्राप्त किया। इतना ही नहीं, वह जिला टॉपर भी बना है। बेटे की इस सफलता से खुश परिवार ने अपनी मन्नत पूरी होने पर यह विशेष भेंट चढ़ाई।

सुनील काबरा ने बताया कि यह चांदी की किताब करीब 50 ग्राम चांदी से तैयार करवाई गई है, जिसमें कुल पांच पन्ने बनाए गए हैं। इसे गुजरात के अहमदाबाद में विशेष ऑर्डर देकर बनवाया गया। किताब के पहले पेज पर श्री सांवलिया सेठ की जय और 12th Pass अंकित है, जबकि दूसरे पेज पर भगवान सांवलिया सेठ की आकर्षक तस्वीर बनाई गई है। अन्य पन्नों पर भी भगवान की तस्वीरें और जयकारे अंकित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि बेटे के अच्छे अंक आने की उम्मीद पहले से थी, इसलिए करीब 15 से 20 दिन पहले ही किताब तैयार करवाने का ऑर्डर दे दिया गया था। हालांकि यह उम्मीद नहीं थी कि चिन्मय स्कूल और जिले में भी टॉप करेगा।

परिवार के अनुसार चिन्मय शुरू से ही पढ़ाई में मेधावी रहा है। उसने 10वीं बोर्ड परीक्षा में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया था। चिन्मय ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता, शिक्षकों और भगवान सांवलिया सेठ के आशीर्वाद को दिया। उसने बताया कि अब उसका लक्ष्य चार्टर्ड अकाउंटेंट बनना है और उसने इसकी तैयारी भी शुरू कर दी है।

मंदिर में चांदी की किताब चढ़ाने की यह अनोखी श्रद्धा और सफलता की कहानी अब क्षेत्रभर में चर्चा का विषय बनी हुई है।

गांव बादपुर की मिट्टी से निकली प्रेरणा की मिसाल, संघर्ष, शिक्षा और देशसेवा की गौरवगाथा

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के गांव बादपुर का नाम आज गर्व से लिया जा रहा है, क्योंकि इसी गांव के एक साधारण लेकिन असाधारण सोच रखने वाले मेहनतकश व्यक्तित्व रमेश चंद्र राठौर ने यह साबित कर दिया कि यदि इंसान के इरादे मजबूत हों तो गरीबी कभी भी सफलता की राह नहीं रोक सकती। गरीब परिवार से आने वाले रमेश चंद्र राठौर ने अपने जीवन में कठिन परिस्थितियों का सामना करते हुए लगातार मेहनत और संघर्ष के दम पर भारतीय सेना में स्थान प्राप्त किया।

उन्होंने अपनी सेवाओं के पूर्ण वर्षों तक देशसेवा करते हुए अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन किया उसके बाद रिटायरमेंट हुवे । लेकिन उनकी सोच केवल नौकरी तक सीमित नहीं रही, उन्होंने सेवा और शिक्षा दोनों को अपना उद्देश्य बनाया।

देशसेवा के बाद भी उन्होंने अपने प्रयासों को नहीं छोड़ा और शिक्षक बनकर समाज व नई पीढ़ी को शिक्षित करने का कार्य शुरू किया। यही नहीं, उन्होंने अपने पुत्र और पुत्री को भी कठिन परिस्थितियों के बावजूद उच्च शिक्षा दिलाई और संस्कारों के साथ आगे बढ़ाया। परिणामस्वरूप उनकी पुत्री आज शिक्षक के रूप में सेवाएं दे रही हैं और उनके पुत्र निखिल राठौर भी भारतीय सेना में चयनित होकर देशसेवा के मार्ग पर अग्रसर हो चुके हैं। यह केवल एक परिवार कीसफलता नहीं, बल्कि पूरे गांव बादपुर व मंदसौर जिले और समाज के लिए गर्व की बात है।

विधायक श्री परिहार एवं जि.प. अध्यक्ष श्री चौहान ने किया कृषि रथ को झंडी दिखाकर रवाना

जिले के तीनों विकास खंड के गांवों में दस दिन भ्रमण कर किसानों को उन्नत कृषि तकनीक की जानकारी देगा कृषि रथ

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार प्रदेश में 2026 को कृषि वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। वर्ष 2026 को कृषि वर्ष के रूप में मनाये जाने के उपलक्ष्य में किसानों को खरीफ फसलों की बुवाई पूर्व नवीन एवं वैज्ञानिक तकनीकी जानकारी उपलब्ध कराने हेतु 16 मई से 10 दिवसीय कृषि रथ का शुभारंभ किया गया।

जिला मुख्यालय नीमच से कृषि रथ को विधायक श्री दिलीप सिंह परिहार, जि.प.अध्यक्ष श्री सज्जन सिंह चौहान, जिला अध्यक्ष श्रीमती वंदना खंडेलवाल ,जि.पं. सदस्य श्रीमती मनीषा धाकड़ ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया । इस अवसर पर जि.प.सीईओं श्री अमन वैष्णव, एसडीएम श्री संजीव साहू कृषि एवं संबद्ध विभागों के अधिकारी-कर्मचारी एवं कृषक उपस्थित थे। इसके अतिरिक्त विकासखंड जावद मुख्यालय के अठाना में विधायक ओमप्रकाश सकलेचा, तथा विकासखंड मुख्यालय मनासा से विधायक प्रतिनिधि एवं अन्य जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में कृषि रथ को रवाना किया गया। कृषि रथ प्रतिदिन जिले के तीनों विकासखंड- नीमच, जावद एवं मनासा के 3 से 4 ग्राम पंचायतों का भ्रमण करेगा तथा किसानों को खरीफ फसलों की उन्नत उत्पादन तकनीक, मृदा स्वास्थ्य, बीज उपचार, जल संरक्षण, समन्वित कीट-रोग प्रबंधन एवं शासन की कृषक हितैषी योजनाओं की जानकारी देगा। कृषि रथ के साथ कृषि वैज्ञानिक, कृषि अभियांत्रिकी, पशुपालन, उद्यानिकी एवं मत्स्य पालन विभाग के विशेषज्ञ भी रहेंगे, जो कृषकों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याओं का समाधान करेंगे।

जिले में 10 दिन भ्रमण करेंगे कृषि रथ अतिथियों ने हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा हैं। किसानों तक कृषि एवं संबंधित विभाग पशुपालन, उद्यानिकी, मत्स्य पालन, एवं कृषि वैज्ञानिको के माध्यम से नई तकनीकी जानकारी और शासकीय योजनाओं को सीधे पहुँचाने के उद्देश्य से जिले में 16 मई से 10 दिवस तक कृषि रथ गांव-गांव भ्रमण कर किसानों को जानकारी देगे। कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह के मार्गदर्शन में विधायक रतलाम ग्रामीण श्री मथुरालाल डामर एवं जिला अध्यक्ष श्री प्रदीप उपाध्याय तथा उपस्थित जनप्रतिनिधियों के साथ आज 16 मई को कलेक्टर कार्यालय परिसर रतलाम से विकासखण्ड रतलाम के कृषि रथ को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। राज्य शासन के निर्देशानुसार कृषि रथ द्वारा रतलाम जिले के प्रत्येक विकासखंड मे प्रतिदिन 3 से 4 ग्राम पंचायतों में भ्रमण कर खरीफ फसलों की बुवाई से पहले किसानों को उपयोगी जानकारी दी जाएगी।

11 राज्यों में वारदात करने वाली अंतर्राज्यीय 'लच्छु गैंग' गिरफ्तार, 37 लाख का माल जब्त

मंदसौर जिले में डॉक्टर मिश्र सहित 11 चोरियों का पता चला, 3 दिन रिमाण्ड पर आरोपी

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नाहरगढ़ थाना पुलिस ने अलग-अलग राज्यों में चोरी और डकैती की वारदातों को अंजाम देने वाली अंतर्राज्यीय लच्छु गैंग के चार शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से करीब 37 लाख रुपए का मशरुका जब्त किया गया है। मंदसौर जिले में डॉ. विजयशंकर मिश्र के यहां हुई चोरी सहित 11 चोरियों का खुलासा हुआ है। यह जानकारी मंदसौर में आयोजित प्रेस वार्ता में एसपी विनोद मीणा ने दी। नाहरगढ़ थाना प्रभारी वरुण तिवारी को सूचना मिली थी कि पंजाब, दिल्ली, कर्नाटक, झारखंड, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, गुजरात, मध्यप्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, केरल और असम सहित कई राज्यों में चोरी की घटनाओं को अंजाम देने वाला गिरोह नाहरगढ़ क्षेत्र में सुनसान स्थान पर बैठकर वारदात की योजना बना रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने घेराबंदी कर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार यह गिरोह महज सात मिनट में मकानों की ग्रील काटकर चोरी और डकैती की वारदात को अंजाम देने में माहिर है। थाना नाहरगढ़ में आरोपियों के खिलाफ धारा 313 बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की गई है। पूछताछ में आरोपियों ने असम, बिहार, गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, पंजाब, राजस्थान के साथ ही मध्यप्रदेश के इंदौर, बडवानी, खंडवा, देवास, कटनी, भोपाल, ग्वालियर, रतलाम व रायसेन सहित कई स्थानों पर वारदात करना स्वीकार किया है। आरोपियों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें 19 मई तक पुलिस रिमाण्ड पर सौंपने के आदेश दिए है।

आरोपियों का आपराधिक रिकार्ड- गिरफ्तार आरोपियों में रंजजीतगढ, थाना बोरी, जिला अलीराजपुर निवासी गणेश उर्फ गणपत (28) पिता दिलीप वसुनिया के खिलाफ मध्प्रदेश के जोबट, बड़वा, झारखंड के बोकारो, महुतंड एवं हरियाणा के पानीपत, बरवाला हिसार में चोरी, लूट आदि गंभीर धाराओं के 9 मामले दर्ज है। वहीं रंजीतगढ के दूसरे आरोपी कैलाश उर्फ बिशन (50) पिता दितीया वसुनिया भील के खिलाफ मध्यप्रदेश के बडवा खरगोन, ढिकरी बडवानी, पानसेमल बडवानी व तेजाजी नगर इंदौर के थाना क्षेत्र में 5 मामले मामले दर्ज है। तीसरे आरोपी नरवाली (धार) निवासी छोटू (27) पिता रेवसिंह वसुनिया के खिलाफ झारखंड के गोमिया व महुतंड में 2 मामले दर्ज है। चौथे आरोपी भिलवंती (धार) निवासी दिनेश उर्फ महेश (23) पिता लक्ष्मण अनारे के खिलाफ मध्यप्रदेश के जोबट, रिंगनोद रतलाम व धमरपुरी धार क्षेत्र में 5 मामले दर्ज है।

वारदात में प्रयुक्त वाहन कटर सहित 25 लाख के आभूषण जब्त- पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब 25 लाख रुपए के सोने-चांदी के आभूषण, 12 लाख रुपए कीमत की एक फोर व्हीलर, मास्क, ग्लब्स, इलेक्ट्रॉनिक कटर, कटर और पेचकस बरामद किए हैं। इनसे अन्य वारदातों को लेकर भी पूछताछ जारी है।

गैंग को पकड़ने में सफलता हासिल करने वाले नाहरगढ़ टीआई वरुण तिवारी से सवाल जवाब-

सवाल - अंतर्राज्यीय लच्छु गैंग का मुख्य सरगना कौन है और क्या अन्य सदस्य अभी फरार हैं ?

जवाब - लच्छु गैंग का सरगना लक्ष्छु ही है, जो टांडा का निवासी है, इसमें गैंग अलग-अलग ऑपरेट होती है, उसमें एक गैंग का हिस्सा पुलिस पकड़ में आया है।

सवाल - आरोपियों ने जिन राज्यों में वारदातें करना स्वीकार की है ? क्या संबंधित राज्यों की पुलिस से संपर्क किया गया है ?

जवाब - जिन भी राज्यों में वारदात हुई है, संबंधित थाना पुलिस को सूचित कर दिया है।

सवाल - गैंग सात मिनट में ग्रील काटकर चोरी करता था, तो यह किस तकनीक या उपकरण का इस्तेमाल करते थे ?

जवाब - इसमें आरोपी इलेक्ट्रीक कटर का इस्तेमाल करते थे, इसमें आरोपियों को ज्यादा देर नही लगती।

सवाल- जब्त किए गए सोने-चांदी के आभूषण किन वारदातों से जुड़े हैं ? उनकी पहचान हो चुकी है ?

जवाब - जब्त आभूषण चोरी की पहचान हो गई है, जिनके भी आभूषण है, उन्हें अब सूचित करेंगें।

सवाल - बरामद फोर व्हीलर वाहन चोरी का है या गैंग द्वारा उपयोग किया जा रहा निजी वाहन था ?

जवाब - आरोपी खुद का निजी वाहन ही वारदात में उपयोग करते थे।

सवाल - गिरोह द्वारा डकैती काम करने का तरीका क्या था ?

जवाब - एसा कोई तय नही है, जिस घर में आदमी रहते है, वहां भी एकमत होकर डकैती करते है।

सवाल - पुलिस आरोपियों को कोर्ट में पेश कर रिमांड लेगी ?

जवाब - आरोपियों को पेश कर दिया है, 19 तक रिमाण्ड मिला है, अन्य वारदातों पर भी पूछताछ जारी है।

सवाल - गैंग के पास हथियार भी मिले हैं या केवल चोरी के उपकरण बरामद हुए हैं ?

जवाब - केवल उपकरण व आभूषण ही मिले है, हथियार नही मिले।

सवाल - इसमें आगे कौन-कौन सी धाराएं जोड़ी जा सकती है ?

जवाब - विवेचना के बाद डकैती की धाराएं बढ़ेगी।

सवाल - जिले में इस गिरोह से जुड़ी अन्य लंबित चोरी की घटनाओं का खुलासा होने की संभावना है ?

जवाब - मंदसौर में डॉक्टर विजयशंकर मिश्र के यहां हुई चोरी सहित 11 चोरियों का खुलासा हुआ है।

स्वदेशी जागरण मंच की बैठक में जिला विचार वर्ग की तैयारियों पर चर्चा, 31 मई को मंदसौर में जुटेगा कार्यकर्ताओं का समूह, वरिष्ठजनों का होगा बौद्धिक

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वदेशी जागरण मंच मंदसौर की महत्वपूर्ण बैठक में आगामी गतिविधियों और संगठनात्मक विस्तार को लेकर गहन विचार-विमर्श किया गया, जिसमें सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आगामी जिला विचार वर्ग का भव्य आयोजन 31 मई को संघ कार्यालय ''समर्पण'' हाफिज कॉलोनी मंदसौर में किया जाएगा। बैठक में इस एक दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग की विस्तृत रूपरेखा तैयार की गई, जिसके अंतर्गत जिले भर से आने वाले कार्यकर्ताओं को वरिष्ठ मार्गदर्शकों का पाथेय और बौद्धिक मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

इस दौरान विभाग संयोजक दिलीप व्यास ने स्वदेशी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वर्तमान समय में भारत को आर्थिक शक्ति बनाने के लिए स्वदेशी उत्पादों का अपनाना अनिवार्य है और कार्यकर्ताओं को इस विचार को घर-घर तक पहुँचाने का संकल्प लेना चाहिए। विभाग सह संयोजक अंकुश पालीवाल ने कार्यकर्ताओं के कौशल विकास पर जोर देते हुए बताया कि प्रशिक्षण वर्ग में स्वदेशी के क्रियान्वयन और उसकी वैचारिक स्पष्टता को लेकर विशेष सत्र आयोजित किए जाएंगे ताकि संगठन की नींव और मजबूत हो सके।

बैठक के दौरान जिला संयोजक दिलीप चौधरी ने तैयारियों की समीक्षा करते हुए कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियाँ सौंपी और कहा कि 31 मई का यह आयोजन स्वदेशी आंदोलन को जिले में नई ऊर्जा प्रदान करेगा, जहाँ कार्यकर्ताओं को वरिष्ठ नेतृत्व से प्रत्यक्ष रूप से सीखने का अवसर मिलेगा। जिला संपर्क प्रमुख डॉ. हेमंत नामदेव ने कहा कि समाज के विभिन्न वर्गों को इस विचारधारा से जोड़ने के लिए सघन जनसंपर्क अभियान चलाया जाएगा ताकि विचार वर्ग के उद्देश्यों को सार्थक किया जा सके। इस अवसर पर जिला वरिष्ठ प्रमुख वीरेंद्र आर्य, जिला विचार प्रमुख राजेश चौहान, तहसील संयोजक अभिजीत सिंह मंडलोई, तहसील सहसंयोजक जितेंद्र पाटीदार, तहसील वरिष्ठ आयाम प्रमुख संजय नीमा, युवा आयाम प्रमुख अभिजीत सिंह चौहान, नगर संयोजक कनिष्क शर्मा, भरत ओझा, सतीश बैरागी, कैलाश सांखला सहित मातृशक्ति से मेजर उषा कुमावत, रेखा जोशी एवं विजय लक्ष्मी सांखला उपस्थित थीं, जिन्होंने आगामी आयोजन को सफल बनाने हेतु अपनी सक्रिय सहभागिता का आश्वासन दिया।

सम्पादकीय

कभी-कभी संकट ही सबसे बड़ा शिक्षक होता है – फैमिली पूलिंग का उदय

हर्मुज जलडमरूमध्य में भड़कती भू-राजनीतिक आग जब पूरी दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला को हिला रही है और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें लगातार नई ऊंचाइयों को छू रही हैं, तब भारत के आम घरों के भीतर एक गहरा सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन जन्म ले रहा है। पेट्रोल और डीजल के दाम ?100 के पार पहुंचकर अब केवल आर्थिक बोझ नहीं रह गए, बल्कि यह जीवनशैली और सोच पर सीधा प्रश्नचिह्न बन चुके हैं। इसी बदलते दौर में एक सशक्त विचार उभरता है–कारपूलिंग से आगे अब फैमिली पूलिंग का युग शुरू हो चुका है। यह केवल ईंधन बचत का साधन नहीं, बल्कि रिश्तों की मजबूती, साझा जिम्मेदारी और राष्ट्रभावना का नया संगठित स्वरूप बनकर सामने आ रहा है।

राष्ट्रीय ऊर्जा खपत की दिशा बदलने वाली इस सोच के पीछे एक सशक्त नेतृत्वकारी दृष्टि काम कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हैदराबाद की जनसभा में सात सूत्री संदेश के जरिए ईंधन के संयमित उपयोग, सार्वजनिक परिवहन, मेट्रो, इलेक्ट्रिक वाहनों, वर्क फ्रॉम होम और कारपूलिंग को अपनाने का स्पष्ट आह्वान किया। उन्होंने अपने काफिले को छोटा कर व्यक्तिगत उदाहरण प्रस्तुत किया, जिससे यह संदेश और अधिक प्रभावी बन गया। अमित शाह, योगी आदित्यनाथ और मोहन यादव जैसे नेताओं ने भी इस पहल को आगे बढ़ाया, लेकिन वास्तविक बदलाव तब दिखाई दिया जब आम परिवारों ने इसे फैमिली पूलिंग के रूप में अपने जीवन में अपनाया।

घरों की यात्रा व्यवस्था में आया यह परिवर्तन अब बड़े आर्थिक प्रभावों की दिशा दिखा रहा है। पेट्रोल के दाम 98 से 106 प्रति लीटर तक पहुंचने से मध्यमवर्गीय परिवारों के बजट पर दबाव बढ़ा, और इसी से फैमिली पूलिंग की सोच मजबूत हुई। अब घर के सदस्य अलग-अलग वाहनों की जगह एक ही वाहन में ऑफिस, स्कूल, ट्यूशन और बाजार की यात्राएं कर रहे हैं। इससे ईंधन की खपत घट रही है और विदेशी मुद्रा की बचत भी बढ़ रही है। अनुमान है कि केवल 10 प्रतिशत ईंधन बचत भी देश के लिए हजारों करोड़ रुपये का अतिरिक्त लाभ उत्पन्न कर सकती है, जिसे शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे के विकास में उपयोग किया जा सकता है।

यात्रा के स्वरूप में आया यह बदलाव अब केवल सुविधा नहीं, बल्कि गहरे भावनात्मक जुड़ाव का माध्यम बन गया है। सुबह की यात्रा अब दूरी तय करने का साधन नहीं रही, बल्कि एक जीवंत पारिवारिक संवाद-स्थल बन गई है। बच्चों की स्कूल की बातें, माता-पिता के ऑफिस अनुभव और बुजुर्गों की जीवन-सीख एक साथ सहजता से साझा होने लगी हैं। पहले जहां अकेले ड्राइविंग का तनाव और थकान होती थी, अब उसकी जगह बातचीत, मुस्कान और आत्मीय अपनापन ने ले ली है। 'हम साथ हैं' अब केवल विचार नहीं, बल्कि रोजमर्रा की सच्चाई बन चुका है, जिसने पारिवारिक रिश्तों को और अधिक गहराई दी है।

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में यह बदलाव अब सकारात्मक परिणाम के रूप में सामने आ रहा है। सड़कों पर वाहनों की संख्या घटने से कार्बन उत्सर्जन कम हुआ है, ट्रैफिक जाम में सुधार हुआ है और वायु गुणवत्ता में भी स्पष्ट सुधार देखने को मिल रहा है। दिल्ली-एनसीआर जैसे प्रदूषित क्षेत्रों में यह एक प्रभावी समाधान के रूप में उभरा है। कम वाहन, कम प्रदूषण और अधिक स्वच्छ हवा का यह संतुलन भारत को सतत विकास की दिशा में आगे बढ़ा रहा है, जहां व्यक्तिगत सुविधा और सामूहिक जिम्मेदारी साथ-साथ चल रही हैं।

व्यावहारिक स्तर पर यह मॉडल कुछ चुनौतियां भी सामने लाता है, जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। परिवार के सदस्यों की अलग-अलग समय-सारणी को एक साथ संतुलित करना आसान नहीं होता। सुबह की जल्दबाजी, स्कूल-ऑफिस समय का तालमेल और छोटे मतभेद शुरुआती बाधाएं बनते हैं। लेकिन धीरे-धीरे इनका समाधान तकनीक और आपसी सहयोग से निकल रहा है। परिवार अब व्हाट्सएप ग्रुप, शेड्यूलिंग ऐप्स और समन्वय से समय को व्यवस्थित कर रहे हैं। कई महिलाओं ने इसे स्वतंत्रता में बाधा नहीं, बल्कि सामूहिक सशक्तिकरण के अवसर के रूप में अपनाया है, जिससे पारिवारिक सहयोग मजबूत हुआ है।

इस बदलती प्रवृत्ति का असर अब अर्थव्यवस्था के विभिन्न स्तरों पर स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। कैब सेवाओं की मांग में बदलाव आया है, जबकि ई-रिक्शा, साइकिल और स्थानीय परिवहन की लोकप्रियता तेजी से बढ़ी है। कंपनियां भी फ्लेक्सिबल टाइमिंग और वर्क फ्रॉम होम को अधिक प्रोत्साहित कर रही हैं। दीर्घकाल में यह रुझान परिवारों को इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर आकर्षित कर रहा है, जहां कई परिवार मिलकर एक ईवी खरीदने की योजना बना रहे हैं। यह परिवर्तन न केवल तेल पर निर्भरता को कम कर रहा है, बल्कि आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक मजबूत और निर्णायक कदम भी साबित हो रहा है।

तेल की धार बिगड़ती, वैश्विक अर्थव्यवस्था की रफ्तार

विश्व अर्थव्यवस्था की धमनियों में यदि किसी तत्व को रक्त की उपमा दी जाए तो वह निस्संदेह तेल है। विश्व के सभी देशों में भारत सहित पेट्रोलियम पदार्थों के दाम बढ़ा दिए गए हैं इनमें सबसे कम भारत में ही पेट्रोलियम पदार्थों के रेट बढ़ाए गए हैं। यह थोड़ी राहत की बात हो सकती है परंतु भारत की जैसी अर्थव्यवस्था पर निश्चित तौर पर यह बढ़े हुए पेट्रोलियम पदार्थों के दाम आम जनता पर भारी पड़ सकते हैं। भारत में आवश्यक वस्तुओं के दाम बढ़ने का प्रभाव आम जनता पर हमेशा उनकी जेब पर भारी कटौती किए जाने का अंदेशा रहता है। भारत एक विकासशील देश है और यहां की अर्थव्यवस्था बहुत ही संवेदनशील एवं परिवर्तनशील है भारत की जनसंख्या वैश्विक देश में अग्रणी मानी जाती है देश में यदि थोड़े से भी आवश्यक वस्तुओं के दाम बढ़ते हैं तो इस पर देश की अर्थव्यवस्था पर भारी परिवर्तन परिलक्षित होता है। पेट्रोलियम पदार्थ केवल वाहनों का ईंधन भर नहीं हैं, बल्कि आधुनिक औद्योगिक सभ्यता की गति, उत्पादन, परिवहन, ऊर्जा और व्यापार की आधारशिला हैं। जब तेल की कीमतों में असंतुलित वृद्धि होती है तो उसका प्रभाव केवल पेट्रोल पंप तक सीमित नहीं रहता, बल्कि खेतों की मिट्टी से लेकर कारखानों की मशीनों और आम आदमी की रसोई तक महसूस किया जाता है। आज वैश्विक स्तर पर बढ़ती पेट्रोल-डीजल कीमतों ने भारत सहित अनेक देशों की आर्थिक संरचना को झकझोर कर रख दिया है।

रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया में तनाव, ओपेक देशों की उत्पादन नीतियां तथा वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान ने कच्चे तेल की कीमतों को अस्थिर बना दिया। एक समय जो कच्चा तेल 60 से 70 डॉलर प्रति बैरल के बीच उपलब्ध था, वह कई अवसरों पर 100 डॉलर से ऊपर पहुंच गया। इसका सीधा प्रभाव उन देशों पर पड़ा जो अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए आयात पर निर्भर हैं। भारत अपनी कुल पेट्रोलियम आवश्यकता का लगभग 85 प्रतिशत आयात करता है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल महंगा होने का अर्थ है–देश के आयात बिल में भारी वृद्धि, विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव और व्यापार घाटे का विस्तार।

भारत में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में वृद्धि ने परिवहन लागत को तेजी से बढ़ाया। ट्रकों के भाड़े बढ़े तो फल, सब्जी, अनाज, दूध और दैनिक उपयोग की वस्तुएं महंगी हो गईं। किसान के लिए डीजल केवल वाहन चलाने का साधन नहीं, बल्कि सिंचाई और कृषि उपकरणों की शक्ति है। डीजल महंगा होने का अर्थ है खेती की लागत बढ़ना। इसका परिणाम यह हुआ कि उत्पादन महंगा हुआ और महंगाई की दर लगातार ऊपर जाने लगी। आम नागरिक की आय स्थिर रही लेकिन खर्चों में वृद्धि होती गई। मध्यम वर्ग और निम्न वर्ग के लिए घरेलू बजट संतुलित करना कठिन हो गया।

प्रसिद्ध अर्थशास्त्री रघुराम राजन ने एक बार कहा था कि ऊर्जा की बढ़ती कीमतें विकासशील देशों के लिए दोहरी चुनौती हैं–एक ओर महंगाई बढ़ती है और दूसरी ओर विकास की गति धीमी पड़ती है।

वास्तव में यही स्थिति आज अनेक देशों में दिखाई देती है। बढ़ती ईंधन कीमतों के कारण उद्योगों की उत्पादन लागत बढ़ गई। छोटे और मध्यम उद्योग, जो पहले ही वैश्विक प्रतिस्पर्धा और मंदी से जूझ रहे थे, अब ऊर्जा लागत के दबाव में कमजोर पड़ने लगे हैं।।विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष जैसी संस्थाओं ने भी चेतावनी दी है कि ऊर्जा संकट वैश्विक आर्थिक मंदी को और गहरा कर सकता है। जब परिवहन और उत्पादन महंगा होता है तो वस्तुओं की कीमतें बढ़ती हैं। उपभोक्ता कम खरीदारी करते हैं, बाजार की मांग घटती है और उद्योगों का विस्तार रुकने लगता है। यही कारण है कि कई देशों में आर्थिक विकास दर अनुमान से कम रही। यूरोप में गैस और तेल संकट ने ऊर्जा आधारित उद्योगों को प्रभावित किया, जबकि एशियाई देशों में आयात लागत ने आर्थिक संतुलन बिगाड़ा।

अमेरिकी उद्योगपति हेनरी फोर्ड ने कहा था कि यदि उत्पादन और परिवहन महंगे हो जाएं तो बाजार की आत्मा कमजोर पड़ जाती है। आज यह कथन बिल्कुल सटीक प्रतीत होता है। पेट्रोल-डीजल की कीमतें केवल व्यक्तिगत वाहन उपयोग को प्रभावित नहीं करतीं, बल्कि रेल, विमानन, शिपिंग और सार्वजनिक परिवहन की लागत को भी बढ़ाती हैं। विमान कंपनियों ने किराए बढ़ाए, मालवाहक कंपनियों ने अतिरिक्त शुल्क लगाए और इसका भार अंततः उपभोक्ता पर पड़ा।

भारत सरकार ने समय-समय पर उत्पाद शुल्क में कटौती और राज्यों द्वारा वैट कम करने जैसे कदम उठाए, लेकिन अंतरराष्ट्रीय बाजार की अस्थिरता ने राहत को सीमित रखा। दूसरी ओर सरकारों के सामने भी चुनौती थी क्योंकि ईंधन पर मिलने वाला कर राजस्व विकास योजनाओं और आधारभूत संरचना निर्माण का महत्वपूर्ण स्रोत है। यदि कर घटाए जाते हैं तो सरकारी आय प्रभावित होती है, और यदि कीमतें बढ़ती हैं तो जनता पर बोझ पड़ता है। यह एक जटिल आर्थिक संतुलन बन गया है। ऊर्जा संकट ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि केवल पारंपरिक ईंधन पर निर्भरता भविष्य के लिए सुरक्षित नहीं है। इसलिए विश्व अब वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों की ओर तेजी से बढ़ रहा है। भारत ने सौर ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन और इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने की दिशा में कई योजनाएं शुरू की हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कई मंचों पर ऊर्जा आत्मनिर्भरता को भारत के भविष्य की आवश्यकता बताया है। उनका मानना है कि यदि भारत को आर्थिक रूप से मजबूत बनाना है तो ऊर्जा के क्षेत्र में आयात निर्भरता कम करनी होगी।

हालांकि केवल नीतियां बना देने से समस्या समाप्त नहीं होगी। आवश्यक है कि सार्वजनिक परिवहन को मजबूत किया जाए, ऊर्जा संरक्षण को जनआंदोलन बनाया जाए और वैकल्पिक ऊर्जा तकनीकों को सस्ता व सुलभ बनाया जाए। साथ ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी तेल उत्पादक और उपभोक्ता देशों के बीच संतुलित संवाद आवश्यक है, ताकि बाजार में कृत्रिम अस्थिरता कम हो सके। अंततः यह कहा जा सकता है कि तेल की बढ़ती धार ने वैश्विक अर्थव्यवस्था की रफ्तार को धीमा कर दिया है। महंगाई, उत्पादन लागत, बेरोजगारी, व्यापार घाटा और आर्थिक असंतुलन जैसी समस्याएं इसी ऊर्जा संकट की परछाई बनकर उभरी हैं। यदि विश्व को स्थिर और संतुलित आर्थिक विकास की ओर बढ़ना है तो ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों, संतुलित नीतियों और वैश्विक सहयोग को प्राथमिकता देनी होगी। अन्यथा पेट्रोल-डीजल की यह बढ़ती आग केवल इंजन ही नहीं, अर्थव्यवस्था की पूरी संरचना को धीरे-धीरे झुलसाती रहेगी।

-संजीव ठाकुर

जजों की कमी और बदहाल इंफ्रास्ट्रक्चर से जूझ रही न्यायिक प्रणाली

भारत की अदालतों में बहुत बड़ी संख्या में लंबित मामले देश की न्यायिक प्रणाली की एक सर्वविदित कमजोरी है। लंबित मामलों की संख्या लगभग 5.5 करोड़ है। इस समस्या का मुख्य कारण अदालतों में कर्मचारियों की भारी कमी बताया जाता है। मुख्य रूप से न्यायाधीशों की, साथ ही स्टेनोग्राफर और क्लर्क जैसे अधीनस्थ कर्मचारियों की भी भारी कमी है।

वर्ष 2026 की स्थिति के अनुसार भारत में प्रति दस लाख लोगों पर केवल 22 न्यायाधीश हैं, जबकि विधि आयोग ने 1987 में ही 50 न्यायाधीशों की सिफारिश की थी। न्यायिक दक्षता में बाधा डालने वाले एक अन्य कारक को अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है, वह है बुनियादी ढांचा। देश भर में इसकी आवश्यकताओं का आकलन करने के लिए न्यायिक अवसंरचना सलाहकार समिति गठित करने का भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत का कदम सराहनीय है।

समिति न्याय प्रदान करने की प्रणाली को उन्नत करने के लिए सरकार से लगभग 40,000 करोड़ से 50,000 करोड़ रुपये का बजट अलग से आवंटन कराने की दिशा में काम करेगी।

यह पहली बार नहीं है जब किसी मुख्य न्यायाधीश ने इस समस्या को स्वीकार किया है। वर्ष 2016 में एक न्यायाधीश ने न्यायपालिका को प्रभावित करने वाली रिक्तियों और बुनियादी ढांचे की कमी को गिनाते हुए सार्वजनिक रूप से भावुक होकर अपनी भावनाएं व्यक्त की थीं। एक अन्य ने निचली अदालतों में सुविधाएं विकसित करने के लिए एक राष्ट्रीय न्यायिक अवसंरचना निगम की स्थापना का सुझाव दिया।

सिफारिश देने वाली किसी भी समिति के लिए काम आसान नहीं होगा। सरसरी तौर पर देखने से ही गंभीर भौतिक और डिजिटल कमियां सामने आती हैं, खासकर निचली अदालतों में, जहां मामलों का 85 फीसदी लंबित है। ई-कोर्ट को बढ़ावा देने के प्रयासों के बावजूद, आधी से भी कम निचली अदालतों में स्टूडियो-आधारित वीडियो-कॉन्फ्रेंसिंग की सुविधा है, और एक तिहाई से भी कम अदालतें न्यायाधीशों को आसन पर कंप्यूटर उपलब्ध करा पाती हैं।

कई अदालती भवनों में साफ शौचालय, पीने का पानी, आरामदायक प्रतीक्षा क्षेत्र या डिजिटल सूचना प्रणाली जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। उच्च स्तर पर भी स्थिति कुछ खास बेहतर नहीं है। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय की एक सुनवाई में, न्यायाधीशों ने पंचाटों के न्यायाधीशों को दी जाने वाली आवास और परिवहन सुविधाओं की कमी पर टिप्पणी की। विडंबना यह है कि पंचाट, जो न्यायिक प्रक्रिया को गति देने के लिए स्थापित संस्थाएं हैं, वे भी हर तरह की कमियों से जूझ रहे हैं। इनमें से कई अस्थायी या साझा कार्यालयों से काम करते हैं। उदाहरण के लिए, राष्ट्रीय कंपनी विधि पंचाट और उसका समकक्ष अपील निकाय, दोनों मध्य दिल्ली के एक सरकारी परिसर में तंग, अस्थायी परिसर से काम चला रहे हैं।

-सुनील कुमार महला

दिल टूटने से पहले दिल जोड़ने का नाम है सास-बहू का रिश्ता

घर में सुख-शांति का सबसे बड़ा आधार सास-बहू का रिश्ता होता है। समय बदलने के साथ इस रिश्ते का स्वरूप भी बदल गया है। संयुक्त परिवारों में यह जिम्मेदारियों से चलता था, जबकि आज न्यूक्लियर फैमिली में भावनात्मक समझ इसकी सबसे बड़ी ताकत बन गई है। व्यस्त दिनचर्या, काम का दबाव और पीढ़ियों की अलग सोच ने इस रिश्ते को अधिक संवेदनशील बना दिया है। अब जरूरत एक-दूसरे को गलत साबित करने की नहीं, बल्कि मैं और तुम से आगे बढ़कर हम की भावना अपनाने की है। मनोविज्ञान भी मानता है कि साझेदारी की सोच रिश्तों में तनाव घटाती और अपनापन बढ़ाती है। इसलिए आज यह रिश्ता अधिकार से नहीं, सहयोग और समझदारी से मजबूत होता है। रिश्तों में दूरी सोच के फर्क से नहीं, अपनी सोच को अंतिम सच मानने से पैदा होती है। सास अनुभव को सबसे बड़ा ज्ञान मानती हैं, जबकि बहू बदलते समय के साथ नए तरीकों को जरूरी समझती है। यही टकराव धीरे-धीरे अपनापन कम कर देता है। सच यह है कि हर पीढ़ी अपनी परिस्थितियों से सोच बनाती है। संघर्षों में जीने वाली सास अनुशासन और बचत को महत्व देंगी, जबकि स्वतंत्र माहौल में पली बहू आत्मनिर्भरता को प्राथमिकता देगी। जब दोनों यह समझ लेती हैं कि सामने वाला गलत नहीं, बल्कि अलग अनुभवों का परिणाम है, तभी रिश्ते में कठोरता की जगह संवेदनशीलता आती है। हम की भावना वहीं जन्म लेती है, जहां व्यक्ति अपने नजरिए से आगे बढ़कर दूसरे की परिस्थितियों को समझने लगता है।

बदलते समय ने सास-बहू के रिश्ते की परिभाषा भी बदल दी है। अब सास केवल घर चलाने वाली मुखिया नहीं, बल्कि समझदार मार्गदर्शक की भूमिका में हैं, और बहू केवल जिम्मेदारियां निभाने वाली नहीं, बल्कि फैसलों की सहभागी भी है। ऐसे में आलोचना नहीं, सहयोग रिश्ते को मजबूत बनाता है। कामकाजी बहू जब घर और करियर के दबाव से जूझती है, तब सास का संवेदनशील सहयोग उसे घर से जोड़ता है। वहीं बहू का भी दायित्व है कि वह सास के अनुभवों को पुरानी सोच कहकर नजरअंदाज न करे। सच्चा सम्मान शब्दों से नहीं, व्यवहार से दिखाई देता है। छोटी-छोटी बातों में राय और महत्व देने से रिश्तों में विश्वास बना रहता है। आखिर अपनापन अधिकार से नहीं, आपसी सम्मान से जन्म लेता है।

किसी भी रिश्ते की असली गहराई बड़े शब्दों से नहीं, बल्कि रोज के छोटे व्यवहारों से बनती है। सास-बहू के बीच भी अपनापन तब बढ़ता है, जब बातचीत में शिकायत नहीं, संवेदनशीलता हो। दिन में कुछ मिनट केवल सहज संवाद करना मन की दूरियां कम करता है। एक-दूसरे से सीखने की आदत–सास का नई सोच अपनाना और बहू का अनुभवों को सम्मान देना–रिश्ते में बराबरी और विश्वास लाती है। बिना आलोचना साथ समय बिताना तनाव घटाता है, जबकि स्पष्ट सीमाएं रिश्तों को उलझने से बचाती हैं। सबसे सुंदर बात यह है कि जो घर छोटी-छोटी खुशियां साथ जीना सीख लेते हैं, वहां रिश्तों में अपनापन धीरे-धीरे गहरा और स्थायी बन जाता है।

रिश्तों में दूरी अक्सर हालात नहीं, शब्द पैदा करते हैं। भाषा केवल बातचीत नहीं, बल्कि सोच और व्यवहार भी तय करती है। तुम कभी नहीं समझोगी जैसे वाक्य मन में कड़वाहट भरते हैं, जबकि हम इसे साथ कैसे संभालें अपनापन और भरोसा बढ़ाता है। यही वजह है कि मेरे नियम, तुम्हारा तरीका और मेरा बेटा जैसे शब्द रिश्तों में अनजानी दीवारें खड़ी कर देते हैं। इसके विपरीत हमारा घर, हमारी जिम्मेदारी और हमारा फैसला साझेदारी की भावना मजबूत करते हैं। सास को बहू में केवल रिश्ता नहीं, भरोसेमंद साथी देखना होगा, और बहू को सास में केवल पुरानी सोच नहीं, बल्कि अनुभव की मजबूत नींव। रिश्ते तभी सुंदर बनते हैं, जब लोग अधिकार से ज्यादा एक-दूसरे की भावनाएं समझने लगते हैं।

आज तकनीक केवल सुविधा का साधन नहीं, रिश्तों को करीब लाने का पुल बन चुकी है। जो दूरी कभी पीढ़ियों के बीच संवाद की कमी से बढ़ती थी, वही अब छोटे डिजिटल जुड़ाव से घट सकती है। साथ में ऑनलाइन शॉपिंग, पसंदीदा गीतों या भजनों की साझा प्लेलिस्ट, घर के फैसलों पर फैमिली ग्रुप में बातचीत या वीकेंड वीडियो कॉल–ये छोटे प्रयास रिश्तों में अपनापन बढ़ाते हैं। जरूरी यह है कि सास बहू की स्वतंत्रता को चुनौती न मानें और बहू सास की परंपराओं को बोझ नहीं, परिवार की विरासत समझे। जब परंपरा और आधुनिकता साथ चलती हैं, तभी घर में संतुलन और सुकून बना रहता है। बच्चे भी वही सीखते हैं, जो घर के रिश्तों में देखते हैं।

सास-बहू के रिश्ते में सबसे बड़ी दूरी अक्सर अपेक्षाएं पैदा करती हैं। सास चाहती हैं कि बहू हर परंपरा पुराने ढंग से निभाए, जबकि बहू उम्मीद करती है कि सास पूरी तरह आधुनिक सोच अपना लें। दोनों ही बातें व्यावहारिक नहीं हैं। रिश्ते जिद से नहीं, संतुलन और समायोजन से चलते हैं। सास नियंत्रण छोड़ दें और बहू जिम्मेदारी समझ ले, तो कई तनाव अपने-आप खत्म होने लगते हैं। कई बार समस्या व्यवहार में नहीं, बल्कि थकान और अनकहे तनाव में छिपी होती है। इसलिए हर बात को अपमान मान लेना रिश्तों को कमजोर करता है। रिश्ते तर्क से कम, धैर्य, संवेदनशीलता और समझ से ज्यादा संभलते हैं। जो परिवार यह समझ लेते हैं, वहां मतभेद भी अपनापन कम नहीं करते, बल्कि समझ को और गहरा बना देते हैं।

सास-बहू का रिश्ता जीत-हार का नहीं, दो पीढ़ियों को जोड़ने का रिश्ता है। मतभेद हर घर में होते हैं, लेकिन रिश्ते तब कमजोर पड़ते हैं जब अपनापन कम होने लगता है। इसलिए संबंधों की असली मजबूती बड़े त्याग में नहीं, बल्कि रोज के छोटे व्यवहारों में छिपी होती है–बिना कहे साथ देना, थकान समझना और छोटी खुशियां मिलकर जीना। हम की भावना कोई शब्द नहीं, बल्कि रोज निभाई जाने वाली आदत है। नए दौर में पुराने रिश्तों को बचाने का रास्ता परंपराएं छोड़ना नहीं, बल्कि उन्हें संवेदनशीलता और नई समझ के साथ जीना है। जिस घर में सास और बहू मैं और तुम से आगे बढ़कर हम बन जाती हैं, वहां घर केवल मकान नहीं, सच्चा परिवार बन जाता है।

-कृति आरके जैन

सायरन का परीक्षण तो हो गया, लेकिन देश में आपातकालीन संचार का बुनियादी ढांचा अब भी अधूरा

पिछले पखवाड़े लाखों मोबाइल फोन पर आपदा प्रबंधन घंटी (सायरन) के परीक्षण से कम से कम 15 वर्ष पहले ही देश में आपातकालीन संचार सेवाओं पर संबंधित पक्षों के साथ औपचारिक परामर्श शुरू हो चुका था। नवंबर, 2011 में भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने 'आपात स्थितियों के दौरान मोबाइल नेटवर्क में प्राथमिकता आधारित कॉल रूटिंग' पर एक पूर्व-परामर्श पत्र जारी किया था। इसकी वजह 13 जुलाई, 2011 को मुंबई में हुए बम धमाके थे जिन्होंने भारत की वित्तीय राजधानी को हिलाकर रख दिया था। इस संकट के कारण शहर का मोबाइल तंत्र (नेटवर्क) पूरी तरह व्यस्त हो गया था जिसे देखते हुए दूरसंचार नियामक ने इस विषय पर परामर्श प्रक्रिया शुरू की।

इस कदम का मकसद आपात स्थितियों के दौरान राहत और बचाव कार्य में लगे कर्मियों के लिए मोबाइल नेटवर्क पर दबाव या भीड़-भाड़ कम करना और साथ ही आधुनिक दूरसंचार अवसंरचना का महत्त्व उजागर करना था। इस रिपोर्ट में जुलाई 2006 में मुंबई उप-नगरीय ट्रेन बम विस्फोटों के साथ-साथ सितंबर, 2001 में अमेरिका में हुए आतंकी हमलों, 2004 में थाईलैंड में आई सुनामी और 1994 के नॉर्थरिज भूकंप जैसी अंतरराष्ट्रीय आपदाओं का हवाला देते हुए मोबाइल तंत्र की व्यस्तता के समय मजबूत संचार प्रणालियों की आवश्यकता पर जोर दिया गया।

नियामक ने 2011 में कहा था, 'ऐसा देखा गया है कि बड़ी आपदाओं के समय मोबाइल तंत्र पर दबाव अत्यधिक बढ़ जाता है क्योंकि लोग एक दूसरे का हाल-चाल या संबंधित घटना की जानकारी लेना शुरू कर देते हैं। इससे मोबाइल तंत्र पूरी तरह व्यस्त और अत्यधिक दबाव में आ जाता है।'

सरकार के आपदा प्रबंधन उपाय के रूप में नवीनतम मोबाइल सायरन प्रयोग को मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया के मद्देनजर इस ऐतिहासिक संदर्भ को याद करना अहम हो जाता है। सेल ब्रॉडकास्ट तकनीक का उपयोग करते हुए मोबाइल आधारित आपदा चेतावनी प्रणाली को सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ टेलीमैटिक्स (सी-डॉट) ने राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के साथ मिलकर विकसित किया है।

वर्ष 2011 में आपातकालीन संचार के क्षेत्र में अपनी यात्रा शुरू करने के बाद से ट्राई ने आपदा प्रबंधन से संबंधित कई परामर्श पत्र जारी किए हैं जिनमें आखिरी पत्र 2017 में प्रकाशित हुआ था।

ट्राई के वर्ष 2017 के परामर्श पत्र में इस तर्क पर जोर दिया गया था कि बचाव अभियान को रोका या विलंबित नहीं किया जा सकता भले ही प्रतिक्रिया देने वाली एजेंसियां आपस में संवाद करने में असमर्थ हों। दिसंबर, 2004 में हिंद महासागर में उठी सुनामी का हवाला देते हुए नियामक ने कहा कि हालांकि, दुनिया भर के भूकंपीय निगरानी स्टेशनों ने उस सुनामी का कारण रहे भयावह समुद्री भूकंप का पता लगा लिया था, लेकिन आवश्यक प्रक्रियाओं की कमी और कई क्षेत्रों में अपर्याप्त बुनियादी ढांचे के कारण इन संदेशों के प्रसारण में देरी हुई।

लिहाजा यह स्पष्ट है कि बेहतर संचार से कई लोगों की जानें बचाई जा सकती हैं। यह देखते हुए कि कई बार कुछ सार्वजनिक सुरक्षा एजेंसियों के संचार नेटवर्क अन्य एजेंसियों के नेटवर्क के साथ परस्पर सुसंगत या सहक्रियाशील नहीं होते, ट्राई ने नौ साल पहले अपने परामर्श पत्र में अमेरिका का एक उदाहरण पेश दिया।

अमेरिका में पुलिस व्यवस्था, आपराधिक न्याय, सार्वजनिक सुरक्षा और आंतरिक सुरक्षा को सहारा देने के लिए सार्वजनिक सुरक्षा एजेंसियों ने सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकियां का ढांचा तैयार करने, इन्हें विकसित और तैनात करने के लिए मिल कर काम किया। इसका परिणाम यह हुआ कि आपदाओं के समय त्वरित कार्रवाई के लिए सार्वजनिक सुरक्षा और आपदा राहत (पीपीडीआर) संचार तंत्र (नेटवर्क) का निर्माण हुआ।

अमेरिका के पीपीडीआर मॉडल के आधार पर नियामक ने हितधारकों के परामर्श के लिए कई प्रश्न रखे जिनमें उस समय भारत में पीपीडीआर प्रणाली में खामियां, सार्वजनिक सुरक्षा और आपदा राहत के लिए विशेष रूप से पहचाने जा सकने वाले आवृत्ति बैंड और इसके लिए आवश्यक स्पेक्ट्रम आदि शामिल थे।

वर्ष 2017 के परामर्श पत्र के आधार पर दूरसंचार नियामक ने एक साल बाद सिफारिशें जारी कीं। पीपीडीआर नेटवर्क उस सिफारिश का आधार था। ट्राई ने अपनी प्रणाली में एक प्रमुख कमजोरी की ओर इशारा किया। इस पत्र में बताया गया है कि भारतीय पीपीडीआर एजेंसियां (जिनमें पुलिस, अग्निशमन विभाग, आपातकालीन चिकित्सा पेशेवर, अर्धसैनिक बल और कई अन्य शामिल हैं) ध्वनि संचार में इस्तेमाल होने वाले संकीर्ण (नैरो)-बैंड या पुराने एनालॉग सिस्टम पर निर्भर रहती हैं।

पीपीडीआर संचार तंत्र स्वतंत्र सरकारी एजेंसियों द्वारा संचालित होते हैं और दूरसंचार विभाग द्वारा कैप्टिव मोबाइल रेडियो ट्रंकिंग सेवा श्रेणी के तहत लाइसेंस जारी किए जाते हैं। इस श्रेणी के लिए स्पेक्ट्रम का आवंटन डीओटी के वायरलेस प्लानिंग ऐंड कोऑर्डिनेशन विंग द्वारा कुछ चुनिंदा बैंडों में किया जाता है। ट्राई का तर्क है कि इस ढांचे के परिणामस्वरूप स्पेक्ट्रम का खंडित आवंटन और प्रमुख सब-गीगाहर्ट्ज आवृत्तियों का ठीक से इस्तेमाल नहीं हो पाता है। नियामक द्वारा उठाया गया एक अन्य मुद्दा पीपीडीआर एजेंसियों का अलग-अलग काम करना था।

हितधारकों, मुख्य रूप से गृह मंत्रालय और एनडीएमए (पीपीडीआर संचार के प्रमुख उपयोगकर्ता) के साथ बैठकों के बाद ट्राई ने अपने सुझावों को अंतिम रूप दिया।

शीर्ष सुझावों में एक एकीकृत ब्रॉडबैंड पीपीडीआर संचार तंत्र की स्थापना, नेटवर्क संचालन के लिए गृह मंत्रालय के अधीन एक विशेष प्रयोजन इकाई (एसपीवी) का गठन, डीओटी द्वारा मौजूदा एनालॉग नेटवर्क को चरणबद्ध तरीके से बंद करने के लिए एक समय सीमा और सेवा लागू करने से पहले सरकारी दूरसंचार कंपनियों बीएसएनएल और एमटीएनएल के माध्यम से अखिल भारतीय पायलट प्रोजेक्ट शामिल थे।

स्पेक्ट्रम के संबंध में (जो राष्ट्रव्यापी ब्रॉडबैंड पीपीडीआर नेटवर्क के सुचारु संचालन को सुनिश्चित करेगा) नियामक ने ब्रॉडबैंड पीपीडीआर के भविष्य के विकास के लिए 440-470 मेगाहर्ट्ज आवृत्ति रेंज (मुख्यतः 450-470 मेगाहर्ट्ज) में 20 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम सहित कई आवृत्तियों पर समर्पित बैंड की सिफारिश की है।

मगर आठ साल बाद भी इस पर ज्यादातर काम अधूरा है और इसके बीच लाखों भारतीयों को पिछले पखवाड़े देश की आपदा प्रबंधन रणनीति की झलक मिली। हालांकि, दूरसंचार नियामक पिछले 15 वर्षों से आपदा प्रबंधन के विषय पर औपचारिक रूप से काम कर रहा है मगर एनडीएमए के सहयोग से सी-डॉट द्वारा विकसित सेल ब्रॉडकास्ट सिस्टम का ट्राई के दस्तावेजों में कोई उल्लेख नहीं है।

-धनंजय राजौरा

वैश्वीकरण, भारतीय आध्यात्म और सहजयोग

आज का युग वैश्वीकरण का युग है। विज्ञान, तकनीक, इंटरनेट और संचार माध्यमों ने पूरी दुनिया को एक-दूसरे के निकट ला दिया है। मनुष्य भौतिक रूप से तो आगे बढ़ रहा है, परंतु मानसिक तनाव, असुरक्षा, अशांति और भ्रामकता भी बढ़ती जा रही है। ऐसे समय में भारतीय आध्यात्म और विशेष रूप से सहजयोग मानव जीवन को संतुलन और आंतरिक शांति प्रदान करने का महत्वपूर्ण माध्यम बनकर उभरा है।

भारतीय आध्यात्म का मूल उद्देश्य आत्मज्ञान, आत्मशुद्धि और मानवता की एकता है। वसुधैव कुटुम्बकम की भावना भार

देवास में नकली कीटनाशक का बड़ा भंडाफोड़, ब्रांडेड कंपनियों के नाम पर चल रही थी अवैध पैकिंग

कृषि विभाग और पुलिस की संयुक्त दबिश में हजारों नकली पैकेट, मशीन और जिप्सम पाउडर जब्त

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में किसानों के साथ धोखाधड़ी कर ब्रांडेड कंपनियों के नाम पर नकली कीटनाशक दवाइयों की अवैध पैकिंग करने वाले गिरोह पर कृषि विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए भंडाफोड़ किया। उप संचालक कृषि गोपेश पाठक ने बताया कि कीटनाशक गुणवत्ता नियंत्रण दल ने नाहर दरवाजा थाना क्षेत्र के लक्ष्मी बाई मार्ग स्थित एक मकान पर दबिश देकर भारी मात्रा में नकली कीटनाशक सामग्री बरामद की।

कृषि विभाग को सूचना मिली थी कि कुछ लोग नामी कंपनियों जैसे Bayer AG और Indofil Industries Limited के खाली पैकेटों में जिप्सम पाउडर भरकर अवैध रूप से पैकिंग कर रहे हैं। सूचना के आधार पर वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी राहुल कुमार जायसवाल, लोकेश गंगराड़े, दिनेश परमार एवं टीम ने पुलिस बल के साथ मकान नंबर-26, लक्ष्मी बाई मार्ग पर संयुक्त कार्रवाई की।

कार्रवाई के दौरान मौके से भारी मात्रा में नकली कीटनाशक और पैकिंग सामग्री जब्त की गई, जिसमें बायर नेटिवो के 2300 भरे हुए और 3000 खाली पैकेट, इंडोफिल मोटिव के 1000 भरे हुए और 3000 खाली पैकेट, बायर जम्प इंसेक्टिसाइड के करीब 7000 पैकेट, पांच बैग जिप्सम पाउडर तथा सीलिंग एवं पैकिंग मशीन शामिल है।

मौके से रुकसार पति आमिर खान तथा जुबेदा बी पति मंजूर हुसैन को पकड़ा गया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि अभिषेक नामक व्यक्ति उन्हें सामग्री और मशीन उपलब्ध कराता था।

पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता, कीटनाशक अधिनियम 1968, व्यापार चिन्ह अधिनियम 1999 तथा कॉपीराइट अधिनियम 1957 की विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया है। कृषि विभाग ने स्पष्ट किया है कि किसानों के हितों से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

एमजी रोड कायाकल्प को गतिः नगर निगम आयुक्त दलीप कुमार ने नाला निर्माण कार्य का किया मैदानी निरीक्षण

रहवासियों-व्यवसायियों से किया सीधा संवाद, मानसून से पहले कार्य पूरा करने मांगा सहयोग

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के बहुप्रतीक्षित एमजी रोड कायाकल्प कार्य को गति देने के लिए नगर निगम आयुक्त दलीप कुमार गुरुवार को स्वयं मौके पर पहुंचे और चल रहे नाला निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। आयुक्त ने एमजी रोड पर पैदल भ्रमण कर दोनों ओर निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया तथा कार्य में आ रही बाधाओं और समस्याओं की मौके पर समीक्षा की।

निरीक्षण के दौरान आयुक्त दलीप कुमार ने क्षेत्र के रहवासियों और व्यवसायियों से सीधा संवाद कर निर्माण कार्य में आ रही व्यावहारिक समस्याओं पर चर्चा की तथा मानसून से पहले कार्य पूर्ण कराने में सहयोग की अपील की।

आयुक्त ने नाला निर्माण में बाधा बन रहे विभिन्न बिंदुओं पर भवन एवं संपत्ति स्वामियों से चर्चा कर समाधान भी निकाला। मौके पर मौजूद व्यवसायियों ने आयुक्त द्वारा स्वयं पहुंचकर संवाद करने की पहल की सराहना करते हुए पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

आयुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जिन भवन और संपत्ति स्वामियों को जारी सूचना पत्र के अनुसार निर्धारित समयावधि में अतिक्रमण अथवा निर्माण नहीं हटाया जाएगा, उनके विरुद्ध समय सीमा समाप्त होने के बाद नगर निगम द्वारा नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

टोंककला पटाखा फैक्ट्री हादसे पर बड़ी गाजः राजस्व, पुलिस और प्रशासनिक अफसरों पर एक साथ कार्रवाई

एसडीएम, नायब तहसीलदार, एसडीओपी और चौकी प्रभारी निलंबित, लापरवाही पर प्रशासन का सख्त प्रहार

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। टोंकखुर्द क्षेत्र के ग्राम टोंककला स्थित पटाखा फैक्ट्री में हुई भीषण आगजनी की घटना के बाद प्रशासन ने बड़ी और सख्त कार्रवाई करते हुए राजस्व तथा पुलिस विभाग के अधिकारियों पर गाज गिराई है।

संभाग आयुक्त आशीष सिंह ने कर्तव्य निर्वहन में गंभीर लापरवाही पाए जाने पर एसडीएम टोंकखुर्द संजीव सक्सेना तथा नायब तहसीलदार टप्पा चिड़ावद रवि शर्मा को मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। जांच में पाया गया कि विस्फोटक सामग्री के संबंध में शासन द्वारा निर्धारित मापदंडों के अनुरूप प्रशासनिक निरीक्षण में गंभीर लापरवाही बरती गई, जिसके चलते यह गंभीर हादसा सामने आया।

वहीं इस मामले में पुलिस विभाग में भी बड़ी कार्रवाई हुई है। पुलिस अधीक्षक पुनीत गहलोत ने सोनकच्छ एसडीओपी दीपा मांडवे को निलंबित कर दिया है। साथ ही टोंकखुर्द चौकी प्रभारी पर भी कार्रवाई करते हुए उन्हें निलंबित किया गया है। पटाखा फैक्ट्री हादसे के बाद प्रशासनिक और पुलिस महकमे में हड़कंप मचा हुआ है। शासन ने साफ संकेत दिए हैं कि जन सुरक्षा से जुड़े मामलों में किसी भी स्तर की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। हादसे के बाद जिम्मेदार अधिकारियों पर गिरी गाज, पूरे जिले में चर्चा का विषय बनी कार्रवाई।

पुलिस गिरफ्त में आए वारदात करने की नीयत से घूम रहे दो बदमाश

3 घंटे की मशक्कत के बाद चढ़े पुलिस के हत्थे

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कोतवाली पुलिस ने दो संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। हालांकि इनके दो साथी अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में सफल हो गए। इन लोगों को संदिग्ध हालत में घूमते हुए लोगों ने देखा और पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस ने 3 घंटे की मशक्कत के बाद दो आरोपियों को धर दबोचा।

द्वारकापुरी कालोनी के लोगों ने पुलिस को सूचना दी थी कि उन्होंने कुछ लोगों को घूमते देखा है। इस पर पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए वहां पहुंची और युवकों को ढूंढना शुरू किया। जैसे ही इन लोगों ने पुलिस को देखा ये लोग भागने लगे और कॉलेज की दीवार कूदकर परिसर के अंदर घुस गए। इसके बाद पुलिस ने चारों तरफ घेराबंदी कर दी और पुलिसकर्मी भी कॉलेज में पहुंच गए। लेकिन ये लोग छुप गए। पुलिस ने परिसर में लगातार तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान एक आरोपी कॉलेज परिसर में दीवार के पीछे छिपा मिला, जिसे तुरंत गिरफ्तार कर लिया गया। दूसरा आरोपी कालेज की छत पर करीब एक घंटे तक छिपा रहा। काफी खोजबीन और मशक्कत के बाद पुलिस ने उसे भी पकड़ लिया। हालांकि उनके दो साथी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। पकड़े गए आरोपियों की पहचान रवि पिता जवर सिंह (22) निवासी काकड़पुआ कुक्षी जिला धार तथा अविन पिता बहादुर सिंह (20) निवासी गडडरावद, कुक्षी जिला धार के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के पास से मिटाए गए चेचिस नंबर की दो बाइक बरामद की हैं, जिन्हें लालघाटी थाना क्षेत्र स्थित ब्यास नर्सिंग होम के पास से जब्त किया गया। आरोपियों के पास से गोफन और पत्थर जैसी सामग्री भी मिली है।

विधायक मुकेश टंडन ने कृषि रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

विदिशा/दैनिक मालवा हेराल्ड। कृषक कल्याण वर्ष 2026 के अंतर्गत किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, विभागीय योजनाओं तथा प्राकृतिक एवं उन्नत खेती के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से आज नई कलेक्ट्रेट भवन परिसर से कृषि रथ को स्थानीय विधायक श्री मुकेश टंडन द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

कार्यक्रम में प्रभारी कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर, उप संचालक किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग श्री के.एस. खपेड़िया, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला सहकारी केंद्रीय बैंक श्री विनय सिंह, सहायक संचालक कृषि श्री आर.जी. रजक सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं जिले के प्रगतिशील कृषक उपस्थित रहे।

इस अवसर पर विधायक श्री मुकेश टंडन ने कहा कि कृषि रथ के माध्यम से किसानों तक शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं, आधुनिक कृषि पद्धतियों, जैविक एवं प्राकृतिक खेती, फसल विविधीकरण, उन्नत बीज, सिंचाई प्रबंधन तथा कृषि यंत्रीकरण संबंधी जानकारियां पहुंचाई जाएंगी। उन्होंने कहा कि खेती को लाभकारी बनाने के लिए किसानों को नई तकनीकों से जोड़ना आवश्यक है।

प्रभारी कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर ने बताया कि कृषि रथ जिले के विभिन्न ग्रामों में भ्रमण कर किसानों को विभागीय योजनाओं की जानकारी देगा तथा कृषि विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन भी प्रदान किया जाएगा। उन्होंने किसानों से अधिक से अधिक संख्या में इस अभियान से जुड़कर लाभ लेने की अपील की।

कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने कृषि रथ में प्रदर्शित प्रचार सामग्री, तकनीकी जानकारी एवं जनजागरूकता संबंधी व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। कृषि रथ के माध्यम से किसानों को उन्नत कृषि तकनीकों के साथ-साथ प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण एवं टिकाऊ खेती के प्रति भी प्रेरित किया जाएगा।

अब गांव-गांव पहुंचेगा 'किसान रथ', आधुनिक खेती की हर तकनीक से रूबरू होंगे अन्नदाता

देवास में 10 दिवसीय अभियान शुरू, उन्नत खेती, प्राकृतिक कृषि और कृषि यंत्रीकरण की मिलेगी जानकारी

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के किसानों को आधुनिक, वैज्ञानिक और लाभकारी खेती से जोड़ने के लिए कृषि विभाग ने विशेष पहल करते हुए 'किसान रथ' अभियान की शुरुआत की है। मध्यप्रदेश शासन के किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा कृषक कल्याण वर्ष-2026 के अंतर्गत जिले के विभिन्न विकासखंडों में किसान रथ का 10 दिवसीय संचालन प्रारंभ किया गया है।

उप संचालक कृषि गोपेश पाठक ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य किसानों तक कृषि विभाग की योजनाओं, उन्नत खेती तकनीकों, फसल विविधीकरण, प्राकृतिक खेती, फसल सुरक्षा तथा कृषि यंत्रीकरण संबंधी नवीन और वैज्ञानिक जानकारी पहुंचाना है, ताकि किसान कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त कर सकें।

बागली से हुआ शुभारंभ, जनप्रतिनिधियों ने दिखाई हरी झंडी- विकासखंड बागली में आयोजित शुभारंभ कार्यक्रम में टिकेन प्रताप सिंह, गोबिंद सिंह यादव, स्थानीय जनप्रतिनिधि, कृषि विभाग के अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे। अतिथियों ने हरी झंडी दिखाकर किसान रथ को रवाना किया।

खेत-खलिहान तक पहुंचेगी नई तकनीक, किसानों को मिलेगा सीधा मार्गदर्शन- किसान रथ के माध्यम से किसानों को ई-विकास के जरिए उर्वरक वितरण व्यवस्था, खरीफ फसल हेतु बीज उपचार, मृदा परीक्षण, फसल विविधीकरण, प्राकृतिक खेती, फसल सुरक्षा, पराली प्रबंधन तथा कृषि अभियांत्रिकी के तहत खरीफ पूर्व खेतों के समतलीकरण जैसी महत्वपूर्ण जानकारियां दी जाएंगी।

यह किसान रथ निर्धारित रूट चार्ट के अनुसार जिले के प्रत्येक विकासखंड और ग्राम पंचायतों तक पहुंचेगा, जहां कृषकों से सीधा संवाद कर विभागीय योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा।

बेजुबानों पर भी भारी पड़ रही भीषण गर्मी

जंगलों से नगर पहुंच रहे वानर, नगरवासी कर रहे दाने-पानी की व्यवस्था

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगरवासी भीषण गर्मी की चपेट में है और तापमान 43 से 44 डिग्री पर पहुंच गया है, जिससे न दिन में सुकून है और न रात में चैन। केवल इंसान ही नहीं बल्कि बेजुबान जानवर भी इस गर्मी के प्रकोप से अछूते नहीं है। प्रतिदिन नगर में वानरों का आगमन इसी ओर इशारा कर रहा है कि जंगलों में पानी और खाना न मिलने से वे अब नगरवासियों पर निर्भर हैं। जिनका ख्याल भी कुछ लोगों द्वारा रखा जा रहा है।

जिले में लगातार बढ़ रही भीषण गर्मी का असर अब वन्य जीवों पर भी दिखाई देने लगा है। शनिवार को शहर का तापमान 43.7 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जिसके चलते बंदर पानी की तलाश में इधर-उधर भटकते नजर आए। शहर के विभिन्न क्षेत्रों में बंदरों को घरों, दुकानों और सार्वजनिक स्थानों के आसपास रखे पानी के बर्तनों से प्यास बुझाते देखा गया। तेज गर्मी और जल स्त्रोतों के सूखने के कारण ये वानर अब नगर में डेरा डालने लगे हैं। जिनके लिए मानवीय संवेदनशीलता दिखाते हुए बंदरों और अन्य पक्षियों के लिए भी कुछ लोग पानी की व्यवस्था कर रहे हैं। लोगों ने बताया कि गर्मी के इस मौसम में इंसानों के साथ-साथ बेजुबान जीवों को भी पानी की आवश्यकता होती है, इसलिए जगह-जगह पानी के बर्तन रखना जरूरी है। वन्य जीव प्रेमियों ने लोगों से अपील की है कि वे अपने घरों और मोहल्लों में पक्षियों एवं जानवरों के लिए पानी की व्यवस्था करें, ताकि भीषण गर्मी में उन्हें राहत मिल सके।

जनगणना में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 6 कर्मचारियों को नगर निगम आयुक्त दलीप कुमार ने किया सम्मानित

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जनगणना 2027 के तहत मकान सूचीकरण कार्य को निर्धारित समय से पहले पूर्ण कर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 6 शासकीय कर्मचारियों को नगर निगम आयुक्त दलीप कुमार ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। नगर निगम के बैठक हाल में आयोजित सम्मान समारोह में विनोद पाठक, प्रियंका शर्मा, अंजु सोलंकी, रमाशंकर सोनी, अंकित सिसोदिया और यास्मीन शेख को लक्ष्य अवधि से पहले कार्य पूर्ण करने पर सम्मानित करते हुए बधाई दी गई। इस अवसर पर आयुक्त दलीप कुमार ने कहा कि मकान सूचीकरण जनगणना का अत्यंत महत्वपूर्ण और जिम्मेदारीपूर्ण कार्य है, जिसे समय सीमा में पूरा करना अनिवार्य है। इन कर्मचारियों ने लगन, निष्ठा और समर्पण के साथ समय पूर्व कार्य पूर्ण कर विभाग का गौरव बढ़ाया है तथा अन्य कर्मचारियों के लिए प्रेरणा प्रस्तुत की है। उल्लेखनीय है कि नगर निगम सीमा क्षेत्र में जनगणना 2027 के अंतर्गत मकान सूचीकरण का कार्य शासकीय कर्मचारियों द्वारा घर-घर जाकर किया जा रहा है। प्रशासन द्वारा निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्य पूर्ण करने के लिए लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। सम्मान समारोह में निगम उपायुक्त देवबाला पिपलोनिया, जाकिर जाफरी तथा कुणाल दुबे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

शनिदेव को लगाया आस्था का भोग

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर में भगवान शनिदेव की जयंती धूमधाम से मनाई गई। सुबह से शाम तक नगर के हनुमान मंदिर व शनि मंदिरों में लोगों की भीड़ रही। जहां लोगों ने शनिदेव पर तेल अर्पित कर संकट से मुक्ति की कामना की।

नगर धानमंडी स्थित शनि मंदिर में भी आयोजन समिति द्वारा प्रभु का श्रृंगार कर उनका पूजन किया। इसके बाद नगरवासियों को ज्यूस का वितरण किया गया। बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसादी ग्रहण कर प्रभु का आशीर्वाद लिया। इसी प्रकार फूलखेड़ी हनुमान मंदिर स्थित शनि मंदिर, मुरादपुरा हनुमान मंदिर स्थित शनि मंदिर में भी सुबह से शाम तक नगरवासियों ने भगवान शनिदेव का आशीर्वाद लिया। वहीं शाम को भी मंदिरों में धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

उज्जैन रोड पर मिली ब्लॉस्ट करने वाली जिलेटिन की 6 पेटी

पुलिस ने पूरा इलाका कब्जे में लेकर शुरू की जांच

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मक्सी स्थित उज्जैन रोड पर उस समय अफरा-तफरी मच गई जब लोगों ने पुलिस को संदिग्ध विस्फोटक सामग्री से भरी 6 पेटियों की जानकारी दी। जब पुलिस मौके पर पहुंची तो उनके भी होश उड़ गए, क्योंकि उसमें खदान में ब्लॉस्ट के काम आने वाली जिलेटिन की रॉड भरी हुई थी। इसके बाद पुलिस ने पूरे इलाके को अपने कब्जे में लिया और जांच शुरू की। हालांकि अभी तक पुलिस किसी नतीजे पर नहीं पहुंची है। पुलिस द्वारा सीसीटीवी खंगाले जा रहे हैं ताकि पता लगाया जा सके कि यह सामग्री कब और कौन लेकर आया।

दरअसल शनिवार सुबह कुछ लोगों ने उज्जैन रोड स्थित रेलवे फाटक के पास पेक पेटियां देखी। लावारिस हालत में पड़ी पेटियों को देखकर लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। जिन्होंने विस्फोटक सामग्री को सुरक्षित कब्जे में लिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए आसपास के इलाके में सतर्कता बढ़ा दी गई है। मक्सी थाना प्रभारी संजय वर्मा ने बताया कि शुरुआती जांच में बरामद सामग्री जिलेटिन राड जैसी प्रतीत हो रही है। फिलहाल सभी पेटियों को सुरक्षित स्थान पर रखवाया गया है। सामग्री की जांच के लिए विशेषज्ञ टीम को बुलाया गया है, जो जांच के बाद रिपोर्ट देगी। उन्होंने बताया कि विस्फोटक सामग्री यहां कैसे पहुंची और किस उद्देश्य से रखी गई थी। इसके लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। साथ ही स्थानीय लोगों से भी पूछताछ की जा रही है।

यह हो सकता है मामला- पुलिस की माने तो कि रतलाम क्षेत्र में एक विस्फोटक भंडारण स्थल (मैगजीन) में सामग्री चोरी होने और ट्रक कटिंग की घटना हुई थी। उक्त पेटियां वहां की भी हो सकती हैं, लेकिन मक्सी पुलिस को अभी तक इस संबंध में कोई आधिकारिक सूचना प्राप्त नहीं हुई है। पुलिस के अनुसार शुरुआती तौर पर यह माना जा रहा है कि ट्रक कटिंग के दौरान कुछ माल चोरी हुआ हो सकता है। संबंधित पक्षों के आने और जांच रिपोर्ट मिलने के बाद ही पूरे मामले की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। फिलहाल पुलिस हर पहलू को ध्यान में रखते हुए मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

आज से हवेली में शुरू होंगे वर्ष भर के आयोजन

350 वर्ष प्राचीन श्री गोवर्धन नाथ मंदिर हवेली में आज से 15 जून तक रहेगी पर्वों की धूम

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नवंबर में दीपावली, मार्च में होली मनाई जाती है। लेकिन नगर की 350 वर्ष प्राचीन पुष्टीमार्गी वैष्णव संप्रदाय से संबंध श्री गोवर्धन नाथ मंदिर हवेली में 17 मई से 15 जून तक अधिक मास प्रारंभ होने जा रहा है। जहां इस अवधि में पूरे वर्ष के त्यौहार मनाए जाएंगे।

मंदिर के मुखिया निकुंज एवं योगेश मेहता ने बताया कि एक माह के पुरुषोत्तम मास के दौरान मंदिर हवेली को विशेष रूप से सजावट की जाएगी। मंदिर के विभिन्न उत्सवों के लिए मनोरथों के लिए विभिन्न समितियां गठित की जा चुकी है। इस दौरान एक माह में वैष्णवजन दान पुण्य, गीता पाठ, ठाकुर जी की भक्ति और ठाकुर जी के गीत मधुर भजनों में डूबे रहते हैं। इस एक माह में ठाकुर जी के विभिन्न मनोरथ और उत्सव शाजापुर और संपूर्ण भारतवर्ष की 12500 पुष्टिमार्ग हवेलियों में यह मनोरथ उत्सवों का आयोजन होता और भक्तजन ठाकुर जी के अलौकिक दर्शनों का लाभ लेते हैं। श्री मेहता ने बताया कि एक माह में विभिन्न मनोरथ होली, दीपावली, अन्नकूट 56 भोग, नंद महोत्सव काली घटा, पीली घाटा, इंद्र दमन, नौका विहार, फूल डाल, तुलसी विवाह, माखन लीला, माखन चोरी, पालना दर्शन, राजभोग दर्शन, फूल फाग, शरद महोत्सव, नीली घटा, रथ यात्रा, फूलों की बगीची, जलविहार, गुलबी घाट, चुनरी मनोरथ, वन विहार, स्नान यात्रा, फल, फूल हिंडोला, दान लीला आदि मनोरथ वैष्णव जनों द्वारा भक्ति भाव के साथ मनाए जाएंगे।

आज से मिलेगा भागवत कथा का प्रसाद- अधिक मास में श्री गोवर्धन नाथ मंदिर हवेली में रविवार से सात दिवसीय श्रीमद भागवत कथा का भी आयोजन किया जाएगा। जहां कथा व्यास पं. प्रकाश मनेरिया द्वारा प्रभु की लीलाओं से भक्तों का परिचय कराएंगे। श्री मेहता ने बताया कि 17 सक 23 मई तक प्रतिदिन कथा का आयोजन सायं 4 से 7 बजे तक किया जाएगा। उन्होंने नगरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में पधारकर धर्म का लाभ लेने का अनुरोध किया है।

नगरवासियों को बताया परिवार का महत्व

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी मप्र शासन राज्य आनंद संस्थान भोपाल द्वारा परिवार दिवस पर संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जहां उपस्थित नगरवासियों को परिवार का महत्व बताया गया।

राज्य आनंद संस्थान के मास्टर ट्रेनर प्रदीप कुमार जायसवाल ने बताया कि आज के समय में व्यक्ति दौड़ भाग की जीवनशैली में स्वयं के लिए समय नहीं निकाल रहा है जबकि हमारी संस्कृति वसुधैव कुटुम्बकम की है। पूरी दुनिया एक परिवार है। शहीद पार्क में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री जायसवाल ने कहा कि हमें स्वयं और घर के अतिरिक्त समाज को समय देकर सेवा के माध्यम से अपनी संस्कृति का गौरव बढ़ाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जल, जंगल और जमीन के साथ हमे स्वजनों की भी सेवा करना आवश्यक है। आज हम सभी का परिवार है किंतु हम केवल अपने परिवारों तक सीमित न रहे, बल्कि हमारे आस पास रहने वाले सभी लोगों के साथ भी परिवार का भाव बना रहे और समाज के लोगों के साथ पारिवारिकता का संबंध रहे। इसलिए इस प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। संवाद कार्यक्रम में उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए आनंदम सहयोगी मनोज कुमार जायसवाल ने संयुक्त परिवार और पड़ोसी, सहकर्मियों के साथ पारिवारिकता के लाभ पर अपने विचार सांझा किये। इस अवसर पर जन अभियान परिषद परामर्शदाता ऋतु पाराशर, प्राचार्य सूरज सिंह कुशवाह, आनंद क्लब के प्रतिनिधि जितेन्द्र विश्वकर्मा, कमलेश सिलोदिया आदि उपस्थित थे।

बदनावर में समय से आगे चलने वाली एक अनोखी कार्यप्रणाली

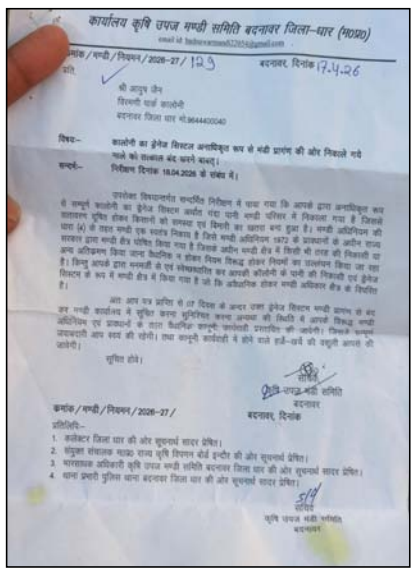

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आधुनिक विज्ञान और तकनीकी विकास के इस दौर में, अमूमन प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर कछुआ गति से चलने के आरोप लगते रहे हैं। लेकिन स्थानीय कृषि उपज मंडी समिति बदनावर ने मुस्तैदी की एक ऐसी नई और अनोखी मिसाल पेश की है, जिसने समय के चक्र को ही पीछे छोड़ दिया है। मंडी कार्यालय ने एक ऐसा चमत्कारी कारनामा कर दिखाया है, जिसे देखकर बड़े-बड़े ज्योतिषाचार्य और भविष्यवक्ता भी दांतों तले उंगली दबाने को मजबूर हैं।

मामला मंडी प्रशासन द्वारा विरमणी पार्क कॉलोनी निवासी आयुष्मान जैन को जारी किए गए एक शासकीय नोटिस से जुड़ा है। इस पत्र (क्रमांक/मण्डी/नियमन/2026-27/129) पर बकायदा तारीख अंकित है 17 अप्रैल 2026। यहाँ तक तो सब सामान्य था, परंतु असली कौतुक पत्र के संदर्भ वाले कॉलम को देखकर होता है। उसमें स्पष्ट शब्दों में लिखा गया है– ÷निरीक्षण दिनांक 18.04.2026 के संबंध में।÷ कल्पना कीजिए, जो निरीक्षण अभी कल होने वाला है, उसमें क्या कमियां पाई जाएंगी, उसकी रिपोर्ट क्या होगी और उस पर क्या कार्रवाई की जानी है, यह हमारे दूरदर्शी मंडी प्रशासन ने एक दिन पहले ही अति-आधुनिक दिव्य दृष्टि से भांप लिया और बकायदा सील-सिक्का लगाकर नोटिस भी तैयार कर दिया। इसे ही कहते हैं– काम कल का, पर तैयारी आज से भी पहले की!

प्रतीत होता है कि मंडी के जिम्मेदार अधिकारियों को दफ्तर में बैठे-बैठे ही यह आभास हो जाता है कि आगामी तारीखों में क्षेत्र में कहां और क्या विसंगति होने वाली है। अमूमन सरकारी फाइलें हफ्तों आगे नहीं सरकतीं, परंतु यहाँ प्रशासन समय से भी दो कदम आगे दौड़ रहा है। निरीक्षण की औपचारिकता बाद में निभाई जाएगी, प्रशासनिक दायित्व का निर्वहन पहले ही कर दिया गया। शासकीय पत्रों की सत्यता और तारीखों की जांच करने के बजाय, केवल हस्ताक्षर करने की कला पर अत्यधिक भरोसा जताया गया है। कागज क्या कह रहा है, यह देखना शायद समय की बर्बादी समझा गया।

जनचर्चा का विषय ÷ क्या वर्तमान में लौट पाएगा प्रशासन- अब इस अग्रिम आदेश की प्रति पूरे क्षेत्र में बड़ी ही शालीनता के साथ मुस्कुराहटें बिखेर रही है। प्रबुद्ध नागरिक चुटकी ले रहे हैं कि यदि मंडी कार्यालय के पास भविष्य देखने की ऐसी अद्भुत विधा उपलब्ध है, तो जनहित में इसका उपयोग मौसम के पूर्वानुमान या आगामी जन-समस्याओं को पहले ही भांपने में किया जाना चाहिए। बहरहाल, एक महत्वपूर्ण और वैधानिक चेतावनी वाले शासकीय पत्र पर इस प्रकार की त्रुटि यह सोचने पर विवश करती है कि कार्यालयीन कार्यों में कितनी गंभीरता बरती जा रही है। देखना दिलचस्प होगा कि जिला धार के उच्च अधिकारी इस भविष्यवादी कार्यप्रणाली को लेकर क्या रुख अपनाते हैं, या फिर मंडी प्रशासन इसी तरह आने वाले कल के नोटिस आज ही बांटकर इतिहास रचता रहेगा।

भागवत कथा का शुभारम आज

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राधाकृष्ण मंदिर स्वर्णकार समाज में संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन 17 मई रविवार से होगा इसके पूर्व कलश यात्रा मंदिर परिसर से प्रारंभ होकर धाकड़ धर्मशाला पहुंचकर कलश पूजन के पश्चात नगर के प्रमुख मार्ग से होकर मंदिर परिसर पहुंचेगी। 23 मई को कथा का विश्राम होगा। कथाव्यास पंडित बालकृष्ण शास्त्री कानवन धार के मुखारविंद से सायं 7 बजे से रात्रि 10 बजे तक श्रद्धालु भक्तजन कथा के विभिन्न प्रसंगों का रसपान करेंगे। 24 मई को प्रातः 8 बजे गीता पाठ हवन पूजन होगा, शाम 4 बजे भव्य शोभायात्रा मंदिर परिसर से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गो से होती हुई मंदिर परिसर पर समापन होगा। महाआरती पश्चात भंडारे का आयोजन होगा। आयोजक समिति ने श्रद्धालु भक्तजनों से कथा पंडाल में उपस्थित होकर धर्मलाभ लेने का अनुरोध किया है।

मनासा में शव रखकर 2.30 घंटे चक्का जामः युवक की संदिग्ध मौत पर बवाल, पेड़ पर लटका मिली लाश

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के मनासा में शनिवार को एक युवक की संदिग्ध मौत के बाद माहौल तनावपूर्ण हो गया। परिजनों ने शव को मनासा मंदसौर नाके पर रखकर चक्का जाम कर दिया, जो करीब ढाई घंटे तक चला और क्षेत्र में हड़कंप मच गया। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान राजमल पिता रामकिशन धनगर निवासी महागढ़ थाना मनासा के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि राजमल का पिछले कुछ दिनों से अपने ही समाज के एक पड़ोसी से विवाद चल रहा था। इस संबंध में पहले थाने में शिकायत और गुमशुदगी की रिपोर्ट भी दर्ज कराई गई थी। शनिवार को राजमल का शव एक आम के पेड़ से लटका हुआ मिला, जिसके बाद परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। गुस्साए परिजनों ने शव को सड़क पर रखकर चक्का जाम कर दिया, जिससे यातायात पूरी तरह बाधित हो गया। घटना की सूचना मिलते ही मनासा थाना प्रभारी नीलेश अवस्थी मौके पर पहुंचे और परिजनों से समझाइश शुरू की। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एसडीएम, एसडीओपी सहित भारी पुलिस बल भी मौके पर तैनात किया गया। करीब 2 घंटे 30 मिनट की कड़ी मशक्कत के बाद प्रशासन ने जाम खुलवाया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और मौत के कारणों को लेकर सभी पहलुओं की पड़ताल की जा रही है। इस मामलें में मनासा एसडीएम किरण आंजना ने कहा की काफी मशक्कत और समझाईश के बाद चक्काजाम खुलवाया गया है। परिजनों को निष्पक्ष जांच का भरोसा दिलाया है, और नियमानुसार जो भी मुआवजा होगा दिया जाएगा। इस पूरे घटनाक्रम ने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं–क्या यह आत्महत्या है या हत्या? लेकिन घटना के बाद तनाव का माहौल बना हुआ है।

नीमच में यातायात का बड़ा एक्शनः लगेज से भरी बस जब्त, 109 चालान में 57 हजार वसूले

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। यातायात नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ पुलिस ने सख्त रुख अपनाते हुए दो दिन तक विशेष चेकिंग अभियान चलाया, जिसमें कई तरह की अनियमितताएं सामने आईं।

पुलिस अधीक्षक राजेश व्यास, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नवलसिंह सिसोदिया एवं नगर पुलिस अधीक्षक किरण चौहान के निर्देशन में थाना यातायात प्रभारी सोनू बड़गुर्जर व उनकी टीम ने 15 और 16 मई को बस स्टैंड क्षेत्र में सघन वाहन चेकिंग की।

अभियान के दौरान एक ट्रेवल्स यात्री बस को पकड़ा गया, जिसकी छत पर भारी मात्रा में लगेज भरा हुआ था। यातायात टीम ने बस को जब्त करते हुए कार्रवाई की और जुर्माना वसूल किया।

इसके अलावा शहर में चल रहे ब्लैक फिल्म लगे चार पहिया वाहनों पर भी कार्रवाई करते हुए मौके पर ही फिल्म हटवाई गई और चालान काटे गए। वहीं नाबालिगों द्वारा वाहन चलाने के मामलों में उनके परिजनों को थाने बुलाकर सख्त हिदायत दी गई कि बच्चों को वाहन न चलाने दें।

इस संयुक्त कार्रवाई के दौरान कुल 109 चालान किए गए, जिनसे 57 हजार रुपये समंस शुल्क के रूप में वसूले गए।

यातायात पुलिस ने आमजन से अपील की है कि चार पहिया वाहनों में काली फिल्म का उपयोग न करें, यात्री बसों में लगेज का परिवहन न करें और सभी आवश्यक दस्तावेज पूर्ण रखें। नियमों का पालन कर ही सड़क सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है।

मालवा को मिली नई आवाज़, मालवांचल तोरण अखबार का हुआ शुभारम्भ

संपादक निर्मल सोलंकी बोले - गांव-गांव की खबर उठाएंगे

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शुक्रवार शाम 6:00 बजे उज्जैन तरणताल प्रेस क्लब सोसाईटी में मासिक समाचार पत्र मालवांचल तोरण का शुभारम्भ मुख्य अतिथि उज्जैन प्रेस क्लब के अध्यक्ष नंदलाल यादव ने किया शुभारम्भ समारोह में वरिष्ठ पत्रकार, शासन-प्रशासन, समाजसेवी और पाठक मौजूद रहे। अखबार का प्रथम अंक पीएम मोदी की अपील का सीएम ने किया पालन इस अवसर पर मुख्य अतिथि नंदलाल यादव ने कहा कि क्षेत्रीय पत्रकारिता लोकतंत्र का आधार है। मालवा अंचल को एक सशक्त मंच की जरूरत थी। मुझे विश्वास है मालवांचल तोरण निष्पक्ष और निर्भीक पत्रकारिता करेगा। मेरी शुभकामनाएं टीम के साथ हैं।

अखबार के संपादक निर्मल सोलंकी ने कहा कि मालवांचल तोरण का उद्देश्य मालवा की मिट्टी से जुड़े मुद्दों - किसान, युवा, व्यापार और संस्कृति - को निष्पक्षता से उठाना है। मालवांचल तोरण सिर्फ अखबार नहीं, मालवा की जनता की बुलंद आवाज़ बनेगा। हमारी कोशिश रहेगी कि गांव-गांव की खबर, बिना किसी दबाव के, लोगों तक पहुंचे। ग्राउंड रिपोर्टिंग हमारी ताकत होगी।

खेती-किसानी की उन्नत तकनीक एवं नवीनतम जानकारी के प्रचार-प्रसार हेतु कृषि रथ का शुभारंभ

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। किसान कल्याण वर्ष 2026 के उपलक्ष्य में खेती-किसानी के क्षेत्र में किसानों को उन्नत तकनीकों, आधुनिक कृषि पद्धतियों एवं शासन की योजनाओं से जोड़ने के उद्देश्य से जिले में 16 मई से 10 दिवसीय कृषि रथ संचालन प्रारंभ किया गया है। कृषि रथ के माध्यम से ग्रामीण अंचलों तक पहुंचकर किसानों को खेती से संबंधित नवीनतम जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी तथा उन्हें आत्मनिर्भर एवं आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए जागरूक किया जाएगा।

जिले के समस्त विकासखंडों में भ्रमण करने वाले कृषि रथ को कार्यालय कलेक्टर परिसर से कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

कृषि रथ संचालन के माध्यम से किसान समुदाय को उर्वरक वितरण की ई-विकास प्रणाली अंतर्गत ई-टोकन आधारित उर्वरक वितरण व्यवस्था की जानकारी दी जाएगी। साथ ही एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन, कीट एवं रोग प्रबंधन, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, पराली प्रबंधन, जैविक एवं प्राकृतिक खेती, संतुलित उर्वरक उपयोग तथा विभागीय योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा। निर्धारित रूटचार्ट के अनुसार प्रत्येक दिवस तकनीकी विशेषज्ञों की टीम भी कृषि रथ के साथ भ्रमण करेगी, जो किसानों से सीधे संवाद कर उन्हें खरीफ बुआई पूर्व आवश्यक तैयारियों, उन्नत कृषि तकनीकों एवं समसामयिक कृषि विषयों की जानकारी प्रदान करेगी। कृषि रथ में ई-विकास पोर्टल, ई-टोकन प्राप्ति प्रक्रिया, पराली प्रबंधन, संतुलित उर्वरक उपयोग एवं आधुनिक कृषि पद्धतियों से संबंधित जानकारी को सुव्यवस्थित ढंग से प्रदर्शित किया गया है।

कानवन ब्लॉक कांग्रेस की बैठक एवं नीट पेपर लीक के विरोध में प्रदर्शन और धर्मेंद्र प्रधान का किया पुतला दहन

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कानवन ब्लॉक कांग्रेस कमेटी द्वारा ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष श्री सुरेन्द्र जी गोयल के नेतृत्व में मंडलम अध्यक्षों एवं ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई।

बैठक में जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्री स्वतंत्र जोशी, विधानसभा प्रभारी श्री राकेश अहीरवार, संगठन महामंत्री श्री परितोष सिंह राठौर, पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी श्री कमल सिंह पटेल तथा विधायक श्री भंवर सिंह शेखावत विशेष रूप से उपस्थित रहे।

सभी वरिष्ठ नेताओं ने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने तथा आगामी राजनीतिक चुनौतियों के लिए तैयार रहने के संबंध में अपने महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

इस दौरान ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष के कार्यों एवं संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा भी की गई।

बैठक के पश्चात कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने देशभर में सामने आए नीट परीक्षा पेपर लीक एवं शिक्षा व्यवस्था में व्याप्त भ्रष्टाचार के विरोध में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का पुतला दहन किया। इसके साथ ही महामहिम राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपकर मांग की गई कि शिक्षा मंत्री से तत्काल इस्तीफ़ा लिया जाए तथा पेपर लीक में शामिल सभी दोषियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए।

कांग्रेस पार्टी ने ज्ञापन मे स्पष्ट कहा कि देश के युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और छात्र हितों की रक्षा के लिए पार्टी सड़क से सदन तक संघर्ष जारी रखेगी।

इस अवसर पर जिला किसान कांग्रेस अध्यक्ष श्री राजेश पवार, जिला सेवा दल अध्यक्ष श्री जितेन्द्र जोशी, श्री शरद सिंह सिसोदिया, श्री श्याम अग्निहोत्री, श्री बाबूलाल जाट, यूथ कांग्रेस अध्यक्ष चंदन भूरिया,सोनू जाट अभिषेक पाटीदार ,श्री आत्माराम जी जाट,श्री अभय लाला,जगदीश बना सनौली,ईश्वर सिंग भातबमंदा श्री चंदन भूरिया यश मोदी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं स्थानीय नेता उपस्थित रहे। संचालन राजेश राठौड़ ने किया । कॉन्वेंट ब्लॉक अध्यक्ष सुरेंद्र गोयल ने माना

शहरी क्षेत्र झाबुआ में ट्रक/भारवाहक वाहनों के प्रवेश को सार्वजनिक सुरक्षा एवं सुविधा की दृष्टि से पूर्णतः प्रतिबन्धित किया

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने मोटरयान अधिनियम 1988 की धारा 115 में विहित प्रावधानों के अंतर्गत मध्यप्रदेश मोटरयान नियम 1994 के नियम 215 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मार्गों पर ट्रक/भारवाहक वाहनों के झाबुआ शहर में प्रवेश को सार्वजनिक सुरक्षा एवं सुविधा की दृष्टि से पूर्णतः प्रतिबन्धित किया। स्थान एवं प्रतिबंधित मार्ग पर प्रातः 07:00 बजे से रात्रि 08:00 बजे तक भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। जिसमें भोयरा रोड़ अमृत आरओ वाटर प्लांट- कुंदनपुर व पिटोल से आने वाले भारी वाहन, करड़ावद हनुमान मंदिर- गुजरात दाहोद, पिटोल, थान्दला व मेघनगर मार्ग से आने वाले भारी वाहन, रंगपुरा अंडर ब्रिज हाईवे- कल्याणपुरा, रायपुरिया, पेटलावद, रतलाम व बदनावर मार्ग से आने वाले तथा पारा व बोरी से आने वाले भारी वाहन, पारा फाटा झाबुआ- कालीदेवी, सरदारपुर, धार व इंदौर से आने वाले तथा पारा व बोरी से आने वाले भारी वाहन एवं राणापुर रोड पर महर्षि त्रिपुरा नर्सिंग कॉलेज तिराहा- राणापुर, जोबट, आलीराजपुर, बड़वानी व छोटा उदयपुर (गुजरात) से आने वाले भारी वाहन प्रतिबंधित रहेंगे।

खानपुरा शनि मंदिर परिसर में हुआ महाप्रसादी का आयोजन, हजारों धर्मालुजनों ने लिया धर्मलाभ

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शनिवार को खानपुरा स्थित भगवान शनिदेव के मंदिर परिसर में भगवान शनिदेव की जयंती हर्षोल्लास से मनाई गयी। शनि जयंती के उपलक्ष्य में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी समाजसेवी श्री चयन कोमल बाफना परिवार के द्वारा महाप्रसादी का आयोजन किया गया। इस महाप्रसादी के आयोजन में हजारों की संख्या में भगवान शनिदेव के भक्तों ने पहुँचकर महाप्रसादी ग्रहण करने का धर्मलाभ लिया। प्रातः 10 बजे से रात्रि 11 बजे तक भगवान शनिदेव के भक्तों ने यहां पहुँचकर महाप्रसादी ग्रहण की। निरंतर 16 वर्षों से कोमल बाफना परिवार प्रतिवर्ष भगवान शनिदेव की जयंती पर महाप्रसादी का आयोजन कर रहा है, इस वर्ष भी 17 वें वर्ष में भगवान शनिदेव की जयंती पर यह आयोजन किया गया।

आकर्षक विद्युत साज सज्जा की गयी- भगवान शनिदेव की जयंती के उपलक्ष्य में शनिवार एवं शुक्रवार की रात्रि को खानपुरा स्थित भगवान शनिदेव के मंदिर परिसर में आकर्षक विद्युत साज सज्जा की गयी। पूरे शनिदेव मंदिर को रंग बिरंगी रोशनी से सजाया गया। मंदिर के गर्भगृह में आकर्षक मनमोहक पुष्पों की सजावट की गयी। भगवान शनि जयंती पर दिनभर शनि भक्तों का तांता भगवान शनिदेव के दर्शन करने के लिये लगा रहा। शनि भक्तों ने मंदिर की साज सज्जा को भी सराहा।

भगवान शनिदेव की प्रतिमा का हुआ तेलाभिषेक- शनि जयंती के उपलक्ष्य में खानपुरा स्थित शनि देवजी की प्रतिमा पर शनिवार को कोमल बाफना, श्रीमती जमना बाफना एवं चयन बाफना ने अपने इष्ट मित्रों के साथ पहुँचकर शनिदेव की प्रतिमा की विशेष पूजा की तथा प्रतिमा का तेलाभिषेक किया।

मंत्रियों से चौपाल तक मोदी की अपील

(हिफी फीवर)

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ईंधन बचाने व एक साल तक सोना न खरीदने व हर प्रकार से विदेशी मुद्रा बचाने की अपील की थी।
- केन्द्र से लेकर भाजपा शासित राज्य सरकारों में मंत्रियों ने सुरक्षा काफिले की संख्या आधी की, सार्वजनिक परिवहन से की यात्रा।
- यूपी के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना साइकिल से आ रहे सचिवालय।
- योगी आदित्यनाथ की अपील पर गांव–गांव में लग रहीं ग्रीन चौपालें।
- चौपालों में लोगों को सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने, इलेक्ट्रिक वाहन चलाने, पौधारोपण व जल संरक्षरण के लिए किया जा रहा प्रेरित।

अमेरिका और इजरायल के सैन्य अधिकारी ईरान पर हमले की टारगेट लिस्ट बना रहे हैं। इस प्रकार युद्ध विराम की घोषणा के बाद स्ट्रेट आप होर्मुज के निर्बाध परिवहन पर आशंका की काली घटाएं घिर गयी हैं। लगभग दो महीने पहले अमेरिका ने जब ईरान पर हमला किया था तभी से दुनिया भर में तेल और गैस संकट की शुरूआत हो गयी थी। दुनिया भर में तेल–गैस की राशनिंग के साथ तरह–तरह के प्रतिबंध लगाये गये लेकिन मोदी सरकार ने इस संकट की आंच दो महीने तक जनता तक बिल्कुल नहीं पहुंचने दी। सरकार की अर्थ व्यवस्था अब अतिरिक्त प्रयासों की मांग कर रही है। इसीलिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश की जनता से 10 मई को एक भावुक अपील की थी। इस अपील का प्रभाव मंत्रियों से गांव की चौपालों तक देखा जा रहा है। तेल की बचत करने के लिए प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और मंत्रियों के सुरक्षा काफिले में वाहन आधे कर दिये गये। कुछ मंत्री तो साइकिल से सचिवालय आते दिखे, वहीं पेट्रोल–डीजल बचाने के लिए अब गांव–गांव ग्रीन चौपालें लगाकर लोगों को जागरूक किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश के अम्बेडकर नगर जिले में 899 ग्राम पंचायतों में 14 मई को एक साथ ग्रीन चौपालें लगाई गयीं। इन चौपालों में लोगों को सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने, इलेक्ट्रिक वाहन का उपयोग करने पौधारोपण व जल संरक्षण के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गत 10 मई को जनता से जो अपील की है, उसे सामयिक, दूरदर्शी और राष्ट्रहित में माना जाना चाहिए। यह संकट लगभग 11 सप्ताह पूर्व 28 फरवरी से उस समय और गहरा हो गया जब ईरान–इजरायल युद्ध में अमेरिका कूद पड़ा और ईरान ने दुनिया के सबसे व्यस्त ईंधन मार्ग स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बंद कर दिया। भारत ने ईरान से भी मधुर संबंध बनाए रखे और अमेरिका से भी मित्रता कायम रखी। इससे भारत ने एक तरफ रूस से सस्ता कच्चा तेल खरीदा, दूसरी तरफ भारत के तेल और गैस से भरे जहाज होर्मुज के रास्ते ही भारत पहुंच गये। इस बीच ऊर्जा संकट से पूरी दुनिया त्राहि–त्राहि करने लगी और इसकी आंच भारत तक भी पहुंची। मोदी सरकार ने इसे अभूतपूर्व ऊर्जा संकट में देश की जनता को संकट का सामना नहीं करने दिया। पूरी दुनिया में पेट्रोल–डीजल और रसोई गैस की कीमतें आसमान पर पहुंच गयीं लेकिन भारत में चूल्हे भी जलते रहे और वाहन भी चलते रहे। हाँ, तेल और गैस के भंडार अब कम हो रहे हैं। इसलिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश की जागरूक जनता से बहुत सामान्य सहयोग मांगा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और महंगे ईंधन के बीच देशहित में एक अहम अपील की है। उन्होंने विदेशी मुद्रा बचाने के लिए एक साल तक सोना न खरीदने, खाने के तेल की खपत कम करने, अनावश्यक वाहन उपयोग घटाकर कारपूलिंग करने और विदेश यात्राएं टालने का आग्रह किया है।

प्रधानमंत्री ने कहा, देशभक्ति सिर्फ जान देना नहीं बल्कि मुश्किल वक्त में ज़िम्मेदारी से जीना भी है। प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों से सार्वजनिक ट्रांसपोर्ट का इस्तेमाल करने की अपील की।

पीएम मोदी ने वर्क फ्रॉम होम करने पर ज़ोर दिया। इसके पीछे सीधा हिसाब है। दफ्तर आने–जाने में रोज़ाना लाखों लीटर पेट्रोल–डीजल जलता है। कॉर्पोरेट कंपनियाँ अगर हफ्ते में कुछ दिन भी वर्क फ्रॉम होम लागू करें तो ईंधन की खपत और आयात का बोझ दोनों कम हो सकते हैं। पीएम ने नागरिकों से अपील की है कि वे गैर जरूरी विदेश यात्रा, विदेश में छुट्टियां मनाने और विदेशी शादियों से बचकर और घरेलू पर्यटन और भारत के भीतर समारोह आयोजित करके विदेशी मुद्रा भंडार को रांरक्षित करने में मदद करें।

पीएम मोदी ने लोगों से एक साल तक सोना न खरीदने की अपील की। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सोना खरीदने वाला देश है और हम हर साल करीब 59 अरब डॉलर यानी लगभग पांच लाख करोड़ रुपए का सोना बाहर से मंगाते हैं। सोने की कीमत और रुपए की कमजोरी के बीच सीधा रिश्ता है। सोना महंगा होता है तो रुपया और टूटता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने नागरिकों को गेड–इन–इंडिया और लोकल लेवल पर बनने वाले प्रोडक्ट्स को प्राथमिकता देने के लिए प्रोत्साहित किया, जिनमें जूते, बैग और सहायक उपकरण जैसी दैनिक उपयोग की वस्तुएं शामिल हैं। भारतीय सामान खरीदने से आयात कम होगा और देश के उद्योग और रोज़गार को फायदा मिलेगा।

पीएम मोदी ने किसानों से अपील कि वे रासायनिक खाद का उपयोग 50 प्रतिशत कम करें प्राकृतिक खेती अपनाएं और डीजल पंप की जगह सौर पंप लगाएं। भारत यूरिया की अपनी जरूरता का 25 प्रतिशत, फास्फेट का 90 प्रतिशत और पोटाश का पूरा 100 प्रतिशत विदेश से मंगाता है। 2023–24 में सिर्फ उर्वरक सब्सिडी का बोझ 1.75 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया। यूरिया बनाने के लिए प्राकृतिक गैस चाहिए जो खुद आयात होती है। पश्चिम एशिया संकट में गैस महंगी हुई तो खाद महंगी हुई और सरकार की सब्सिडी और बढ़ी। खाद का इस्तेमाल कम करें तो यह पूरी चेन टूटती है।

वैश्विक ऊर्जा मार्ग स्ट्रेट आफ होर्मुज से प्रतिदिन लगभग 2 करोड़ बैरल कच्चे तेल का परिवहन होता है। जहाजों का आवागमन बंद होने से इस वैश्विक संकट का प्रभाव अभूतपूर्व रहा। ब्रेंट क्रूड की कीमत 70 डॉलर से बढ़कर 126 डालर प्रति बैरल हो गयी है। इसके परिणामस्वरूप दुनिया के कई देशों को असाधारण कदम उठाने पड़े। बांग्लादेश में ईंधन की राशनिंग हुई। श्रीलंका में चार दिवसीय कार्य सप्ताह के साथ फ्यूल पारा जारी किये गये हैं। दक्षिण कोरिया ने पहली बार ईंधन मूल्य रीमा तय की है। जापान को अपना सबसे बड़ा रणनीतिक तेल भंडार उपयोग करना पड़ रहा है। भारत का लगभग 40 फीसद तेल आयात खाड़ी देशों से होता है। इस प्रकार हमारे देश को भी अभूतपूर्व ऊर्जा संकट का सामना करना पड़ा। भारत सरकार ने अब दो महीने बाद देश की जनता से अपना योगदान देने के लिए अपील की है जो देश–हित में है। **(हिफी)**

नागेश्वर धाम के शनि मंदिर में शनि जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया

केंद्रीय मंत्री सावित्री ठाकुर ने 35 लाख के विकास कार्यों का भूमिपूजन व लोकार्पण किया

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। यहां नागेश्वर धाम स्थित श्री गजकेसरी चतुर्भुज शनि देव के मंदिर में शनि जन्मोत्सव के पावन अवसर पर श्रद्धालुओं के बीच श्रद्धा, भक्ति एवं आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला।

प्रातःकाल से ही श्रद्धालुओं का मंदिर पहुंचना प्रारंभ हो गया था। जो देर रात तक निरंतर जारी रहा। भक्तों ने भगवान शनिदेव का तेलाभिषेक कर काले तिल, पुष्प एवं पूजन कर सुख-समृद्धि एवं शांति की मंगलकामना की।

खास बात यह रही कि इस वर्ष शनिश्चरी अमावस्या का दुर्लभ संयोग 13 साल बाद बना। जिसके चलते श्रद्धालुओं में काफी उत्साह देखने को मिला। धार्मिक मान्यता के अनुसार इस दिन भगवान शनिदेव की पूजा-अर्चना एवं दान-पुण्य का विशेष महत्व माना जाता है। इस अवसर पर दूर-दूर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु नागेश्वर धाम पहुंचे और भगवान शनिदेव के दर्शन कर पुण्य लाभ प्राप्त किया।

मंदिर में शनिदेव की स्थापना का 19 वां वर्ष भी श्रद्धा एवं उल्लास के साथ मनाया गया। पूरे मंदिर परिसर को आकर्षक सजावट एवं धार्मिक वातावरण से भक्तिमय बन गया।

इस अवसर पर लगभग 35 लाख रुपए के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन भी किया गया। जिसमें नागेश्वर धाम पर 13 लाख 61 हजार की लागत से महिला स्नानगृह निर्माण, 13 लाख 67 हजार की लागत से मुक्ति धाम पर टीन शेड निर्माण, अस्थि रखने हेतु लॉकर निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। साथ ही शनि मंदिर परिसर में निर्मित टीन शेड का लोकार्पण भी किया। इसका निर्माण 8 लाख रुपए की लागत से किया गया है।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री सावित्री ठाकुर रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर परिषद अध्यक्ष मीना-शेखर यादव ने की। शनि मंदिर समिति अध्यक्ष शेखर यादव, कार्यक्रम संयोजक अभिषेक सोनी समेत कार्यकर्ताओं ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष मनोज सोमानी, मंडल अध्यक्ष मनीष गुर्जर, नप उपाध्यक्ष राजेंद्रसिंह पंवार, पार्षद झन्नूबाई सिरवी, भारती राठौड़, सुखराम देवदा,चेतन नागल, अनीता चौहान, मितेश शर्मा, कन्हैयालाल गुर्जर, समाजसेवी मनोहरलाल जायसवाल सीएमओ लालसिंह राठौर, उप यंत्री सारंग पुराणिक सहित कई जनप्रतिनिधि एवं श्रद्धालु मौजूद थे।

शनिश्चरी अमावस्या पर नवग्रह शनिधाम में उमड़ा आस्था का सैलाब, देर रात तक चला विशाल भंडारा

बड़ावदा/प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शनिश्चरी अमावस्या के पावन अवसर पर बड़ावदा स्थित नवग्रह शनिधाम मंदिर में शनिवार सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। भगवान शनिदेव के दर्शन एवं तेलाभिषेक के लिए भक्तों की लंबी-लंबी कतारें लगी रहीं। श्रद्धालु पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ अपनी बारी का इंतजार करते नजर आए। मंदिर परिसर में सुबह से देर रात तक धार्मिक आयोजन और भक्ति का माहौल बना रहा।

मंदिर में भगवान शनिदेव का विशेष तेलाभिषेक, पूजा-अर्चना एवं दान-पुण्य का क्रम दिनभर चलता रहा। शनिश्चरी अमावस्या के दुर्लभ संयोग के चलते बड़ी संख्या में आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों सहित दूर-दराज से भी श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचे।

इस अवसर पर मंदिर समिति द्वारा विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। विशेष बात यह रही कि यह भंडारा सुबह 9 बजे प्रारंभ होकर रात 12 बजे तक लगातार चलता रहा, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की। नगरवासियों और भक्तों ने इसे भगवान शनिदेव की असीम कृपा और मंदिर की आस्था का प्रतीक बताया।

मंदिर के पुजारी पंडित पुरुषोत्तम जोशी ने बताया कि इस वर्ष शनिश्चरी अमावस्या का विशेष संयोग लगभग 13 वर्षों बाद बना है। अमावस्या और शनिवार का एक साथ पड़ना अत्यंत शुभ एवं दुर्लभ माना जाता है। उन्होंने बताया कि जिन लोगों की कुंडली में शनि की साढ़ेसाती या ढैय्या चल रही हो, उनके लिए यह दिन विशेष महत्व रखता है। इस दिन शनि देव की पूजा, व्रत, दान एवं तेलाभिषेक करने से जीवन के कष्टों में कमी आती है और सकारात्मक फल प्राप्त होते हैं।

शनि देव का धार्मिक महत्व- हिंदू धर्म में भगवान शनिदेव को न्यायप्रिय देवता माना गया है। मान्यता है कि वे मनुष्य को उसके कर्मों के अनुसार फल प्रदान करते हैं। शनिश्चरी अमावस्या के दिन शनिदेव की पूजा-अर्चना, पीपल पूजन, तिल एवं तेल का दान तथा जरूरतमंदों की सेवा करने से शनि दोषों का प्रभाव कम होता है। लश्रद्धालुओं का विश्वास है कि भगवान शनिदेव के दर्शन मात्र से व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आने लगते हैं।

16 मई 'राष्ट्रीय डेंगू दिवस' पर डेंगू प्रचार रथ जन-जागरूकता हेतु रवाना

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देखें, साफ करें, ढंके - डेंगू को हराने के उपाय करें थीम के अंतर्गत राष्ट्रीय डेंगू दिवस पर जिले एवं विकासखंड स्तर पर वाहक जनित रोगों की रोकथाम एवं जन-जागरूकता के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आमजन में डेंगू रोग के प्रति जागरूकता बढ़ाना, मच्छरों के प्रजनन को रोकना तथा वाहक जनित बीमारियों के प्रसार पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना है।

इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बी.एस. बघेल द्वारा डेंगू जन-जागरूकता प्रचार रथ को हरी झंडी दिखाकर ग्रामीण क्षेत्रों हेतु रवाना किया गया। प्रचार रथ के माध्यम से मेगा माइक द्वारा डेंगू एवं चिकनगुनिया से बचाव संबंधी संदेशों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया।

ज्ञातव्य है कि डेंगू एवं चिकनगुनिया संक्रमित एडीज मच्छर के माध्यम से फैलने वाले रोग हैं। मानसून एवं मानसून उपरांत जलभराव की स्थिति में एडीज मच्छरों का प्रजनन तेजी से बढ़ता है, जिससे इन रोगों के फैलने की संभावना बढ़ जाती है। इसी को दृष्टिगत रखते हुए जिले में लार्वा सर्वे एवं स्रोत नष्ट करने की कार्यवाही निरंतर संचालित की जा रही है।

कार्यक्रम के अंतर्गत स्वास्थ्य संस्थाओं में डेंगू से बचाव हेतु शपथ दिलाई गई। जिला स्तर पर शहरी स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण आयोजित किया गया तथा शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में नारे लेखन, फ्लेक्स एवं पेम्पलेट्स के माध्यम से जन-जागरूकता अभियान चलाया गया।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा आमजन से अपील की गई है कि वे अपने घरों एवं आसपास स्वच्छता बनाए रखें तथा मच्छरों के प्रजनन को रोकने हेतु पानी की टंकियों, कूलर, फ्रिज ट्रे, हौदी एवं अन्य कंटेनरों की नियमित सफाई एवं ढंककर रखने की व्यवस्था सुनिश्चित करें।

अमरूद और टमाटर की खेती ने किसान रमेश वाखला को बनाया आत्मनिर्भर

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मेहनत, नई सोच और शासन की योजनाओं का सही उपयोग किसी भी किसान की जिंदगी बदल सकता है। इसका जीवंत उदाहरण हैं विकासखंड झाबुआ के ग्राम फूल धावड़ी निवासी कृषक श्री रमेश वाखला, जिन्होंने पारंपरिक खेती से आगे बढ़कर उद्यानिकी आधारित खेती अपनाई और आज बेहतर आय अर्जित कर अपने परिवार के लिए खुशहाली का नया रास्ता तैयार किया है। कभी सीमित आय और बढ़ती खेती लागत के कारण परिवार की आवश्यकताओं को पूरा करना चुनौती बन गया था। श्री रमेश वाखला पहले मुख्य रूप से सोयाबीन और मक्का की पारंपरिक खेती करते थे। मेहनत भरपूर होती थी, लेकिन आमदनी सीमित रहती थी। सोयाबीन की खेती से लगभग 4 क्विंटल उत्पादन प्राप्त होता था, जिसमें 7 हजार रुपये लागत लगाने के बाद कुल 15 हजार रुपये की आय होती थी और शुद्ध बचत मात्र 8 हजार रुपये रह जाती थी। इसी प्रकार मक्का फसल से 12 क्विंटल उत्पादन प्राप्त कर लगभग 23 हजार 500 रुपये की आय होती थी, जिसमें लागत निकालने के बाद केवल 15 हजार 500 रुपये की शुद्ध आय बचती थी। ऐसे समय में उद्यानिकी विभाग द्वारा संचालित निजी फलोद्यान योजना उनके लिए उम्मीद की नई किरण बनकर सामने आई। वर्ष 2024-25 में उन्हें योजना अंतर्गत अमरूद एवं टमाटर फसल के लिए 60 हजार रुपये की अनुदान राशि प्राप्त हुई।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा स्वास्थ्य संस्थाओं का निरीक्षण एवं योजनाओं की समीक्षा

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बी. एस. बघेल द्वारा विकासखंड कल्याणपुरा अंतर्गत आयुष्मान आरोग्य मंदिर (उप स्वास्थ्य केंद्र) बलवन, गेलर बड़ी एवं गेलर छोटी का भ्रमण कर स्वास्थ्य सेवाओं एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा की गई।

भ्रमण के दौरान डॉ. बघेल ने उप स्वास्थ्य केंद्रों पर उपलब्ध 12 प्रकार की स्वास्थ्य सेवाओं का निरीक्षण किया तथा आयुष्मान भारत योजना अंतर्गत बनाए जा रहे आयुष्मान कार्डों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने स्वास्थ्य संस्थाओं में पाई गई कमियों को शीघ्र दूर करने एवं स्वास्थ्य सेवाओं में गुणवत्ता सुधार हेतु आवश्यक निर्देश संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को दिए।

निरीक्षण के दौरान अनुपस्थित पाए गए कर्मचारियों के विरुद्ध नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिए गए।

भ्रमण के समय जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्री आर. आर. खन्ना एवं सीपीएचसी सलाहकार श्री कैलाश चरपोटा उपस्थित रहे।

पुलिस अधीक्षक आशुतोष बागरी ने किया थाना शिकारपुरा का आकस्मिक निरीक्षण

थाना परिसर,अभिलेखों के संधारण, लंबित प्रकरणों की समीक्षा एवं पुलिस कर्मियों की कार्य प्रणाली का जायजा लिया

बुरहानपुर/ आयूष भावसार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस अधीक्षक बुरहानपुर श्री आशुतोष बागरी द्वारा पुलिस थाना शिकारपुरा का आकस्मिक निरीक्षण किया गया इस दौरान उन्होंने थाना परिसर, अभिलेखों के संधारण जप्ती माल, लंबित प्रकरणों की समीक्षा एवं पुलिस कर्मियों की कार्यप्रणाली का जायजा लिया। थाना परिसर में आए लोगों से पुलिस अधीक्षक द्वारा उनकी समस्याओं के बारे में चर्चा की गई । साथ ही समस्त थाना स्टॉफ से रुबरू हो सुनी उनकी समस्याएं निराकरण के दिये आवश्यक निर्देश।

पुलिस अधीक्षक द्वारा दिए आवश्यक प्रमुख निर्देश- लंबित अपराधों की समीक्षा कर उनका त्वरित निराकरण करने हेतु किया निर्देशित।

चोरी की घटनाओं को रोकने हेतु हॉट स्पॉट चिन्हित कर वहां प्रभावी गश्त करने, संदिग्ध लोगों की चेकिंग करने, एवं थाने के गुंडा एवं निगरानी बदमाशों पर विशेष नजर रखने हेतु निर्देश दिए।

VCNB रजिस्टर की जांच वार्षिक निरीक्षण रजिस्टर में दर्ज सभी प्रविष्टियों की समीक्षा की गई और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

डिजिटल समन्स,वारंट निष्पादन समन्स और वारंट की डिजिटल प्रक्रिया का निरीक्षण कर सभी मामलों में डिजिटल निष्पादन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

थाना परिसर की सफाई एवं रिकॉर्ड प्रबंधन थानों में स्वच्छता बनाए रखने और रिकॉर्ड के सुव्यवस्थित प्रबंधन पर विशेष ध्यान देने की हिदायत दी गई।

माइक्रो बीट प्रणाली का निरीक्षण सभी बीट अधिकारियों को अपनी बीट में नियमित भ्रमण कर स्थानीय नागरिकों से संवाद स्थापित करने और जानकारी को इन्फॉर्मेशन बुक में दर्ज करने के निर्देश दिए गए।

सीसीटीवी कैमरों का निरीक्षण सभी थानों में ष्टष्टञ्जङ्क कैमरों की कार्यक्षमता की जांच की गई। जिन कैमरों में कोई समस्या पाई गई, उन्हें शीघ्र दुरुस्त करने के एवं थाना क्षेत्र के संवेदनशील व व्यस्ततम इलाक़ों में जन-अभिप्रेरण कर अधिक से अधिक

सीसीटीव्ही कैमरा लगवाने हेतु निर्देशित किया गया।

कस्टोडियल डेथ के विषय को गंभीरता से लेकर थाना प्रभारी एवं स्टाफ को आरोपियों की सुरक्षा के संबंध में दिशा निर्देश दिए गए।

पुलिस कर्मियों की समस्याओं की सुनवाई निरीक्षण के दौरान पुलिस कर्मियों की समस्याओं को सुना गया और आवश्यक समाधान हेतु उचित दिशा-निर्देश दिए गए।

निरीक्षण के दौरान रक्षित निरीक्षक श्री सुनील दीक्षित,थाना प्रभारी शिकारपुरा श्री संदीप चौरसिया एवं थाने का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

खबर प्रकाशित होने के बाद हरकत में आया प्रशासन, सिविल अस्पताल पहुंचा अमला

एसडीएम के निर्देश पर नायब तहसीलदार ने किया निरीक्षण, एक्सरे रूम पर मिला ताला

सुसनेर/गिरिराज बंजारिया/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर के सिविल अस्पताल में पिछले कई दिनों से बंद पड़ी एक्सरे सुविधा को लेकर आखिरकार प्रशासन हरकत में आया। समाचार प्रकाशित होने के बाद शनिवार को एसडीएम के निर्देश पर नायब तहसीलदार राजेश श्रीमाल सिविल अस्पताल पहुंचे और व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एक्सरे रूम पर ताला लगा मिला जिसके बाद अधिकारियों ने अस्पताल प्रबंधन से चर्चा कर जल्द वैकल्पिक व्यवस्था करने के निर्देश दिए। जानकारी के अनुसार अस्पताल में पदस्थ एक्सरे टेक्नीशियन अर्जित अवकाश पर हैं जिसके चलते 9 मई से अस्पताल की एक्सरे सुविधा पूरी तरह प्रभावित चल रही है। डॉक्टरों द्वारा जांच लिखे जाने के बावजूद मरीजों के एक्सरे नहीं हो पा रहे थे। कई मरीजों ने बताया कि वे लगातार अस्पताल के चक्कर लगा रहे हैं। लेकिन सुविधा बंद होने के कारण मजबूरी में निजी सेंटरों पर जाकर महंगे दामों में जांच करानी पड़ रही है। सरकारी अस्पताल में कम खर्च में उपचार की उम्मीद लेकर आने वाले गरीब एवं ग्रामीण क्षेत्र के मरीजों की परेशानी सबसे अधिक बढ़ गई। मरीजों का कहना है कि एक ओर अस्पताल में जांच सुविधा बंद है। वहीं दूसरी ओर निजी सेंटरों पर अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ रहा है। कई मरीजों को बार-बार अस्पताल आने-जाने में समय और आर्थिक नुकसान दोनों झेलना पड़ा। मामले में सबसे बड़ा सवाल जिला स्वास्थ्य अधिकारी की कार्यप्रणाली पर भी खड़ा हो रहा है। सूत्रों के अनुसार सिविल अस्पताल प्रबंधन द्वारा 9 मई को ही लिखित पत्र के माध्यम से जिला स्वास्थ्य अधिकारी को अवगत करा दिया गया था कि एक्सरे टेक्नीशियन अवकाश पर हैं और वैकल्पिक व्यवस्था की आवश्यकता है। इसके बावजूद 15 मई तक कोई ठोस व्यवस्था नहीं की गई। स्वास्थ्य विभाग की इस लापरवाही के कारण मरीज लगातार परेशान होते रहे। लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों ने समय रहते ध्यान नहीं दिया। वहीं समाचार प्रकाशित होने के बाद प्रशासन सक्रिय हुआ और एसडीएम के निर्देश पर नायब तहसीलदार राजेश श्रीमाल अस्पताल पहुंचे। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल के डॉ. बीबी पाटीदार से चर्चा कर जल्द वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा।

जानकारी के अनुसार नायब तहसीलदार द्वारा निरीक्षण रिपोर्ट तैयार कर वरिष्ठ अधिकारियों को भेज दी गई है। वहीं अस्पताल प्रबंधन द्वारा भी वैकल्पिक व्यवस्था की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। सूत्रों के मुताबिक सोमवार से एक्सरे सुविधा पुनः शुरू होने की संभावना जताई जा रही है, जिससे मरीजों को राहत मिल सकती है। निरीक्षण के दौरान पटवारी शिव नारायण पाटीदार उपस्थित रहे।

महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा बैठक में कलेक्टर सख्त

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट की अध्यक्षता में महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभागीय योजनाओं की प्रगति, पोषण संबंधी गतिविधियों एवं मैदानी अमले के कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने खराब प्रदर्शन पर नाराजगी व्यक्त की तथा संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही के निर्देश दिए।

बैठक में कलेक्टर ने लाड़ली लक्ष्मी योजना एवं प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की समीक्षा करते हुए दोनों योजनाओं में खराब प्रदर्शन करने वाले बॉटम-10 सुपरवाइजरों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही विगत वर्ष एवं अप्रैल माह में योजनाओं के क्रियान्वयन में कमजोर प्रगति पाए जाने पर सीडीपीओ झाबुआ को भी नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए।

कलेक्टर ने फेस रिकग्निशन, अपार आईडी, हॉट कुक्ड मील एवं टीएचआर वितरण की समीक्षा करते हुए अप्रैल माह में मात्र 58 प्रतिशत हॉट कुक्ड मील वितरण होने पर गहरी नाराजगी व्यक्त की। पारा सेक्टर में केवल 5 प्रतिशत वितरण पाए जाने पर संबंधित सेक्टर सुपरवाइजर से लापरवाही का कारण पूछा गया। संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित सुपरवाइजर को नोटिस जारी करने एवं संबंधित आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं पर कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

सीबीई एवं वीएचएसएनडी सत्रों की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने निर्देश दिए कि प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को वीएचएसएनडी सत्र शत-प्रतिशत आयोजित किए जाएं। मेघनगर क्षेत्र में निर्धारित सत्र पूर्ण नहीं किए जाने पर दो सुपरवाइजरों को नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिए गए।

बैठक में जिले में ञ्जरू श्रेणी के 613 एवं ञ्जरू श्रेणी के 3838 बच्चों की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कलेक्टर ने कुपोषण कम करने के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। साथ ही बच्चों के लिए थर्ड मील उपलब्ध कराने हेतु शासन स्तर से विशेष रेसिपी आधारित व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा।

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को समय पर वेतन भुगतान किया जाए तथा रिक्त पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया समयबद्ध रूप से पूर्ण की जाए। उन्होंने समस्त मैदानी अमले को मंगलवार एवं शुक्रवार को अनिवार्य रूप से फील्ड में उपस्थित रहने के निर्देश भी दिए।

बैठक में कलेक्टर ने कहा कि आंगनवाड़ियों में बच्चों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। कार्यकर्ताओं को बच्चों की ऊंचाई एवं वजन मापन की सही जानकारी होना आवश्यक है। सक्षम आंगनवाड़ियों में टीवी नियमित रूप से संचालित हों तथा बच्चों को पोषण, खेलकूद एवं मनोरंजन संबंधी सामग्री प्रदर्शित की जाए। प्रत्येक सेक्टर में कम से कम 5 से 6 आंगनवाड़ियों को आदर्श आंगनवाड़ी के रूप में विकसित करने के निर्देश भी दिए गए।

कलेक्टर ने पोषण ट्रेकर एवं अन्य तकनीकी कार्यों के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण आयोजित करने तथा दक्ष कार्यकर्ताओं को मास्टर ट्रेनर के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए।

बैठक में सहायक कलेक्टर सुश्री आयुषी बंसल, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग श्री आर.एस. बघेल, सहायक संचालक श्री अजय चौहान, सहायक संचालक श्रीमती वर्षा चौहान, सहायक संचालक श्री बालूसिंह सस्तीया, सीडीपीओ एवं संबंधित सेक्टर सुपरवाइजर उपस्थित रहे।

एक फोन कॉल पर डायल 112 दौड़ पड़ी युवक की जान बचाने के लिए

डायल-112 के जवानों की जांबाजी- 3 किलोमीटर दौड़कर रेलवे ट्रैक पर सुसाइड करने जा रहे किशोर को बचाया

बुरहानपुर/ आयूष भावसार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बुरहानपुर जिले के थाना लालबाग क्षेत्र में डायल-112 की टीम ने अपनी तत्परता और सूझबूझ से एक मासूम की जिंदगी बचा ली। घरेलू विवाद से नाराज होकर आत्महत्या करने जा रहे एक 16 वर्षीय किशोर को पुलिस जवान ने करीब 3 किलोमीटर तक पीछा कर मौत के मुंह से सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

मां की एक कॉल और एक्शन में आई पुलिस- घटना लालबाग के मिलचाल क्षेत्र की है। यहां रहने वाली फरियादी द्वारा फोन कॉल करके बताया कि मेरा पुत्र गुस्से में आकर किसी बात पर घरेलू विवाद हो गया था। इससे नाराज होकर आत्महत्या करने की बात कहकर रेलवे स्टेशन की ओर भाग गया। घबराई मां ने तुरंत डायल-112 पर कॉल कर इसकी सूचना दी।

रेलवे ट्रैक पर मौत की दौड़ और जांबाज जवान- सूचना मिलते ही डायल-112 कंट्रोल रूम में तैनात आरक्षक पवन महाजन ने बिना एक पल गंवाए लालबाग थाना की FRV 03 गाड़ी को तत्काल मौके के लिए रवाना किया।

वाहन में तैनात आरक्षक शेख रिजवान और पायलट भूषण तेजी से रेलवे ट्रैक की ओर पहुंचे। उन्होंने देखा कि आशुतोष लालबाग-पाटोंडा रेलवे पटरी पर आगे बढ़ रहा है। जवानों ने उसे दूर से ही आवाज देकर रुकने को कहा, लेकिन आवाज सुनते ही किशोर ने पटरी पर और तेज दौड़ना शुरू कर दिया।

3 किमी का पीछा और मिला जीवनदान– खतरा भांपते हुए आरक्षक शेख रिजवान ने अपनी जान की परवाह न करते हुए पटरी पर ही उसके पीछे दौड़ लगा दी। करीब 3 किलोमीटर तक लगातार पीछा करने के बाद आखिरकार जवान ने किशोर को पकड़ लिया और सुरक्षित तरीके से पटरी से नीचे उतारा।

पुत्र को देखकर मन के चेहरे एवं परिवार में लौटी खुशियां- डायल-112 की इस त्वरित और साहसिक कार्रवाई की बदौलत एक बड़ा हादसा टल गया। जवानों ने किशोर को सुरक्षित लाकर समझा-बुझाकर उसके रोते-बिलखते परिवार के सुपुर्द कर दिया। समय रहते मिली इस मदद के लिए पीड़ित परिवार ने डायल-112 की टीम और मध्य प्रदेश पुलिस का सहृदय आभार व्यक्त किया है।

मुख्य भूमिका– ASI मुकर्रिम खान (प्रभारी रेडियो/ डायल 112) आरक्षक 115 पवन महाजन, आरक्षक 477 शेख रिजवान, पायलट भूषण।

विकासखंड नटेरन के कृषि उपज मंडी शमशाबाद में हुआ कृषि रथ का शुभारंभ

विदिशा/दैनिक मालवा हेराल्ड। राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2026 को किसान कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है, कृषि वर्ष 2026 के अंतर्गत खरीफ वर्ष 2026 को दृष्टिगत रखते हुए विकासखंड नटेरन के कृषि उपज मंडी परिसर शमशाबाद में कृषि रथ कार्यक्रम का शुभारंभ नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि श्री प्रदीप माहेश्वरी, एसडीएम श्री अजय प्रताप सिंह पटेल, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी श्री जगदीश गुर्जर एवं प्रभारी वरिष्ठ उद्यान विकास अधिकारी श्री कुंदन सिंह की उपस्थिति में किया गया।

कृषि रथ के माध्यम से किसानों तक पहुंचेगी आधुनिक कृषिगत जानकारी - विदिशा जिले के प्रत्येक विकासखंड अंतर्गत निर्धारित ग्राम पंचायतों में कृषि रथ का नियमित भ्रमण किया जाएगा। प्रतिदिन ग्राम पंचायत स्तर पर कृषि रथ के माध्यम से कृषि एवं संबद्ध विभागों जैसे पशुपालन, उद्यानिकी, मत्स्य पालन आदि से संबंधित योजनाओं एवं गतिविधियों की जानकारी किसानों तक पहुंचाई जाएगी। इस दौरान किसानों और कृषि वैज्ञानिकों के बीच सीधा संवाद स्थापित कर नवीन एवं वैज्ञानिक तकनीकी सुधारों की जानकारी दी जाएगी।

भीषण गर्मी को दृष्टिगत रखते हुए पक्षियों के लिए जल एवं आहार की व्यवस्था हेतु थाना परिसर में लगाए गए सकोरे

पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जिले के विभिन्न थाना परिसरों में की गई पक्षियों के दाना-पानी की व्यवस्था

बुरहानपुर/ आयूष भावसार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। दिनांक 16 मई 2026 को जिले में लगातार बढ़ रही भीषण गर्मी एवं तापमान को दृष्टिगत रखते हुए पुलिस अधीक्षक बुरहानपुर श्री आशुतोष बागरी के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अंतर सिंह कनेश एवं नगर पुलिस अधीक्षक श्री गौरव पाटिल के मार्गदर्शन में जिले के विभिन्न थाना परिसरों में पक्षियों के लिए जल एवं आहार की विशेष व्यवस्था की गई। पर्यावरण संरक्षण एवं जीव-जंतुओं के प्रति संवेदनशीलता का संदेश देते हुए थाना परिसर में मिट्टी के सकोरे (जल पात्र) एवं दाना पात्र लगाए गए, ताकि गर्मी के मौसम में पक्षियों को पेयजल एवं भोजन उपलब्ध हो सके।

इस पहल के अंतर्गत थाना प्रभारी नेपानगर निरीक्षक ज्ञानू जायसवाल एवं स्टाफ द्वारा थाना परिसर में पक्षियों के लिए जल एवं आहार की व्यवस्था हेतु थाना परिसर में सकोरे (मिट्टी के पात्र) में स्वच्छ पानी भरकर रखा गया तथा पक्षियों के लिए नियमित रूप से दाना डालने की व्यवस्था सुनिश्चित की गई।

पुलिस अधीक्षक महोदय ने कहा कि भीषण गर्मी का प्रभाव केवल मानव जीवन पर ही नहीं बल्कि पशु-पक्षियों पर भी पड़ता है। ऐसे समय में प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह अपने घर, दुकान एवं प्रतिष्ठानों के बाहर पक्षियों के लिए पानी एवं दाने की व्यवस्था करें, जिससे जीवों की रक्षा हो सके और पर्यावरण के प्रति मानवीय संवेदनाएं विकसित हों।

जिले के जनजातीय क्षेत्रों के चिन्हित 651 ग्रामों में लगेंगे लाभार्थी संतृप्ति शिविर

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय एवं मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार जिले में जनजातीय समुदायों को शासकीय योजनाओं से शत-प्रतिशत लाभान्वित करने तथा उनके सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण के उद्देश्य से धरती आबा-जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट के निर्देशानुसार जिले के जनजातीय क्षेत्रों में 18 मई से 25 मई 2026 तक जन भागीदारी ङ्क सबसे दूर, सबसे पहले अभियान के तहत लाभार्थी संतृप्ति शिविरों का आयोजन किया जाएगा। अभियान के अंतर्गत जिले के चयनित 651 ग्रामों में स्थित आदि सेवा केन्द्रों पर शिविर आयोजित किए जाएंगे, जहां विभिन्न विभागों के समन्वय से पात्र हितग्राहियों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रदान किया जाएगा।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

शनि जयंती और शनिचरी अमावस्या पर त्रिवेणी में उमड़ा आस्था का सैलाब

फव्वारों से किया शिप्रा स्नान, नवग्रह शनि मंदिर में देर शाम तक दर्शन-पूजन-इंदौर रोड पर दिनभर जाम जैसे हालात

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शनिवार को 13 साल बाद बने दुर्लभ संयोग में शनि जयंती और शनिचरी अमावस्या पर्व पर उज्जैन की त्रिवेणी आस्था के बड़े केंद्र के रूप में नजर आई। तड़के से ही श्रद्धालुओं का सैलाब त्रिवेणी घाट और प्राचीन नवग्रह शनि मंदिर पहुंचना शुरू हो गया था। देर रात तक मंदिर परिसर और घाट क्षेत्र श्रद्धालुओं से भरा रहा। लाखों भक्तों ने शिप्रा स्नान कर भगवान शनिदेव का पूजन-अर्चन किया तथा तेल अर्पित कर सुख-समृद्धि और शनि दोष से मुक्ति की कामना की।

पर्व को लेकर मंदिर प्रशासन और जिला प्रशासन द्वारा विशेष व्यवस्थाएं की गई थीं। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए घाटों पर फव्वारे लगाए गए थे, जहां महिलाओं और पुरुषों के लिए अलग-अलग स्नान व्यवस्था बनाई गई। सुबह से ही श्रद्धालु फव्वारों के नीचे स्नान करते नजर आए। स्नान के बाद बड़ी संख्या में लोगों ने कपड़े और जूते-चप्पल दान स्वरूप घाटों पर छोड़े, जिसके चलते घाट क्षेत्र में पनौती के ढेर लग गए। नगर निगम की टीमें लगातार सफाई और पनौती समेटने में जुटी रहीं। नवग्रह शनि मंदिर में सुबह भगवान शनिदेव का पंचामृत अभिषेक किया गया। इसके बाद विशेष श्रृंगार और पुष्प सज्जा की गई तथा 56 भोग अर्पित किए गए। मंदिर में 24 घंटे तक तेल अर्पण की व्यवस्था रखी गई थी। श्रद्धालु अपने साथ तेल, काला तिल, नारियल, काला कपड़ा, नमक और लोहे की सामग्री लेकर पहुंचे। मंदिर परिसर में दर्शन व्यवस्था बनाए रखने के लिए बैरिकेडिंग की गई थी, जहां दिनभर लंबी कतारें लगी रहीं। भीड़ को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर रहा। मंदिर और घाट क्षेत्र में पुलिस बल, होमगार्ड तथा एसडीआरएफ की टीमें तैनात की गई थीं। यातायात नियंत्रण, पार्किंग, पेयजल और चिकित्सा सुविधाओं के भी विशेष इंतजाम किए गए थे। प्रशासनिक अधिकारियों ने लगातार व्यवस्थाओं की मॉनिटरिंग की।

पर्व के चलते इंदौर रोड और त्रिवेणी ब्रिज क्षेत्र में दिनभर भारी दबाव बना रहा। ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने के कारण कई बार जाम जैसी स्थिति बनी। सड़कों पर वाहनों की लंबी कतारें दिखाई दीं और लोगों को आवाजाही में परेशानी का सामना करना पड़ा। हालांकि पुलिस और यातायात अमले ने मोर्चा संभालकर व्यवस्था को नियंत्रित किया।

महाकाल की भस्म आरती में शामिल हुई भारतीय महिला क्रिकेट टीम

कप्तान हरमनप्रीत, शेफाली, दीप्ति समेत खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ ने किए दर्शन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की खिलाड़ी एवं कोचिंग स्टाफ के सदस्यों ने आज शनिवार सुबह महाकालेश्वर मंदिर पहुंचकर भगवान महाकाल की प्रातःकालीन भस्म आरती में शामिल होकर दर्शन किए। खिलाड़ियों ने नंदी हाल में पूजा-अर्चना कर देश और टीम की सफलता की कामना की।

भस्म आरती में टीम से जुड़ी हरमनप्रीत, श्रेयंका, रेणुका, यस्तिका, शेफाली, दीप्ति, ममता, राधा, नंदनी, राखी, क्रांति, अरुंधति रेड्डी, पूर्वा और रुचा सहित अन्य खिलाड़ी मौजूद रहे। वहीं कोचिंग एवं सपोर्ट स्टाफ में अमोल मुजुमदार, प्रवीण शर्मा, शेर सिंह, अनिरुद्ध, भारती, आविष्कार, साल्वि, धनंजय, सचिन, मुनीश, नल्लापु और गोल्लाने सहित अन्य सदस्य मौजूद थे। भस्म आरती के दौरान सभी खिलाड़ी ध्यान लगाते नजर आए। दर्शन के बाद मंदिर प्रबंध समिति की ओर से सभी खिलाड़ियों और स्टाफ सदस्यों को भगवान महाकाल की प्रतिमा और प्रसाद भेंट कर अभिनंदन किया। भस्म आरती के दौरान मंदिर परिसर में श्रद्धा और भक्ति का माहौल देखने को मिला। खिलाड़ियों ने नंदी हॉल और गर्भगृह के बाहर से भगवान महाकाल के दर्शन किए। टीम के उज्जैन आगमन को लेकर क्रिकेट प्रशंसकों में भी उत्साह दिखाई दिया।

प्राचीन बावड़ी का संरक्षणः जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत बामौरा में श्रमदान एवं स्वच्छता अभियान

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जन अभियान परिषद विकासखंड उज्जैन के सेक्टर चिंतामन जवासिया अंतर्गत ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति बामौरा द्वारा शनिवार को जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत ग्राम बामौरा स्थित गणेश मंदिर के पास प्राचीन बावड़ी पर एक प्रभावी श्रमदान एवं स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जन अभियान परिषद के संभाग समन्वयक श्री शिवप्रसाद मालवीय विशेष रूप से उपस्थित रहे। अभियान के दौरान समिति सदस्यों, ग्रामीणों तथा सामाजिक कार्यकर्ताओं ने सामूहिक श्रम साधना करते हुए बावड़ी की साफ-सफाई की तथा आसपास फैली गंदगी और अवांछित सामग्री को पूरी तरह हटा दिया। इस कार्य से जल स्रोत संरक्षण का मजबूत संदेश पूरे गांव में पहुंचा। श्री शिवप्रसाद मालवीय ने इस अवसर पर कहा कि प्राचीन बावड़ियां हमारी सांस्कृतिक धरोहर तथा जल संरक्षण का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। इनके संरक्षण एवं पुनर्जीवन के लिए समाज की सक्रिय सहभागिता अत्यंत आवश्यक है। जल गंगा संवर्धन अभियान केवल सफाई का कार्य नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए जल बचाने का जन आंदोलन है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विकासखंड समन्वयक श्री अरुण व्यास ने ग्रामीणों को जल संरक्षण, पर्यावरण संवर्धन और सामुदायिक सहभागिता के महत्व पर प्रकाश डाला।

नकली आइसक्रीम का बढ़ता कारोबार, कार्रवाई नहीं

शहर में कई जगहों पर मिल रही केमिकलयुक्त आइसक्रीम, स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बताया सेहत के लिए खतरनाक

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। गर्मी बढ़ने के साथ शहर में आइसक्रीम और फ्रोजन डेजर्ट की बिक्री तेज हो गई है। इसी के साथ नकली और घटिया गुणवत्ता वाली आइसक्रीम का कारोबार भी बढ़ने लगा है। जानकारी के अनुसार शहर में कई दुकानों और आइसक्रीम पार्लरों पर ऐसे उत्पाद बेचे जा रहे हैं, जिनमें हानिकारक केमिकल और सस्ते तेलों का इस्तेमाल किया जा रहा है। इससे लोगों की सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है।

इंदौर में हाल ही में नकली आइसक्रीम के मामले सामने आने के बाद वहां प्रशासन और खाद्य विभाग सक्रिय हो गया है, लेकिन उज्जैन में अब तक इस तरह की कोई बड़ी कार्रवाई नहीं हुई है। शहर में खुलेआम फ्रोजन डेजर्ट को आइसक्रीम बताकर बेचा जा रहा है। पैकिंग पर फ्रोजन डेजर्ट जरूर लिखा रहता है, लेकिन यह इतने छोटे अक्षरों में होता है कि अधिकांश ग्राहक इसे पढ़ ही नहीं पाते। कई दुकानदार भी बिना जानकारी दिए इसे आइसक्रीम बताकर बेच देते हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार फ्रोजन डेजर्ट में दूध की जगह पाम ऑयल और प्रोसेस्ड वेजिटेबल ऑयल का उपयोग किया जाता है। लगातार सेवन से मोटापा, कोलेस्ट्रॉल, डायबिटीज और हृदय रोग का खतरा बढ़ सकता है। डॉक्टरों का कहना है कि बच्चों, बुजुर्गों और हार्ट पेशेंट्स को ऐसे उत्पादों से विशेष सावधानी बरतनी चाहिए।

शहर में विवाह समारोह, पार्टियों और होटलों में भी बड़े स्तर पर ऐसे उत्पाद परोसे जा रहे हैं। आइसक्रीम पार्लरों पर इनकी बिक्री लगातार बढ़ रही है। जानकारों का कहना है कि खाद्य विभाग को शहर में सैंपलिंग अभियान चलाकर जांच करनी चाहिए, ताकि लोगों को सुरक्षित खाद्य पदार्थ मिल सकें।

महाराष्ट्र के श्रद्धालुओं से पैसे लेकर दर्शन करने वाला युवक फरार

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महाकाल दर्शन के नाम पर महाराष्ट्र के श्रद्धालुओं से रूपये लेने वाला 3 दिन बाद भी शनिवार शाम तक पुलिस गिरफ्त में नहीं आ सका था। महाकाल थाना पुलिस ने मामले में सुपरवाइजर की शिकायत पर धारा 318 (4) का प्रकरण दर्ज किया था। महाराष्ट्र से तीन श्रद्धालु शार्दुल कांबले, तन्मय भालेकर और मानव गायकोड 13 मई को उज्जैन पहुंचे थे। तीनों ने दोपहर में नंदीहाल से बाबा महाकाल के दर्शन किये और खड़े थे। उस वक्त सुरक्षाकर्मियों ने उन्हे आगे जाने के लिये कहा तो तीनो बहस करने लगे थे। जिसने पूछताछ करने पर सामने आया कि उन्होने दर्शन के लिये 5 हजार रूपये दिये है। उनका संपर्क आशुतोष शर्मा से हुआ था। जिसने भस्मारती दर्शन की बात भी तय की है। सुरक्षाकर्मी तीनों को मंदिर कंट्रोलरूम लाया गया। जहां उन्होने ऑनलाइन ट्रांजेक्शन आईडी नम्बर 613361985319 के माध्यम से आशुतोष शर्मा के मोबाइल नम्बर 9827363826 बताया। आशुतोष ने प्रोटोकॉल दर्शन नंदीहाल से कराने की बात कहीं थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए मंदिर के सुपरवाईजर मुकेश बोगना ने मामले की लिखित शिकायत महाकाल थाना पुलिस से की। थाना प्रभारी गगन बादल ने बताया कि आशुतोष शर्मा के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर तलाश शुरू की गई है। शनिवार शाम तक आशुतोष गिरफ्त में नहीं आ सकता था। उसकी मोबाइल लोकेशन ट्रेस करने का प्रयास किया जा रहा है। विदित हो कि पूर्व में दर्शन के नाम पर श्रद्धालुओं से रूपये लिये जाने के मामले सामने आये थे। मंदिर समिति की ओर से मामले में एक्शन लिया गया था और मंदिर से जुड़े कर्मचारियों के साथ कई बाहरी लोगों को गिरफ्तार किया गया था। काफी दिनों तक श्रद्धालुओं से रूपये लेने की शिकायत सामने नहीं आई थी, लेकिन एक बार फिर दर्शन के नाम पर रूपये लेने वाले सक्रिय होते दिखाई दे रहे है।

एक लाख घरों तक अब भी नहीं पहुंची पीएनजी गैस

शहर के कई बड़े हिस्सों में पाइपलाइन तक नहीं बिछी, जहां लाइन पहुंची वहां भी आधे से कम कनेक्शन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) योजना की रफ्तार अब भी बेहद धीमी बनी हुई है। हालात यह हैं कि शहर के करीब एक लाख घर आज भी पीएनजी गैस सुविधा से वंचित हैं। कई बड़े रहवासी इलाकों में अब तक गैस पाइपलाइन ही नहीं पहुंच सकी है, जबकि जिन क्षेत्रों में पाइपलाइन बिछ चुकी है वहां भी बड़ी संख्या में लोगों ने कनेक्शन नहीं लिया है।

हाटकेश्वर विहार, गोपाल मंदिर क्षेत्र और पुराने शहर के कई इलाकों में पीएनजी की मांग लगातार बढ़ रही है, लेकिन यहां अब तक पाइपलाइन बिछाने का काम पूरा नहीं हो पाया है। शहर के नागदा रोड और इंदौर रोड के कई बड़े आवासीय क्षेत्रों में भी पाइपलाइन विस्तार अधूरा है। ऐसे में प्रशासन और गैस कंपनी के दावों के बावजूद योजना का लाभ सीमित क्षेत्रों तक ही सिमटकर रह गया है। जानकारी के अनुसार गैस कंपनी अब तक शहर के करीब एक चौथाई हिस्से में ही पाइपलाइन नेटवर्क तैयार कर पाई है। देवास रोड और मक्सी रोड के कुछ क्षेत्रों में गैस लाइन बिछाई गई है। इसके अलावा फ्रीगंज, देसाई नगर, लक्ष्मी नगर और नानाखेड़ा जैसे इलाकों में भी पाइपलाइन डाली गई है, लेकिन यहां भी अपेक्षित संख्या में उपभोक्ता सामने नहीं आए हैं। प्रशासन द्वारा सरकारी संस्थानों को पीएनजी नेटवर्क से जोड़ने की पहल जरूर शुरू की गई है। योजना के तहत राजकीय आवास, विद्यालय, छात्रावास, कॉलेज, सर्किट हाउस, प्रशिक्षण संस्थान और विश्वविद्यालय परिसरों को गैस कनेक्शन देने की तैयारी चल रही है। सरकारी छात्रावासों को भी इस नेटवर्क से जोड़ने की योजना बनाई गई है। इधर गैस टंकियों की कमी को देखते हुए जिला प्रशासन ने संबंधित कंपनी को दो माह के भीतर पांच हजार नए पीएनजी कनेक्शन देने का लक्ष्य सौंपा था, लेकिन मौजूदा स्थिति यह है कि पूरे शहर में अब तक केवल 400 से 500 नए कनेक्शन ही जारी हो सके हैं।

ये हैं योजना की धीमी रफ्तार के कारण-
शहर की भौगोलिक स्थिति इस परियोजना के सामने बड़ी चुनौती बनी हुई है। नदी पार के क्षेत्रों में पाइपलाइन बिछाने में तकनीकी दिक्कतें आ रही हैं। कई स्थानों पर सड़कों की खुदाई और कटिंग की अनुमति मिलने में भी समय लग रहा है, जिससे काम प्रभावित हो रहा है।

इसके अलावा जागरूकता की कमी भी बड़ी वजह मानी जा रही है। जिन इलाकों में पाइपलाइन पहुंच चुकी है वहां भी कई परिवारों ने अब तक पीएनजी कनेक्शन नहीं लिया है। गैस कंपनियों का कहना है कि लोग अभी पारंपरिक गैस सिलेंडर पर ही निर्भर हैं और नई व्यवस्था अपनाने में रुचि कम दिखा रहे हैं। कंपनी का दावा है कि आने वाले महीनों में शहर के अधिक इलाकों तक पाइपलाइन पहुंचाने और कनेक्शन बढ़ाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक परिवारों को पीएनजी सुविधा का लाभ मिल सके।

परिवार के एक लोटे पुत्र ने खाया जहर, मौत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। तीन बहनो के एकलौते भाई ने बीती रात जहर खा लिया जिसकी उपचार के दौरान मौत हो गई। चार-पांच दिनों से भाई मरने की रट लगा रहा था। उसका मानसिक संतुलन भी ठीक नहीं था। नरवर थाना क्षेत्र के ग्राम बाढ़कुम्मेद में रहने वाले दिलीप मीणा के 19 वर्षीय पुत्र समीर ने घर की छत पर जाकर जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत बिगड़ने पर उसे अस्पताल लाया गया जहां उसकी मौत हो गई। शनिवार सुबह पोस्टमार्टम के दौरान सामने आया कि समीर का मानसिक संतुलन ठीक नहीं था और तीन बहनों का एकलौता भाई था। तीन चार दिनों से वह मरने की रट लगा रहा था। कुछ दिन पहले ही गांव के रहने वाले आशीष विश्वकर्मा ने जहर खाकर आत्महत्या की थी। समीर उसका दोस्त था। फिलहाल पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम कराया है।

रिश्तेदार के आई महिला की छत से गिरने पर मौत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। गुजरात से समधी के यहां उज्जैन आई समधन की शुक्रवार को छत से गिरने के बाद मौत हो गई। शव को पोस्टमार्टम कक्ष में रखवाया गया है। दो दिन बाद पोस्टमार्टम कराया जाएगा। माधवनगर थाना पुलिस ने बताया कि गुजरात के बड़ोदरा से आशा पति दीपक भट्ट 61 वर्ष ऋषिनगर में रहने वाले समधी शैलेन्द्र त्रिवेदी के यहां दो दिन पहले आई थी। शुक्रवार सुबह वह छत पर जाने के लिए सीढ़ियो के रास्ते से ऊपर पहुंची। जहां मुंडेर की दीवार से टिककर खड़े होने के दौरान अचानक संतुलन बिगड़ने से नीचे गिर गई। सिर में चोट लगने पर उन्हें अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। शव को पोस्टमार्टम कक्ष में रखा गया है। पुलिस के अनुसार आशा भट्ट का पुत्र और बहू अमेरिका में रहते हैं जिनके आने पर पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

शराब के साथ पकड़ाये युवक को सालभर की सजा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। अवैध शराब के साथ हिरासत में आये युवक को 12 साल बाद कोर्ट ने एक साल की सजा सुनाई है। शराब तस्कर पर 25 हजार का अर्थदंड भी लगाया गया है। 4 अप्रैल 2014 को नागदा चौपाटी से पुलिस ने बाइक सवार बंशी पिता लालचंद्र निवासी जी ब्लॉक टापरी को अवैध शराब के साथ पकड़ा था। बंशी के पास से 6 पेटी देशी शराब की बरामद हुई थी। मामले में आबकारी की धारा 34 (2) का प्रकरण दर्ज कर अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया था। 12 साल चली सुनवाई के बाद न्यायिक मजिस्ट्रेट अश्विन परमार ने फैसला सुनाते हुए 1 साल का सश्रम कारावास और 25 हजार रूपये अर्थदंड से दंडित किया। प्रकरण में पैरवीकर्ता सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी कुलदीपसिंह भदौरिया के तर्कों से सहमत होकर न्यायालय ने आरोपी को दंडित किया है।

शहर में धड़ल्ले से बिक रहे केमिकल से पके फल

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में इन दिनों केमिकल से पकाए गए फलों की बिक्री खुलेआम हो रही है। बाजारों में बड़े पैमाने पर ऐसे फल पहुंच रहे हैं, जिन्हें जल्दी पकाने के लिए रसायनों का उपयोग किया जा रहा है। आम, केला, पपीता और तरबूज जैसे फलों में यह खेल सबसे ज्यादा देखने को मिल रहा है। इसके बावजूद खाद्य सुरक्षा विभाग और संबंधित जिम्मेदार एजेंसियां कार्रवाई के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति करती नजर आ रही हैं।

गर्मी के मौसम में फलों की मांग बढ़ते ही व्यापारियों द्वारा अधिक मुनाफा कमाने के लिए खतरनाक केमिकल का इस्तेमाल किया जा रहा है। डॉक्टरों के अनुसार ऐसे फल बाहर से चमकदार और पीले दिखाई देते हैं, लेकिन अंदर से कच्चे रहते हैं। लंबे समय तक इनका सेवन करने से लीवर, किडनी और दिल पर बुरा असर पड़ सकता है। वहीं कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है।

विशेषज्ञों का कहना है कि फलों को जल्दी पकाने के लिए कैल्शियम कार्बाइड जैसे रसायनों का उपयोग किया जाता है। इससे फल तो जल्दी तैयार हो जाते हैं, लेकिन उनमें मौजूद पोषक तत्व कम हो जाते हैं। यही वजह है कि लोग स्वाद और सेहत दोनों से समझौता करने को मजबूर हैं।

जांच की व्यवस्था नहीं, कार्रवाई भी सीमित- शहर में केमिकल से पकाए गए फलों की पहचान और जांच के लिए पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। जानकारी के अनुसार फलों के सैंपल भोपाल की लैब भेजे जाते हैं, जहां रिपोर्ट आने में काफी समय लग जाता है। ऐसे में स्थानीय स्तर पर तुरंत जांच नहीं हो पाती और कई मामले दबकर रह जाते हैं। खाद्य सुरक्षा विभाग की ओर से समय-समय पर अभियान चलाने के दावे किए जाते हैं, लेकिन बाजारों में अब भी खुलेआम ऐसे फल बिक रहे हैं। लोगों का कहना है कि यदि नियमित जांच और सख्त कार्रवाई हो तो इस पर काफी हद तक रोक लग सकती है।

ऐसे करें केमिकल से पके फलों की पहचान- विशेषज्ञों के मुताबिक केमिकल से पकाए गए फल पूरी तरह प्राकृतिक तरीके से नहीं पकते। ऐसे फल ऊपर से अधिक चमकदार और एक जैसे रंग के दिखाई देते हैं, जबकि अंदर से कच्चे निकलते हैं। कई बार फलों में स्वाद भी सामान्य से अलग होता है। केला और आम जैसे फलों पर असामान्य पीला रंग, जल्दी गलना और गंध में अंतर भी केमिकल के उपयोग का संकेत हो सकता है। प्राकृतिक रूप से पके फलों में रंग और स्वाद सामान्य रहता है।

लगातार सेवन से हो सकती हैं ये समस्याएं-

लीवर और किडनी पर बुरा असर
पेट में जलन और पाचन संबंधी परेशानी
सिरदर्द और उल्टी की शिकायत
शरीर में पोषक तत्वों की कमी
लंबे समय में कैंसर जैसी गंभीर बीमारी का खतरा

लोगों ने उठाई सख्त कार्रवाई की मांग- शहरवासियों का कहना है कि प्रशासन को बाजारों में नियमित जांच अभियान चलाना चाहिए। साथ ही जिन व्यापारियों द्वारा केमिकल का उपयोग किया जा रहा है, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए, ताकि लोगों की सेहत से खिलवाड़ रोका जा सके।

इंदौर से ग्वालियर जा रही बस में जिंदा जला 4 साल का बच्चा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शाजापुर-मक्सी नेशनल हाईवे-52 पर शुक्रवार शनिवार रात भीषण हादसा हो गया। इंटरसिटी बस में लगी आग में 4 साल का बच्चा जिंदा जल गया। आगजनी के बाद अफरा-तफरी का माहौल बन गया था। लोगों की मदद से बस में सवार यात्रियों को बाहर निकाला गया। मासूम बच्चे का शनिवार सुबह शाजापुर में पोस्टमार्टम कराया गया है। तराना पुलिस मामले में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू करेगी।

इंदौर से ग्वालियर के लिए इंटरसिटी एसी वॉल्वो बस क्रमांक एमपी-07 झेडएल-9090 रवाना हुई थी। रात 12 बजे के लगभग बस तराना थाना क्षेत्र के शाजापुर-मक्सी नेशनल हाईवे-52 पर स्थित होटल जैन पथ पर रूकी। बस में करीब 40 के लगभग यात्री सवार थे। कुछ यात्री होटल पर चाय-नाश्ते के लिए उतर गए। उसी दौरान अचानक बस में शार्ट सर्किट हुआ और धुआं उठने के साथ आग लग गई। घटना देखते ही लोगों ने बस में बैठे यात्रियों को बाहर निकालने का काम शुरू किया। खिड़कियों के कांच फोड़े गए। इस बीच सभी यात्रियों को बाहर निकाला लिया गया लेकिन शिवपुरी का रहने वाला अनय पिता अभिषेक जैन 4 साल बस के अंदर ही आग की लपटों में घिर गया। उसके माता-पिता अपने दूसरे मासूम को लेकर भीड़ के बीच नीचे उतर गए थे। आगजनी की खबर मिलते ही तराना, मक्सी, शाजापुर की फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंच गई थी। आग पर काबू पाया गया लेकिन बस से मासूम अनय का पूरी तरह से जला हुआ शव बाहर ही निकाला जा सका। शव देखकर लोग दहल उठे। बस में लगी आग की जानकारी लगने पर तराना एसडीओपी भविष्य भास्कर, थाना प्रभारी रामनारायणसिंह भदौरिया सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए थे। रात में ही मृतक बालक को शाजापुर भेजा गया। जहां शनिवार सुबह उसका पोस्टमार्टम कराया गया। थाना प्रभारी भदौरिया के अनुसार मामले में मर्ग डायरी मिलते ही प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की जाएगी। मासूम अपने माता-पिता और छोटे भाई के साथ इंदौर से शिवपुरी के लिए बस में यात्रा कर रहा था।

जेसीबी की मदद से निकाला गया शव- बस में जिंदा जले चार साल के मासूम को निकालने के लिए काफी मशक्कत करना पड़ी। मौके पर पहुंचे प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों द्वारा जेसीबी बुलवाकर बस के गेट और खिड़कियों को तोड़ा गया और वेल्डिंग मिस्त्री को बुलवाकर गेट को कटवाया गया। जिसके बाद सीट हटाई गई जहां मासूम कंकाल के रूप में दिखाई दिया। इस दौरान माता-पिता बेटे के लिए बिलखते दिखाई दिए। इस दौरान कुछ यात्रियों ने बताया कि जैन पथ होटल पहुंचने से पहले ही बस में तार जलने की बदबू आने लगी थी। उन्होंने ड्रायवर को इसकी जानकारी भी दी थी लेकिन उसने ध्यान नहीं दिया।

13 वर्षों बाद दुर्लभ संयोग, शनि जयंती पर उज्जैन बना आस्था, सेवा और श्रद्धा का केंद्र, 'श्री मंदिर' ऐप के माध्यम से देश-विदेश के लाखों श्रद्धालु शनि महापूजा से जुड़े

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शनि जयंती और ज्येष्ठ मास की शनि अमावस्या का दुर्लभ संयोग, जो पिछले 13 वर्षों में एक साथ नहीं आया था, इस बार उज्जैन स्थित नवग्रह शनि मंदिर में अत्यंत श्रद्धा, वैदिक परंपरा और सेवा भाव के साथ संपन्न हुआ। इस विशेष अवसर पर शनि महापूजा, तिल तेल अभिषेक, मंत्र जाप, हवन और विभिन्न सेवा कार्यों का आयोजन किया गया, जिनसे देश-विदेश के श्रद्धालु 'श्री मंदिर' ऐप के माध्यम से जुड़े।

'श्री मंदिर' ऐप के माध्यम से देश और विदेश के एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने पूजा, संकल्प और विशेष अनुष्ठानों में डिजिटल रूप से सहभागिता की। जिन श्रद्धालुओं के नाम से शनि तिल तेल अभिषेक, मंत्र जाप, हवन एवं अन्य विशेष पूजाएं संपन्न की गईं, उन सभी अनुष्ठानों के वीडियो भी भक्तों को ऐप पर उपलब्ध करवाए गए। इससे श्रद्धालुओं को न केवल अपने संकल्प की पूर्णता का अनुभव हुआ, बल्कि पूजा प्रक्रिया की पारदर्शिता और विश्वास भी और अधिक मजबूत हुआ। यह पहल विशेष रूप से उन भक्तों के लिए महत्वपूर्ण साबित हो रही है, जो स्वास्थ्य, आयु या दूरी के कारण मंदिर तक नहीं पहुँच पाते, लेकिन फिर भी अपनी आस्था और परंपरा से गहराई से जुड़े रहना चाहते हैं।

नवग्रह शनि मंदिर में आयोजित इस विशेष महाअनुष्ठान में हजारों श्रद्धालुओं ने प्रत्यक्ष रूप से भाग लिया। यह आयोजन केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि भारतीय सनातन परंपराओं, आस्था और आध्यात्मिक मूल्यों को संरक्षित करने का एक सामूहिक प्रयास बना। उज्जैन, जो प्राचीन काल से आध्यात्मिक चेतना और ज्योतिषीय परंपराओं का केंद्र रहा है, इस दुर्लभ अवसर पर एक बार फिर श्रद्धा और साधना का प्रमुख केंद्र बना।

इस आयोजन की विशेषता केवल पूजा तक सीमित नहीं रही, बल्कि समाजसेवा भी इसका महत्वपूर्ण हिस्सा रही। 'श्री मंदिर' द्वारा मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में भंडारा सेवा, प्याऊ सेवा और श्रद्धालुओं के लिए विभिन्न सुविधा सेवाओं का आयोजन किया गया। दूर-दराज से आए श्रद्धालुओं, साधु-संतों और स्थानीय नागरिकों के लिए निःशुल्क भोजन एवं जल सेवा उपलब्ध कराई गई। यह पहल भारतीय संस्कृति की उस भावना को दर्शाती है, जहाँ धर्म केवल पूजा तक सीमित नहीं, बल्कि सेवा, संवेदना और सामुदायिक जुड़ाव का माध्यम भी है।

पूरे आयोजन के दौरान वैदिक मंत्रोच्चार, शनि मंत्र जाप और हवन से वातावरण भक्तिमय और ऊर्जावान बना रहा। मान्यता है कि शनि जयंती के दिन श्रद्धा और सेवा भाव से की गई पूजा जीवन में शांति, संतुलन और सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करती है।

नवग्रह शनि मंदिर के महंत राकेश बैरागी जी, नवग्रह शनि मंदिर, ने कहा, शनिदेव कर्म और न्याय के देवता हैं। जब श्रद्धा, सेवा और भक्ति एक साथ जुड़ती है, तभी पूजा का वास्तविक फल प्राप्त होता है। आज तकनीक के माध्यम से जो भक्त यहाँ उपस्थित नहीं हो सके, वे भी इस दिव्य अनुष्ठान का हिस्सा बन पाए। यह हमारी परंपराओं और आस्था को आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाने का एक सुंदर माध्यम है।

'श्री मंदिर' ऐप के संस्थापक एवं सीईओ प्रशांत सचान ने कहा, हम मानते हैं कि तकनीक केवल सुविधा का माध्यम नहीं, बल्कि आस्था को जोड़ने वाला एक सेतु भी बन सकती है। हमारा उद्देश्य मंदिरों की परंपराओं, सेवा और आध्यात्मिक ऊर्जा को हर श्रद्धालु तक उसी पवित्रता और विश्वास के साथ पहुँचाना है। उज्जैन में आयोजित यह शनि महापूजा इस बात का उदाहरण है कि कैसे सेवा, श्रद्धा और तकनीक मिलकर समाज और संस्कृति को मजबूत बना सकते हैं।

'श्री मंदिर' ऐप लगातार इस दिशा में कार्य कर रहा है कि देशभर के मंदिरों की परंपराएं, सेवा कार्य और आध्यात्मिक अनुभव देश-विदेश के श्रद्धालुओं तक विश्वसनीय और पारदर्शी तरीके से पहुँच सकें। उज्जैन का यह आयोजन इस बात का उदाहरण बनकर सामने आया कि कैसे आस्था, सेवा और तकनीक का संतुलित समन्वय श्रद्धालुओं को जोड़ने और सनातन परंपराओं को आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।